

मध्यमकालीन खर्च संरचना

आ.व. २०८०/८१ - आ.व. २०८२/८३

Medium Term Expenditure Framework 2022/23-2024/25



नलगाड नगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय
दल्ली, जाजरकोट
कर्णाली प्रदेश, नेपाल

विषयसूची

| | |
|--|----|
| परिच्छेद १ : परिचय..... | १ |
| १.१ पृष्ठभूमि | १ |
| १.२ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अवधारणा | १ |
| १.३ मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीको उद्देश्य..... | २ |
| १.४ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमाका आधारहरू | २ |
| १.५ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा विधि तथा प्रक्रिया..... | ३ |
| परिच्छेद २: मध्यमकालीन खर्च संरचना | ६ |
| २.१ पृष्ठभूमि | ६ |
| २.२ चुनौति तथा अवसर..... | ६ |
| २.३ सोच, उद्देश्य तथा रणनीति | ७ |
| २.४ मध्यमकालीन आर्थिक खाका..... | ८ |
| २.५ मध्यमकालीन नतिजा खाका | ९ |
| २.६ मध्यमकालीन बजेट खाका | ९ |
| २.७ बजेट विनियोजन र प्रक्षेपणको बांडफाड | १३ |
| २.८ विषय क्षेत्रगत बांडफाड | १६ |
| परिच्छेद ३ : आर्थिक क्षेत्र..... | २१ |
| ३.१ कृषि | २१ |
| ३.१.१ पृष्ठभूमि | २१ |
| ३.१.२ समस्या तथा चुनौति..... | २१ |
| ३.१.३ लक्ष्य | २२ |
| ३.१.४ उद्देश्य | २२ |
| ३.१.५ रणनीति | २२ |
| ३.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य..... | २२ |
| ३.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान..... | २२ |
| ३.१.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण..... | २३ |
| ३.१.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान..... | २३ |
| ३.२ सिंचाई | २४ |
| ३.२.१ पृष्ठभूमि | २४ |
| ३.२.२ समस्या तथा चुनौति..... | २४ |
| ३.२.३ लक्ष्य | २४ |
| ३.२.४ उद्देश्य | २४ |
| ३.२.५ रणनीति | २४ |
| ३.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य..... | २४ |
| ३.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान..... | २५ |
| ३.२.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण..... | २५ |
| ३.२.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान..... | २६ |
| ३.३ पशुपंक्षी | २६ |
| ३.३.१ पृष्ठभूमि | २६ |
| ३.३.२ समस्या तथा चुनौति..... | २६ |
| ३.३.३ लक्ष्य | २७ |
| ३.३.४ उद्देश्य | २७ |
| ३.३.५ रणनीति | २७ |
| ३.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य..... | २७ |
| ३.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान..... | २७ |
| ३.३.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण..... | २८ |
| ३.३.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान..... | २८ |
| ३.४ उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय..... | २८ |

| | |
|---|-----------|
| ३.४.१ पृष्ठभूमि | २८ |
| ३.४.२ समस्या तथा चुनौति | २९ |
| ३.४.३ लक्ष्य | २९ |
| ३.४.४ उद्देश्य | २९ |
| ३.४.५ रणनीति | २९ |
| ३.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य | २९ |
| ३.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान | ३० |
| ३.४.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण | ३० |
| ३.४.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान | ३० |
| ३.५ पर्यटन तथा संस्कृति | ३१ |
| ३.५.१ पृष्ठभूमि | ३१ |
| ३.५.२ समस्या तथा चुनौति | ३१ |
| ३.५.३ लक्ष्य | ३१ |
| ३.५.४ उद्देश्य | ३१ |
| ३.५.५ रणनीति | ३१ |
| ३.५.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य | ३१ |
| ३.५.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान | ३२ |
| ३.५.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण | ३२ |
| ३.५.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान | ३२ |
| ३.६ भूमी व्यवस्था, सहकारी तथा वित्तीय व्यवस्थापन | ३३ |
| ३.६.१ पृष्ठभूमि | ३३ |
| ३.६.२ समस्या तथा चुनौति | ३३ |
| ३.६.३ लक्ष्य | ३३ |
| ३.६.४ उद्देश्य | ३३ |
| ३.६.५ रणनीति | ३३ |
| ३.६.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य | ३४ |
| ३.६.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान | ३४ |
| ३.६.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण | ३४ |
| ३.६.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान | ३५ |
| ३.७ श्रम, रोजगारी तथा गरिवी निवारण | ३५ |
| ३.७.१ पृष्ठभूमि | ३५ |
| ३.७.२ समस्या तथा चुनौति | ३५ |
| ३.७.३ लक्ष्य | ३६ |
| ३.७.४ उद्देश्य | ३६ |
| ३.७.५ रणनीति | ३६ |
| ३.७.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य | ३६ |
| ३.७.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान | ३६ |
| ३.७.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण | ३७ |
| ३.७.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान | ३७ |
| परिच्छेद ४ : सामाजिक क्षेत्र | ३८ |
| ४.१ जनस्वास्थ्य तथा पोषण | ३८ |
| ४.१.१ पृष्ठभूमि | ३८ |
| ४.१.२ समस्या तथा चुनौति | ३८ |
| ४.१.३ लक्ष्य | ३९ |
| ४.१.४ उद्देश्य | ३९ |
| ४.१.५ रणनीति | ३९ |
| ४.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य | ३९ |
| ४.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान | ४० |
| ४.१.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण | ४० |
| ४.१.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान | ४१ |

| | |
|---|----|
| ४.२ शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि | ४१ |
| ४.२.१ पृष्ठभूमि | ४१ |
| ४.२.२ समस्या तथा चुनौति | ४२ |
| ४.२.३ लक्ष्य | ४२ |
| ४.२.४ उद्देश्य | ४२ |
| ४.२.५ रणनीति | ४३ |
| ४.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य | ४३ |
| ४.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान | ४३ |
| ४.२.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण | ४४ |
| ४.२.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान | ४५ |
| ४.३ खानेपानी तथा सरसफाई | ४५ |
| ४.३.१ पृष्ठभूमि | ४५ |
| ४.३.२ समस्या तथा चुनौति | ४६ |
| ४.३.३ लक्ष्य | ४६ |
| ४.३.४ उद्देश्य | ४६ |
| ४.३.५ रणनीति | ४६ |
| ४.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य | ४६ |
| ४.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान | ४७ |
| ४.३.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण | ४७ |
| ४.३.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान | ४८ |
| ४.४ महिला, बालबालिका तथा सामाजिक समावेशीकरण | ४८ |
| ४.४.१ पृष्ठभूमि | ४८ |
| ४.४.२ समस्या तथा चुनौति | ४९ |
| ४.४.३ लक्ष्य | ४९ |
| ४.४.४ उद्देश्य | ४९ |
| ४.४.५ रणनीति | ४९ |
| ४.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य | ५० |
| ४.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान | ५० |
| ४.४.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण | ५१ |
| ४.४.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान | ५२ |
| ४.५ युवा, खेलकुद तथा नवप्रवर्तन | ५२ |
| ४.५.१ पृष्ठभूमि | ५२ |
| ४.५.२ समस्या तथा चुनौति | ५२ |
| ४.५.३ लक्ष्य | ५२ |
| ४.५.४ उद्देश्य | ५२ |
| ४.५.५ रणनीति | ५२ |
| ४.५.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य | ५३ |
| ४.५.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान | ५३ |
| ४.५.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण | ५३ |
| ४.५.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान | ५४ |
| ४.६ सामाजिक सुरक्षा तथा पंजीकरण | ५४ |
| ४.६.१ पृष्ठभूमि | ५४ |
| ४.६.२ समस्या तथा चुनौति | ५४ |
| ४.६.३ लक्ष्य | ५४ |
| ४.६.४ उद्देश्य | ५४ |
| ४.६.५ रणनीति | ५४ |
| ४.६.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य | ५४ |
| ४.६.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान | ५५ |
| ४.६.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण | ५५ |
| ४.६.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान | ५५ |

| | |
|---|-----------|
| परिच्छेद ५: पूर्वाधार क्षेत्र | ५६ |
| ५.१ भवन, आवास तथा बस्ती विकास..... | ५६ |
| ५.१.१ पृष्ठभूमि | ५६ |
| ५.१.२ समस्या तथा चुनौति..... | ५६ |
| ५.१.३ लक्ष्य | ५६ |
| ५.१.४ उद्देश्य | ५६ |
| ५.१.५ रणनीति | ५६ |
| ५.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य..... | ५७ |
| ५.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान..... | ५७ |
| ५.१.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण..... | ५७ |
| ५.१.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान..... | ५८ |
| ५.२ सडक, पुल तथा यातायात | ५८ |
| ५.२.१ पृष्ठभूमि | ५८ |
| ५.२.२ समस्या तथा चुनौति..... | ५९ |
| ५.२.३ लक्ष्य | ५९ |
| ५.२.४ उद्देश्य | ५९ |
| ५.२.५ रणनीति | ५९ |
| ५.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य..... | ५९ |
| ५.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान | ६० |
| ५.२.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण | ६० |
| ५.२.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान | ६० |
| ५.३ जलस्रोत, विद्युत तथा स्वच्छ उर्जा | ६१ |
| ५.३.१ पृष्ठभूमि | ६१ |
| ५.३.२ समस्या तथा चुनौति..... | ६१ |
| ५.३.३ लक्ष्य | ६१ |
| ५.३.४ उद्देश्य | ६१ |
| ५.३.५ रणनीति | ६१ |
| ५.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य..... | ६२ |
| ५.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान | ६२ |
| ५.३.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण | ६२ |
| ५.३.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान | ६३ |
| ५.४ सूचना तथा संचार प्रविधि | ६३ |
| ५.४.१ पृष्ठभूमि | ६३ |
| ५.४.२ समस्या तथा चुनौती | ६३ |
| ५.४.३ लक्ष्य | ६३ |
| ५.४.४ उद्देश्य | ६३ |
| ५.४.५ रणनीति | ६३ |
| ५.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य..... | ६४ |
| ५.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान..... | ६४ |
| ५.४.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण..... | ६४ |
| ५.४.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान..... | ६५ |
| परिच्छेद ६ : वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन | ६६ |
| ६.१ वन, भूसंरक्षण तथा जैविक विविधता | ६६ |
| ६.१.१ पृष्ठभूमि | ६६ |
| ६.१.२ समस्या तथा चुनौति..... | ६६ |
| ६.१.३ लक्ष्य | ६७ |
| ६.१.४ उद्देश्य | ६७ |
| ६.१.५ रणनीति | ६७ |
| ६.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य | ६८ |
| ६.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान..... | ६८ |

| | |
|---|-----------|
| ६.१.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण..... | ६९ |
| ६.१.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान..... | ६९ |
| ६.२ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन..... | ६९ |
| ६.२.१ पृष्ठभूमि | ६९ |
| ६.२.२ समस्या तथा चुनौति..... | ७० |
| ६.२.३ सोच | ७० |
| ६.२.४ उद्देश्य | ७० |
| ६.२.५ रणनीति | ७० |
| ६.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य..... | ७० |
| ६.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान..... | ७१ |
| ६.२.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण..... | ७१ |
| ६.२.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान..... | ७१ |
| ६.३ विपद जोखिम व्यवस्थापन र जलवायु परिवर्तन अनुकुलन..... | ७२ |
| ६.३.१ पृष्ठभूमि | ७२ |
| ६.३.२ समस्या तथा चुनौति..... | ७२ |
| ६.३.३ लक्ष्य | ७३ |
| ६.३.४ उद्देश्य | ७३ |
| ६.३.५ रणनीति | ७३ |
| ६.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य..... | ७३ |
| ६.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान..... | ७४ |
| ६.३.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण | ७४ |
| ६.३.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान | ७५ |
| परिच्छेद ७ : संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र | ७६ |
| ७.१ नीति, कानून, च्याय तथा सुशासन..... | ७६ |
| ७.१.१ पृष्ठभूमि | ७६ |
| ७.१.२ समस्या तथा चुनौति..... | ७६ |
| ७.१.३ लक्ष्य | ७६ |
| ७.१.४ उद्देश्य | ७६ |
| ७.१.५ रणनीति | ७६ |
| ७.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य..... | ७७ |
| ७.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान..... | ७७ |
| ७.१.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण..... | ७७ |
| ७.१.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान..... | ७८ |
| ७.२ संगठन तथा क्षमता विकास, जनशक्ति व्यवस्थापन र सेवा प्रवाह..... | ७८ |
| ७.२.१ पृष्ठभूमि | ७८ |
| ७.२.२ समस्या तथा चुनौति..... | ७९ |
| ७.२.३ लक्ष्य | ७९ |
| ७.२.४ उद्देश्य | ७९ |
| ७.२.५ रणनीति | ७९ |
| ७.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य..... | ७९ |
| ७.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान..... | ८० |
| ७.२.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण..... | ८० |
| ७.२.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान..... | ८१ |
| ७.३ राजस्व तथा स्रोत परिचालन..... | ८१ |
| ७.३.१ पृष्ठभूमि | ८१ |
| ७.३.२ समस्या तथा चुनौति..... | ८१ |
| ७.३.३ लक्ष्य | ८१ |
| ७.३.४ उद्देश्य | ८१ |
| ७.३.५ रणनीति | ८२ |
| ७.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य..... | ८२ |

| | |
|---|----|
| ७.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान..... | ८२ |
| ७.३.८ कार्यक्रम आयोजनाको सक्षिप्त विवरण..... | ८२ |
| ७.३.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान | ८३ |
| ७.४ तथ्यांक प्रणाली र योजना तथा विकास व्यवस्थापन..... | ८३ |
| ७.४.१ पृष्ठभूमि | ८३ |
| ७.४.२ समस्या तथा चुनौति..... | ८४ |
| ७.४.३ लक्ष्य | ८४ |
| ७.४.४ उद्देश्य | ८४ |
| ७.४.५ रणनीति | ८४ |
| ७.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य | ८४ |
| ७.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान | ८४ |
| ७.४.८ कार्यक्रम आयोजनाको सक्षिप्त विवरण | ८५ |
| ७.४.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान..... | ८५ |
| अनुसूची १ : मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा सम्बन्धी कार्यदल | ८६ |

तालिका सूची

| | |
|---|----|
| तालिका २.१ : मध्यमकालीन समाष्टित आर्थिक मध्यमकालीन लक्ष्य (प्रचलित मूल्यमा) | ८ |
| तालिका २.२: प्रमुख विषय क्षेत्रगत सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य | ९ |
| तालिका २.३ : त्रिवर्षीय बजेट विनियोजन र प्रक्षेपण | ११ |
| तालिका २.४ : रणनीतिक स्तम्भको आधारमा आगामी तीन वर्षको अनुमान र प्रक्षेपण | १३ |
| तालिका २.५ : प्राथमिकता क्रमको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण | १४ |
| तालिका २.६ : दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण | १४ |
| तालिका २.७ : लैंगिक उत्तरदायी बजेटको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण | १६ |
| तालिका २.८ : जलवायु संकेतको बजेटको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण | १६ |

परिच्छेद १ : परिचय

१.१ पृष्ठभूमि

स्थानीय सरकार संचालनलाई उपलब्धीमूलक र परिणाममुखी बनाउनका लागि सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापनले महत्वपूर्ण भूमिका खेल्दछ। शासन व्यवस्था संचालन र विकास सम्बन्धी निर्धारित नतिजा हासिल गर्न प्रभावकारी रूपमा सार्वजनिक खर्च परिचालनको आवश्यकता रहेको हुन्छ। सार्वजनिक बजेट तर्जुमा र खर्चबीचको तादम्यता मिलाउन र लक्षित नतिजा प्राप्तिको लागि सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापन सीपको आवश्यकता पर्दछ। आवधिक योजनाले लिएका समष्टिगत तथा विषयगत लक्ष्य र उद्देश्य हासिल गर्न सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको महत्वपूर्ण भूमिका हुन्छ। विनियोजन कुशलता, कार्यान्वयन दक्षता र वित्तीय सुशासन जस्ता विषयहरू सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापनका मुख्य अवयवहरू हुन्। मध्यमकालीन खर्च संरचनाले आवधिक योजना र वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रमबीच अन्तरसम्बन्ध कायम गरी सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउन सहयोग गर्नुका साथै स्रोत व्यवस्थापन र अपेक्षित नतिजाको खाका समेत प्रस्तुत गर्दछ।

प्राथमिकताका आधारमा सार्वजनिक स्रोतको बाँडफाँट गरी खर्चको प्रभावकारिता बढाउनु नै मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मुख्य उद्देश्य हो। मध्यमकालीन खर्च संरचनाले विकास योजनाको लक्षित नतिजा हासिल गर्नको निमित्त उपलब्ध स्रोत साधनको प्रभावकारी विनियोजन र परिचालन, पारदर्शी र मितव्ययी खर्च प्रणाली, वित्तीय सुशासन जस्ता पक्षमा सुधार ल्याउन महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्दछ।

अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ र आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ ले संघ, प्रदेश र स्थानीय तहले मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरी कार्यान्वयन गर्न अनिवार्य गरेको छ। यस सन्दर्भमा यस नगरपालिकाको कार्यपालिका, विषयगत समिति, कार्यदल, विषयगत शाखा र वडा कार्यालय र सेवा केन्द्रसँग राय परामर्श गरी पञ्चवर्षीय आवधिक योजना, नगरपालिकामा उपलब्ध अन्य सूचना र चालु आर्थिक वर्षको वार्षिक कार्यक्रमलाई आधार मानी पहिलो पटक यस नगरपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८०/८१-२०८२/८३) तयार गरिएको छ।

१.२ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अवधारणा

संङ्घीय व्यवस्था अनुसार जनताका लागि सबैभन्दा नजिकको सरकारको रूपमा गाउँपालिका वा नगरपालिका रहेकोले स्थानीय विकासको सन्दर्भमा गाउँपालिका वा नगरपालिकाको दायरा फराकिलो भएको छ। स्थानीय तहहरूको आयको स्रोत बढेसँगै सार्वजनिक खर्चको क्षेत्र पनि बढेकोले सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनका लागि एक औजारको रूपमा मध्यमकालीन खर्च संरचना बनाई लागू गर्न जरुरी छ। सरकारसँग उपलब्ध सीमित स्रोत-साधनको वस्तुनिष्ठ आकलन गर्ने र योजनाको प्राथमिकताको क्षेत्रमा मध्यम अवधिको लागि बाँडफाँट प्रक्रियालाई मध्यमकालीन खर्च संरचनाले सहयोग गर्दछ। यस संरचनामा मुख्यतः समष्टिगत आर्थिक खाका, नतिजा खाका र बजेट खाका गरी तीन वटा अवयवहरू समावेश गरिएको हुन्छ।

चालु आवधिक योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रमको उपलब्धिको आधारमा उत्पादन, रोजगारी, आय र लगानी लगायतका परिसूचक समावेश गरी मध्यमकालीन आर्थिक खाका (Medium Term Fiscal Framework - MTFF) निर्धारण गरिन्छ। स्थानीय तहलाई संघ तथा प्रदेशबाट प्राप्त हुने अनुदान, आन्तरिक आय, आन्तरिक ऋण तथा अन्य स्रोत समेत आकलन गरी क्षेत्रगत प्राथमिकता अनुरूप विषयगत शाखा र अन्तर्गतका निकायहरूसँग सम्बन्धित नीति तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्न कार्यक्रम तथा आयोजनागत रूपमा खर्चको अनुमान सहितको मध्यमकालीन बजेट खाका (Medium Term Budgetary Framework - MTBF) तयार गरिन्छ। यो खाका तयार गर्दा बजेटको कार्यान्वयनबाट तीन वर्षमा प्राप्त हुने प्रतिफलको पनि अनुमान गरी मध्यमकालीन नतिजा खाका (Medium Term Result Framework - MTRF) तयार गरिन्छ।

मध्यमकालीन खर्च संरचनामा पहिलो आर्थिक वर्षमा बजेटको वास्तविक स्रोत र खर्चको अनुमान हुन्छ भने त्यसपछिका दुई आर्थिक वर्षका लागि स्रोत र खर्चको प्रक्षेपण गरिन्छ। पहिलो वर्षको बजेट कार्यान्वयन भएपछि उपलब्धि समीक्षा गरी बाँकी दुई वर्षको प्रक्षेपित अनुमान परिमार्जन एवम् थप एक वर्षको बजेट प्रक्षेपण गरिन्छ। यसरी मध्यमकालीन खर्च संरचनामा चक्रीय हिसाबले प्रत्येक वर्ष तीन वर्षको बजेटको आकलन गर्नुपर्ने हुन्छ। यस प्रकार मध्यमकालीन खर्च संरचनाले बजेट तर्जुमा प्रक्रियालाई बढी यथार्थपरक र वस्तुनिष्ठ बनाउन महत्वपूर्ण भूमिका खेल्दछ।

१.३ मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीको उद्देश्य

पहिलो प्रयासको रूपमा यस नलगाड नगरपालिकाले यस मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरेको छ। यस मध्यमकालीन खर्च संरचनाबाट नगरपालिकाको समग्र विकासको प्राथमिकता प्राप्त कार्यक्रमहरूको निरन्तरता र लगानी तथा कार्यान्वयनको सुनिश्चितताको माध्यमद्वारा दिगो विकास हासिल हुने अपेक्षा गरिएको छ। यस खर्च संरचनाले नगरपालिकाले आवधिक योजना तर्जुमा गर्दा निश्चित गरेको दीर्घकालीन सोच 'समृद्ध र सफा नगर, दिगो विकास र सुशासनको लहर' र यस वर्षबाट परिमार्जित सोच 'समृद्ध र सफा नगर, दिगो र सुशासनको शहर', प्रदेश तथा राष्ट्रिय लक्ष्य र दिगो विकासका लक्ष्य प्राप्तमा योगदान पुऱ्याउने विश्वास लिइएको छ। यस मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई सरल र यथार्थपरक बनाउन विषय क्षेत्रगत उपलब्धिका आधारमा मध्यमकालीन लक्ष्य निर्धारण गरी सोही बमोजिम स्रोत तथा खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ। यसबाट नगरपालिकालाई आगामी आर्थिक वर्षहरूको बजेट तर्जुमा प्रक्रियालाई बढी यथार्थपरक र वस्तुनिष्ठ बनाउन सहयोगी हुने अपेक्षा गरिएको छ।

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मुख्य उद्देश्य उपलब्ध स्रोत साधनलाई नीति, आवधिक योजना र वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रमबीच तालमेल गराई सार्वजनिक खर्च प्रणालीमा सुधार ल्याई वित्तीय अनुशासन कायम गर्नु हो। यसका अतिरिक्त मध्यमकालीन खर्च संरचनाको तयारीबाट देहाय अनुसारको उद्देश्य हासिल हुने अपेक्षा गरिएको छ :

- (क) नीति, आवधिक योजना र वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रमबीच तादात्म्यता कायम गरी स्रोत-साधनको विनियोजनलाई उपलब्धिमुलक बनाउनु,
- (ख) आयोजना तथा कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण गरी प्राथमिकता प्राप्त आयोजना तथा कार्यक्रमको लागि स्रोतको सुनिश्चितता गर्नु,
- (ग) नगरपालिकामा उपलब्ध हुने मध्यम अवधिको आन्तरिक र बाह्य स्रोतको वास्तविक अनुमान गरी बजेट तर्जुमालाई यथार्थपरक बनाउनु, र
- (घ) सार्वजनिक खर्चलाई बढी प्रभावकारी र कुशल बनाई लक्षित प्रतिफल सुनिश्चित गर्नु।

१.४ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमाका आधारहरू

सार्वजनिक खर्च संरचना तर्जुमा गर्दा संविधानले व्यवस्था गरेका प्रावधानहरू एवं स्थानीय तहको अधिकार क्षेत्रभित्रका आर्थिक, सामाजिक, वातावरणीय तथा राजनीतिक पक्षसँग सम्बन्धित विभिन्न नीति, ऐन, नियमको कार्यान्वयन तथा दीर्घकालीन योजना, आवधिक योजना, विषयगत रणनीतिक योजना र दिगो विकासको लक्ष्य हासिल गर्ने पक्षलाई ध्यान दिनु आवश्यक छ। सो बमोजिम यस मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्दा देहायमा उल्लेखित पक्षहरूलाई आधार लिइएको छ :

- नेपालको संविधान
- दिगो विकासका लक्ष्यको अवस्था र मार्गचित्र (२०१५-२०३०)
- अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४
- राष्ट्रिय दीर्घकालिन सोच, २१०० तथा पन्ध्रौँ राष्ट्रिय योजना (२०७६/७७-२०८१/८२)
- कर्णाली प्रदेशको पहिलो आवधिक योजना (२०७६/७७-२०८०/८१)

- नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकारको नीति तथा कार्यक्रम (आ.व.२०७७/७८)
- नगरपालिकाको पञ्चवर्षीय आवधिक योजना (२०७९/८०-२०८३/८४)
- नगरपालिकाका अन्य विषय क्षेत्रगत नीति र योजनाहरू

१.५ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा विधि तथा प्रक्रिया

संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयबाट जारी स्थानीय तहको मध्यमकालीन खर्च संरचना दिग्दर्शन, २०७८ (परिमार्जित) मा समाविष्ट मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी सम्बन्धी अवधारणा, मार्गदर्शन तथा औजारहरू प्रयोग गरी यो मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गरिएको छ । यस मध्यमकालीन खर्च संरचना देहाय बमोजिमको चरण तथा प्रक्रिया अवलम्बन तर्जुमा गरिएको छ :

चरण - १: तयारी चरण

प्रक्रिया १: प्राविधिक सहयोगका लागि टोली परिचालन

यस नगरपालिकाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको लागि मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गर्न परामर्श संस्थालाई परिचालन गरियो । यसका लागि मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीको समय सीमा, सम्पन्न गर्नुपर्ने कार्य र परामर्श सेवा प्रदान गर्ने संस्थाको जिम्मेवारी स्पष्ट गरियो । यस कार्यका लागि विभिन्न चरणमा नगरपालिकाका पदाधिकारीहरूसंग बसी तथ्यांक संकलन र छलफलका लागि टोली परिचालन गरियो ।

प्रक्रिया २: नीतिगत, कानूनी दस्तावेज, दिग्दर्शन एवं अन्य उपयोगी सन्दर्भ सामग्री संकलन तथा समीक्षा

नगरपालिकाको मार्गनिर्देशनमा परामर्शदाताद्वारा स्थानीय तहको योजना, श्रोत प्रक्षेपण र सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनसँग सम्बन्धित नीति, कानून, दिग्दर्शन र कार्यविधि लगायतका सान्दर्भिक दस्तावेज संकलन एवं अध्ययन गरियो । दस्तावेजहरूको अध्ययनबाट मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका सन्दर्भमा व्यवस्था गरिएका महत्वपूर्ण तथा सान्दर्भिक व्यवस्था पहिचान तथा विश्लेषण गरियो । मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका सन्दर्भमा अध्ययन एवं समीक्षा गरिएका प्रमुख सन्दर्भ सामग्री देहायबमोजिम रहेका छन्:

- स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४
- अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४
- आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ तथा नियमावली, २०७७
- अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण कार्यविधि
- नेपाल सरकारको क्षेत्रगत नीति, कानून, मार्गदर्शन र मापदण्ड
- स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ (परिमार्जित)
- नेपाल सरकारको दीर्घकालीन सोच, पन्ध्रौँ राष्ट्रिय योजना, प्रदेश तथा नगरपालिकाको आवधिक योजना
- संघ तथा प्रदेशको सान्दर्भिक नीति, कानून तथा प्रतिवेदन
- नलगाड नगरपालिकाका सान्दर्भिक नीति, कानून तथा प्रतिवेदन ।

प्रक्रिया ३: मध्यमकालीन खर्च संरचनाको ढाँचा, औजार र कार्ययोजना तर्जुमा

स्थानीय तहको मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी सम्बन्धी दिग्दर्शनमा उल्लेखित विधि, औजार एवं कार्ययोजना सम्बन्धमा तयारी बैठकको आयोजना गरी छलफल गरियो । छलफलका आधारमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी विधि तथा प्रक्रिया औजार र दस्तावेजको ढाँचाको प्रस्ताव तयार गरियो । साथै, बैठकमा आएका सुझाव तथा पृष्ठपोषणका आधारमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी कार्ययोजना तर्जुमा र परिमार्जन गरियो ।

चरण - २: लेखाजोखा चरण

प्रक्रिया ६: अभिमुखीकरण तथा प्रारम्भिक छलफल

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अवधारणा, ढाँचा, प्रक्रिया, औजार र संस्थागत व्यवस्थाको सम्बन्धमा सरोकारवालासँग छलफल गरी साभ्ना बुझाई तयार गर्ने उद्देश्यले अभिमुखीकरण तथा प्रारम्भिक छलफल गरियो । सो छलफलमा स्थानीय सरकारका निर्वाचित जनप्रतिनिधि, कर्मचारी एवं सरोकारवालाको सहभागिता रहेको थियो । छलफलको क्रममा मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अवधारणा, विधि तथा प्रक्रिया औजार, संस्थागत व्यवस्था र कार्ययोजना प्रस्तुति गरी यस सम्बन्धमा स्पष्टता तथा बुझाईमा एकरूपता कायम गरियो । सोही छलफलबाट मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा कार्यदल गठन तथा कार्य योजनाको स्वीकृति र यस सम्बन्धमा स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समिति, बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति, विषयगत समिति, कार्यदल र विषयगत शाखाको जिम्मेवारी तथा भूमिका समेत स्पष्ट गरियो । कार्यदलको विवरण अनुसूची १ मा प्रस्तुत छ ।

प्रक्रिया ७: विषयगत समिति तथा शाखासँग परामर्शको आयोजना

चालु आवधिक योजना, विषयगत रणनीतिक योजना र वार्षिक योजनाको उपलब्धि समीक्षाका लागि विषयगत समितिसँग परामर्श तथा छलफल गरियो । यस परामर्शबाट प्रमुख उपलब्धि, चालु आयोजना, सालबसाली आयोजना तथा कार्यक्रम, विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार भएका आयोजना, सम्भाव्यता अध्ययन र लागत अनुमान विवरण तयार गरियो । सो छलफलबाट विषय क्षेत्रगत योजनाको सूची तयार र हरेक आयोजनाको उप-क्षेत्रगत रूपमा स्रोत आवश्यकता निर्धारण गरियो ।

प्रक्रिया ८: स्रोत तथा खर्चको अनुमान र त्रिवर्षिय प्रक्षेपण

राजश्व बाँडफाँड, अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण लगायतका विभिन्न स्रोतबाट उपलब्ध हुने रकमलाई विगत आर्थिक वर्षहरूको स्रोतको उपलब्धताका आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण गरियो । विगत आर्थिक वर्षहरूको खर्च सहित चालु तथा बहुवर्षीय आयोजना र आवधिक, विषयगत क्षेत्र रणनीतिका र गुरुयोजना अनुसारका प्राथमिकता प्राप्त आयोजनाको कार्यान्वयनमा आवश्यक पर्ने स्रोतलाई मध्यनजर गरी खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण गरियो । स्रोत तथा खर्च प्रक्षेपणका आधारमा तीन वर्षको बजेट सीमा निर्धारण गरियो । यसरी निर्धारण तयार बजेट सीमालाई सबै विषयगत शाखामा क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका लागि उपलब्ध गराइयो ।

चरण - ३: तयारी चरण

प्रक्रिया ९: क्षेत्रगत योजना तर्जुमा

विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका लागि विषयगत शाखासँग छलफल गरियो । विषयगत शाखाका कर्मचारी तथा विषयगत समितिका पदाधिकारीहरूको सहभागिता रहेको छलफलबाट प्रत्येक उप-क्षेत्रका आगामी तीन वर्ष सञ्चालन गरिने आयोजना तथा कार्यक्रमको पहिचान गर्ने, प्राथमिकता निर्धारण गर्ने, लागत अनुमान यकिन गर्ने र आगामी तीन आर्थिक वर्षको लागि स्रोत आवश्यकता निर्धारण गर्ने र स्थानीय रणनीतिक स्तम्भ, प्राथमिकताक्रम, दिगो विकास लक्ष्य, लैंगिक तथा जलवायु संकेतका आधारमा कार्यक्रम तथा आयोजना तथा उप-क्षेत्रको साँकेतीकरण गरियो ।

प्रक्रिया १०: विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको दस्तावेज तयारी

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शनका आधारमा उप-क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयारीका लागि विषयगत शाखालाई परामर्शदाताबाट सहयोग तथा सहजीकरण गरियो । उप-क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदालाई विषयगत क्षेत्र योजना तर्जुमा कार्यशालाको निष्कर्षको आधारमा तयार गरियो । विषयगत शाखा उप-क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई एकीकृत गरी विषयगत क्षेत्र मध्यमकालीन संरचना तयार गरियो ।

प्रक्रिया ११: मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयारी

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको निर्धारित ढाँचामा विषयगत क्षेत्रका मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई एकीकृत गरी मध्यमकालीन खर्च संरचनाको एकीकृत मस्यौदा दस्तावेज तयार गरियो । मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा कार्यदल र बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिसँग परामर्श गरी मध्यमकालीन खर्च संरचनाको दस्तावेज तयार गरियो । विषयगत क्षेत्र मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीको लागि आवधिक योजना, विषयगत क्षेत्र योजना र वार्षिक विकास कार्यक्रम समीक्षाबाट प्राप्त उपलब्धि विवरणको परिमाणात्मक लक्ष्यलाई आधार लिइएको थियो । मध्यमकालीन खर्च संरचनाको दस्तावेजमा स्थानीय तहको मध्यमकालीन खर्च संरचना दिग्दर्शन २०७८ (परिमार्जित) को व्यवस्था बमोजिम समष्टिगत मध्यमकालीन वित्तीय खाका, मध्यमकालीन नतिजा खाका र मध्यमकालीन बजेट खाकाको साथै विषयगत क्षेत्रको स्थिति, नतिजा खाका, वित्तीय योजना र कार्यक्रम/आयोजनाको सारसं समावेश गरिएको छ ।

प्रक्रिया १२: मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा प्रस्तुति तथा छलफल कार्यशाला

तयार गरिएको मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदामा आवश्यक सुझाव संकलनका उद्देश्यले २०७९ साल कार्तिक १७ गते एकदिवसिय कार्यशाला आयोजना गरिएको थियो । यस कार्यशालामा नगरपालिकाका नगर प्रमुख, उपप्रमुख, वडा अध्यक्षहरु, निर्वाचित जनप्रतिनिधिहरु लगायत प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत, शाखा प्रमुखहरु तथा सम्बद्ध अन्य कर्मचारीहरुको सहभागिता थियो । उक्त कार्यशालामा मस्यौदा प्रतिवेदनका मुख्य पक्षहरु प्रस्तुति गरि आवश्यक थप सूचना तथा तथ्यांक संकलनका साथै विषयगत क्षेत्र तथा उपक्षेत्रगत मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरुको विस्तृत विवरण तयार गरियो । त्यसैगरी विषय उपक्षेत्रगत कार्यक्रम तथा आयोजनाहरुको प्राथमिकिकरण तथा सांकेतिककरण समेत गरियो ।

प्रक्रिया १३: मध्यमकालीन खर्च संरचनाको परिमार्जित मस्यौदा तयारी

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा प्रस्तुति तथा छलफल कार्यशाला तथा नलगाड नगरपालिकाका विभिन्न शाखाहरुबाट प्राप्त सुझावहरु समेटि मस्यौदा दस्तावेजलाई आवश्यक परिमार्जन गरियो । यस क्रममा मस्यौदा दस्तावेजमा नपुग भएका आवश्यक सूचना तथा तथ्यांकहरु विभिन्न शाखाहरुबाट संकलन गरि परिमार्जित गरियो ।



परिच्छेद २: मध्यमकालीन खर्च संरचना

२.१ पृष्ठभूमि

सामाजिक तथा आर्थिक विकास र समृद्धिका लागि सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ। यसका लागि साधन स्रोतको विनियोजन कुशलता, कार्यान्वयन दक्षता तथा वित्तीय अनुशासनका तीनै पक्ष उत्तिकै प्रभावकारी हुनुपर्दछ। यी तीनवटै पक्षहरूमा सुधार गर्ने उपाय तथा औजारको रूपमा मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई लिइन्छ। नेपालमा दशौं योजना देखि नै मध्यमकालीन खर्च संरचनाको तर्जुमा र कार्यान्वयन गरी प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रमा साधन र स्रोतको विनियोजन गर्ने पद्धतिको शुरुवात गरिएको हो।

संघीय संरचना अनुरूप अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन सम्बन्धी संघीय कानूनले संघ, प्रदेश तथा स्थानीय सरकारले प्रत्येक आर्थिक वर्षमा आ-आफ्नो क्षेत्राधिकार भित्रका विषयहरूमा हुने सार्वजनिक खर्चको अनुमानित विवरण तयार गरी आगामी तीन आर्थिक वर्षमा हुने खर्चको प्रक्षेपण सहितको मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ। उक्त विवरणमा चालु खर्च, पूँजीगत खर्च र वित्तीय व्यवस्थाका लागि आवश्यक पर्ने रकम समेत खुलाउनुपर्ने व्यवस्था रहेको छ। उपरोक्त संवैधानिक तथा कानूनी व्यवस्था अनुसार यस नगरपालिकाले तय गरेको दीर्घकालिन सोच सहितको प्रथम आवधिक योजना अनुसार प्राथमिकताका क्षेत्रमा साधन स्रोतको विनियोजन सहित वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्न मध्यमकालीन खर्च संरचना आवश्यक रहेको छ।

संविधानले आत्मसात गरेको समाजवाद उन्मुख राष्ट्र निर्माण एवम् नेपाल सरकारले घोषणा गरेको **समृद्ध नेपाल: सुखी नेपाली**को दीर्घकालीन सोचअनुरूप तयार चालु पन्ध्रौं योजना, कर्णाली प्रदेश सरकारको प्रथम आवधिक योजना र नलगाड नगरपालिकाको दोस्रो आवधिक योजनाका नीति तथा कार्यक्रमलाई आत्मसात गर्ने प्रयास गरिएको छ। योजना तथा विकास उपलब्धिको सफलता वित्तीय संघीयताको कुशल व्यवस्थापन, तीव्र आर्थिक वृद्धि एवम् विकास कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा निर्भर रहन्छ। अतः यस मध्यमकालीन खर्च संरचनाले यसतर्फ नलगाड नगरपालिकालाई मार्गदर्शन गर्नेछ।

आर्थिक वर्ष (२०८०/८१-२०८२/८३) का लागि तर्जुमा गरिएको मध्यमकालीन खर्च संरचनाले उपरोक्त योजनाहरूको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति र प्राथमिकता, नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकार र नगरपालिकाको घोषणा, प्रतिवद्धता, विगत आर्थिक वर्षका वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम र दिगो विकास लक्ष्यको मार्गचित्रलाई मुख्य आधारका रूपमा लिइएको छ। नगरपालिकाको तुलनात्मक लाभका क्षेत्रहरू, प्राथमिकता तथा विकास कार्यक्रम र स्थानीय तहको अधिकार क्षेत्रभित्र संलग्न कार्यसूची अनुसारका कार्यक्रम तथा आयोजनालाई यस संरचनामा समेट्ने प्रयास गरिएको छ।

२.२. चुनौति तथा अवसर

संविधानले प्रत्याभूत गरेका मौलिक हक र संविधान प्रदत्त अधिकारको कार्यान्वयन, दिगो विकास लक्ष्य, पन्ध्रौं योजना, कर्णाली प्रदेशको प्रथम आवधिक योजना र नगरपालिकाको पञ्चवर्षीय आवधिक योजनाको उद्देश्य हासिल गर्न, उत्पादन, रोजगारी र आयमा समन्यायिक वृद्धि, नागरिकको जीवनस्तरमा गुणात्मक सुधार, गरिबी न्यूनीकरण गरी मर्यादित जीवनयापनको वातावरण सिर्जना गर्दै समतामूलक तथा उन्नत समाजको निर्माण गर्नुलाई यस नगरपालिकाले प्रमुख चुनौतिको रूपमा लिएको छ। यसका साथै विश्वव्यापी रूपमा फैलिएको कोभिड १९ महाव्याधी लगायतका महामारी वातावरणीय हास र जलवायु परिवर्तनको कारण सिर्जित विपदको बढ्दो जोखिमलाई न्यूनीकरण गरी नागरिकको स्वास्थ्य, शिक्षा, उत्पादन, रोजगारी र आयमा परेको नकारात्मक असरलाई न्यूनीकरण, पुनरुत्थान र उत्थानशीलता हासिल गर्दै नागरिक जीवनलाई थप सुरक्षित र परिष्कृत बनाउनु थप चुनौतिको रूपमा रहेको छ।

साथै सुविधायुक्त र सुरक्षित बसोबास, स्वच्छ खानेपानी तथा उर्जाको उपलब्धता, सरसफाई सुविधा र सूचना प्रविधि, कृषि तथा वनजन्य उद्यमको विविधिकरण गरी उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धिका साथै उत्पादनशील रोजगारीमा अभिवृद्धि र जनसाङ्ख्यिक लाभको उपयोग पनि नगरपालिकाको विकासको चुनौतिको रूपमा रहेका

छन् । वित्तीय संज्ञीयतको मर्म अनुरूप स्थानीय तहको जिम्मेवारी पुरा गर्न साधन स्रोतको अनुमान, प्राथमिकताका क्षेत्रमा लगानी, मानव संसाधन र संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्नु र स्थानीय सरकारमा उपलब्ध सार्वजनिक खर्चको कुशल, समन्यायिक र नतिजामूलक व्यवस्थापन गरी विनियोजन दक्षता, कार्यान्वयन कुशलता र प्रभावकारी वित्तीय अनुशासन कायम गर्नु समेत चूनौतिपूर्ण छ ।

संज्ञीय शासन प्रणाली अनुसार तीनै तहमा निर्वाचित सरकारहरु क्रियाशिल हुनु, नीति, कानून, योजना र मापदण्ड निर्माण भई कार्यान्वयनमा जानु, स्थानीय जनताको आवश्यकतालाई जनप्रतिनिधिबाट नजिकबाट महसुस हुनु, स्थानीय सरकारहरुबीच दिगो विकास, उत्थानशीलता, समृद्धि र सुशासनका क्षेत्रमा प्रगति हासिल गर्ने दिशामा प्रतिस्पर्धी भावनाको विकास हुनु अहिलेका प्रमुख अवसरहरु हुन् । नगरपालिकामा स्थानीय विशेषतामा आधारित तुलनात्मक लाभका क्षेत्रको पहिचान तथा योजना निर्माण, मानव पूँजी निर्माण, सार्वजनिक सेवा प्रवाह सुधार, पूर्वाधार विकास, स्थानीय उत्पादन, रोजगारी र आयआर्जन वृद्धिको माध्यमद्वारा हरित र समावेशी स्थानीय अर्थतन्त्र विकास, गरिबी निवारण, प्राकृतिक, भौगोलिक, पर्यावरणीय, सामाजिक तथा सांस्कृतिक विविधताको उपयोग आदि अवसरहरु सिर्जना भएका छन् ।

वैदेशिक रोजगारी तथा यसका कारणले वाह्य ज्ञान, सीप, अनुभव तथा प्रविधि हस्तान्तरण, वित्तीय सेवा र स्थानीय स्रोत परिचालन गरी नगरपालिकामा उद्यमशीलता विकास, रोजगारी उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्दै आर्थिक सामाजिक रुपान्तरणको दिशामा अगाडी बढ्ने समेत अवसर सिर्जना भएको छ ।

२.३ सोच, उद्देश्य तथा रणनीति

यस मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्दा नगरपालिकाको दीर्घकालीन सोच र आवधिक योजनालाई प्रमुख आधारको रुपमा लिइएको छ । नगर विकासको सोच, लक्ष्य उद्देश्य तथा रणनीतिलाई यस मध्यमकालीन खर्च संरचनामा समावेश गरिएको छ । आवधिक योजनामा उल्लेख नभएका विवरण नगरपालिकाको समावेशी स्थानीय आर्थिक विकास योजना र अन्य क्षेत्रगत रणनीतिक योजनाहरुका साथै चालु आर्थिक वर्षको नीति तथा कार्यक्रम, पन्ध्रौँ राष्ट्रिय योजना, कर्णाली प्रदेशको प्रथम आवधिक योजना एवं संघ, प्रदेश र नगरपालिकाका विषयगत नीतिको समेत उपयोग गरिएको छ । यस मध्यमकालीन खर्च संरचनाको समष्टिगत सोच, लक्ष्य, उद्देश्य तथा रणनीति देहाय बमोजिम रहेका छन्:

दीर्घकालीन
सोच

‘समृद्ध र सफा नगर, दिगो विकास र सुशासनको शहर’

नगरपालिका
विकासको
लक्ष्य

समृद्ध नलगाड नगरपालिकाको आधार तयार गर्ने

दोस्रो आवधिक योजना (२०७९/०८०-२०८३/०८४) ले विभिन्न ६ वटा प्राथमिकताका क्षेत्रहरु निर्धारण गरेको छ, जसमा:

१. पूर्वाधार विकास
२. कृषि, पर्यटन र उद्योग (लघु, घरेलु तथा साना)
३. उर्जा
४. सामाजिक विकास (शिक्षा, स्वास्थ्य र सामाजिक सुरक्षा)
५. विपद् व्यवस्थापन र जलवायु परिवर्तन अनुकूलन
६. सुशासन प्रवर्द्धन

नगरपालिका विकासको उद्देश्य

१. कृषि, पशु, वन क्षेत्रको उत्पादन तथा उत्पादकत्व अभिवृद्धि गरी समतामूलक रोजगारी सिर्जना गर्नु,
२. जलवायु परिवर्तनसँग अनुकूलित हुनु र विपद् उत्थानशील भौतिक पूर्वाधारको विस्तार गर्नु,
३. सेवा प्रवाह थप प्रभावकारी बनाउनु र सुशासन प्रवर्द्धन गर्नु ।

नगरपालिका विकासको रणनीति

नगरपालिकाको विकासको सोच, लक्ष्य तथा उद्देश्य हासिल गर्न देहायअनुसारका प्रमुख रणनीतिहरू अबलम्बन गरिएका छन् :

१. कृषि तथा पर्यटन व्यवसायमा निजी क्षेत्रलाई आकर्षित गर्ने,
२. नगरपालिकाको आन्तरिक राजस्वको करको दायरा विस्तार गर्ने,
३. आवधिक योजना कार्यान्वयनको सुनिश्चितताको लागि निजी क्षेत्र, गैर सरकारी संस्था र सहकारी क्षेत्रसँगको साभेदारी विस्तार गर्ने,
४. गुणस्तरीय शिक्षा र स्वास्थ्य सेवामा जोड दिने,
५. लैंगिक समानता र सामाजिक समावेशीकरणलाई नगरपालिकाको विकास गतिविधिमा मूलप्रवाहीकरण गर्ने,
६. जोखिमबाट पीडित वा जोखिममा रहेका समुदायहरूलाई जोखिम न्यूनीकरणका लागि उनीहरूको क्षमता विकासमा जोड दिने,
७. पुनर्लाभ, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन र विपद् जोखिम न्यूनीकरणका लागि समाजका सबै वर्गको सहभागिता सुनिश्चित गर्ने,
८. निर्माण गरिने पूर्वाधारहरू वातावरण अनुकूल तथा विपद् उत्थानशील हुने गरी निर्माण गर्ने,
९. मानव संसाधन र उद्यमशीलताको विकास गर्ने,
१०. दिगो विकास लक्ष्यहरूलाई आन्तरिकीकरण गर्ने ।

२.४ मध्यमकालीन आर्थिक खाका

“समृद्ध नेपाल र सुखी नेपाली” को राष्ट्रिय सोच तथा संकल्प, कर्णाली प्रदेशको “समृद्ध कर्णाली, सुखारी कर्णालीबासी” को सोच र नलगाड नगरपालिकाको विकासको सोच तथा लक्ष्य अनुरूप आगामी तीन आर्थिक वर्षको मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रमुख लक्ष्य तथा नतिजा सूचक निर्धारण गरिएको छ । सो अनुसार तीन वर्षको समष्टिगत आर्थिक लक्ष्य तालिका नं. २.१ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका २.१ : मध्यमकालीन समष्टिगत आर्थिक मध्यमकालीन लक्ष्य (प्रचलित मूल्यमा)

| क्र.सं. | सूचक/लक्ष्य | एकाई | २०७७/७८ को अवस्था | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---------|-------------------------------|--------|-------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| १. | प्रतिव्यक्ति आय (अमेरिकी डलर) | सूचांक | - | १,१४७ | १,१४७ | १,१४७ |

| क्र.सं. | सूचक/लक्ष्य | एकाई | २०७७/७८ को अवस्था | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---------|---|--------------------|-------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| २ | वार्षिक औषत आर्थिक वृद्धिदर | प्रतिशत | ६.० | ७.५ | ९.० | १०.३ |
| ३ | निरपेक्ष गरिबीको रेखामुनी रहेको जनसंख्या | प्रतिशत | २०.५ | २०.५ | २० | १९ |
| ४ | बहुआयामिक गरिबीमा रहेको जनसंख्या | प्रतिशत | ४० | ३६ | ३२ | ३० |
| ५ | वेरोजगारी दर | प्रतिशत | ४० | ३८ | ३५ | ३० |
| ६ | सिंचाई सुविधा पुगेको कृषि गरिएको भूमि | प्रतिशत | २० | २५ | ३० | ३५ |
| ७ | वर्षभरी सिंचाई हुने खेती गरिएको जमिन | प्रतिशत | १० | १२ | १५ | १८ |
| ८ | प्रमुख अन्न वालीहरू (धान, मकै, गहुँ, कोदो र जौ) को उत्पादकत्व | मे.ट. प्रति हेक्टर | २ | २.१० | २.५० | २.७५ |
| ९ | प्रमुख तरकारीहरूको उत्पादकत्व | मे.ट. प्रति हेक्टर | ७ | ८ | ९ | १० |

स्रोत: आवधिक योजना

२.५ मध्यमकालीन नतिजा खाका

पन्ध्रौ योजना, कर्णाली प्रदेशको प्रथम आवधिक योजना तथा नगरपालिकाको वर्तमान आवधिक विकास योजनाले लिएको समष्टिगत तथा विषयगत अपेक्षित उपलब्धि हासिल गर्न सहयोग पुग्ने गरी आगामी तीन आर्थिक वर्षको समष्टिगत नतिजा खाका निर्धारण गरिएको छ। सो खाका विगत आर्थिक वर्षहरूको उपलब्धि र चालु आर्थिक वर्ष २०७९/८० को अनुमानित उपलब्धिको आधारमा आगामी आ.व.को लक्ष्य निर्धारण गरिएको छ। नतिजा खाकाको दोश्रो र तेश्रो वर्षको लक्ष्य वर्तमान आवधिक योजना र विगत वर्षहरूको उपलब्धिको आधारमा निर्धारण गरिएको छ। मध्यमकालीन समष्टिगत नतिजा खाका तालिका २.२ मा प्रस्तुत गरिएको छ।

तालिका २.२: प्रमुख विषय क्षेत्रगत सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

| क्र.सं. | सूचक/लक्ष्य | एकाई | हालको अवस्था | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---------|---|---------|--------------|-------------------|---------|---------|
| | | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| १ | अपेक्षित आयु (जन्म हुँदाको) | वर्ष | ७० | ७० | ७० | ७० |
| २ | साक्षरता दर | प्रतिशत | ६६.३१ | ७२ | ७५ | ८० |
| ३ | खुद भर्ना दर (९ देखि १२ कक्षा) | प्रतिशत | ५५ | ५७ | ६० | ६२ |
| ४ | खुद भर्ना दर (उच्च शिक्षा) | प्रतिशत | १० | ११ | १२ | १३ |
| ५ | स्वास्थ्य संस्थामा पुग्न लाग्ने अधिकतम समय | मिनेट | ४५ | ४५ | ३० | ३० |
| ६ | कम तौल भएका ५ वर्ष मुनीका बालबालिका | प्रतिशत | ६.५ | ५.५ | ४ | ३ |
| ७ | स्वास्थ्य संस्थामा प्रसूति गराउने गर्भवती महिला | प्रतिशत | ६५ | ७५ | ८० | ८५ |
| ८ | भाडा पखालाको संक्रमण दर (प्रति हजारमा) | संख्या | २५० | २०० | १५० | १०० |
| ९ | स्वास्थ्य विमामा पहुँच पुगेको जनसंख्या | प्रतिशत | ४५ | ५० | ५५ | ६० |
| १० | सबै प्रकारको खोप लिने बालबालिका | प्रतिशत | ७० | ७५ | ८० | ८५ |
| ११ | मापदण्ड अनुसार बनेका आवास घर | प्रतिशत | ० | ५ | ८ | १० |

स्रोत: दोस्रो आवधिक योजना र विषयगत विवरण

२.६ मध्यमकालीन बजेट खाका

यस नलगाड नगरपालिकाको त्रिवर्षीय बजेट खाका तर्जुमा गर्दा प्रथम आवधिक योजनाको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति र प्राथमिकता सहित वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम, दीगो विकास लक्ष्यको मार्गचित्र, क्रमागत तथा विस्तृत अध्ययन भएका आयोजना तथा कार्यक्रम, स्थानीय प्राथमिकता, विनियोजन कुशलता, अनुमान योग्यता र वित्तीय सुशासनलाई मुख्य आधार लिइएको छ। नगरपालिकाको पहिलो प्रयासबाट तयार गरिएको यस मध्यमकालीन खर्च संरचनामा वित्तीय संझ्झीयताको कार्यान्वयन, स्थानीय आर्थिक स्थायित्व र रोजगारी, तीव्र सामाजिक तथा आर्थिक विकास र सन्तुलित विकासका लागि विकास आयोजना तथा कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा जोड दिइएको छ। माथि उल्लेखित समष्टिगत नतिजा खाका तथा विषय क्षेत्रगत नतिजा प्राप्त

हुने खर्च तथा स्रोतको अनुमान गरिएको छ । यसका साथै कोभिड १९ लगायतका महामारी र जलवायुजन्य विपद् पश्चातको सामाजिक आर्थिक पुनरुत्थानलाई प्राथमिकता दिइएको छ । महामारी र विपदले सिर्जना गरेका विकासका अवसरको उपयोग गर्ने विकास कार्यक्रमको तर्जुमालाई प्राथमिकता दिइएको छ ।

वडागत आयोजना, चालु तथा विस्तृत अध्ययन भएका, तुलनात्मक लाभका आयोजना तथा कार्यक्रमका लागि आवश्यक रकम सुनिश्चित हुने गरी बजेट सीमा र सोको आधारमा विषयगत बजेट खाका तर्जुमा गरिएको छ । आयोजना कार्यान्वयनको अवस्था र आगामी कार्यान्वयन योजनाको आधारमा खर्च गर्न सक्ने क्षमता तथा स्रोतको आवश्यकता एवम् उपलब्धतालाई मध्यनजर गरिएको छ । मध्यमकालीन स्रोत अनुमान गर्दा आन्तरिक आय तथा राजस्व परिचालनको विगत प्रवृत्ति, कोभिड १९ महामारी र अन्य विपदबाट स्रोत परिचालनमा परेको चाप र आगामी वर्षहरूमा पर्न सक्ने असर तथा प्रभाव, स्रोतको आवश्यकता लगायतका पक्षहरूलाई ध्यान दिइएको छ । त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान र स्रोतको बाँडफाँट सहितको विषयगत शाखा, उपशाखा, एकाईलाई प्रदान गरिएको बजेट सीमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष २०७९/८० को बजेट राजस्व तथा विनियोजनका आधारमा खर्च संरचनाको पहिलो वर्षको राजस्व तथा खर्च आँकलन गरिएको छ । दोस्रो र तेस्रो वर्षको प्रक्षेपण गर्दा नगरपालिकाको आवधिक योजनामा उल्लेख गरेको आवधिक लक्ष्य, घोषित कार्यक्रम र सो अनुसार संचालन हुने कार्यक्रम तथा हासिल गर्ने नतिजालाई प्रमुख आधार मानिएको छ । प्रक्षेपणका क्रममा नगरपालिकाको प्राथमिकताका क्षेत्र तथा रणनीतिक महत्वका आयोजना तथा कार्यक्रमलाई स्रोत व्यवस्था गरिएको छ । आन्तरिक स्रोत, राजस्व बाँडफाँट, उपलब्ध हुने स्रोत र आवश्यकता समेतका आधारमा अन्य कार्यक्रम तथा साधारण प्रशासनका लागि खर्च अनुमान गरिएको छ । नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारबाट राजस्व बाँडफाँटबाट स्वरूप प्राप्त हुने रकम, रोयल्टी (वन तथा खानी तथा खनिज) र आन्तरिक स्रोत समेतका आधारमा नगरपालिकालाई प्राप्त हुने राजस्व प्रक्षेपण गरिएको छ । नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारबाट हस्तान्तरण हुने वित्तीय समानीकरण, सशर्त अनुदान, समपुरक र विशेष अनुदान रकम नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारको मध्यमकालीन खर्च संरचनामा उल्लेखित रकम तथा सोको प्रक्षेपणको आधारमा आँकलन तथा अनुमान गरिएको छ ।

उल्लेखित आधारलाई विश्लेषण गर्दा आगामी तीन वर्षको अवधिमा कुल बजेट रु. २,२८,९९,१०,५३३ प्रक्षेपण गरिएको छ । यस मध्ये चालु खर्च रु. १,२६,३१,५०,९०६ (५५ प्रतिशत) र पुँजीगत खर्च रु. १,०२,६७,५९,६२७ (४५ प्रतिशत) रहने प्रक्षेपण गरिएको छ । त्यसैगरी स्रोत परिचालनतर्फ आन्तरिक आयबाट रु. ४,५५,७६,५६३ (२ प्रतिशत), राजस्व बाँडफाँटबाट रु. ४२६४६६६८९ (१९ प्रतिशत) र नेपाल सरकारको वित्तीय हस्तान्तरणबाट रु. १,५४,३०,१४,३३६ (६७ प्रतिशत) र प्रदेश सरकार वित्तीय हस्तान्तरणबाट रु. १५,८६,२९,०३१ (७ प्रतिशत) व्यहोरिने प्रक्षेपण गरिएको छ भने बाँकी रकम नगद मौज्जातमा रहने छ । यस सम्बन्धी विवरण तालिका २.३ मा उल्लेख गरिएको छ :

तालिका २.३ : त्रिवर्षीय बजेट विनियोजन र प्रक्षेपण

| क्र.सं. | बजेटका स्रोतहरू | २०७८/७९ को यथार्थ | २०७९/८० को अनुमान | प्रक्षेपण | | | ३ वर्षको प्रक्षेपण जम्मा |
|---------|---|-------------------|-------------------|-----------|-----------|-----------|--------------------------|
| | | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ | |
| क. | राजस्व तथा अनुदान | ७०४६५७०७३ | ६५६८६५२२४ | ७१४९१५०९० | ७६७२१५००३ | ८०७७८०४४० | २२८९९१०५३३ |
| १ | आन्तरिक आय | ६७४९५४१ | १०५००००० | १३१२५००० | १५०९३७५० | १७३५७८१३ | ४५५७६५६३ |
| २ | राजस्व बाँडफाँडबाट प्राप्त आय | ९७२७८७५२.५ | ११७९२९००० | १२८८४९९०० | १४१७२६०९० | १५५८९८६९९ | ४२६४६६६८९ |
| | नेपाल सरकार भ्याट | ९६६९०००० | ११७९२९००० | १२८८४९९०० | १४१७२६०९० | १५५८९८६९९ | ४२६४६६६८९ |
| | नेपाल सरकार अन्तःशुल्क | | | ० | ० | ० | ० |
| | प्रदेश सरकार (सवारी कर, घरजग्गा रजिष्ट्रेशन, मनोरञ्जन कर आदि) | ५८८७५२.५३ | | ० | ० | ० | ० |
| ३ | रोयल्टी बाँडफाँडबाट प्राप्त राजस्व | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | वन रोयल्टी | | | ० | ० | ० | ० |
| | खानी तथा खनिज रोयल्टी | | | ० | ० | ० | ० |
| | पर्वतारोहण रोयल्टी | | | | | | ० |
| | विद्युत रोयल्टी | | | | | | ० |
| | पानी तथा अन्य प्राकृतिक स्रोत | | | | | | ० |
| ४ | नेपाल सरकार वित्तीय हस्तान्तरण | ४५३८९७००० | ४२६५००००० | ४७३५००००० | ५१८५९२८०० | ५५०९२१५३६ | १५४३०१४३३६ |
| | वित्तीय समानीकरण अनुदान | ९८४००००० | १०४५००००० | ११२८६०००० | १२१८८८८०० | १३१६३९९०४ | ३६६३८८७०४ |
| | सशर्त अनुदान चालू | २९९९८७००० | २९०२००००० | ३२५०२४००० | ३५७५२६४०० | ३७५४०२७२० | १०५७९५३१२० |
| | सशर्त अनुदान पूँजीगत | ३८९१०००० | ३१८००००० | ३५६९६००० | ३९१७७६०० | ४३८७८९१२ | ११८६७२५१२ |
| | समपुरक अनुदान | | | ० | ० | ० | ० |
| | विशेष अनुदान पूँजीगत | १६६००००० | | ० | ० | ० | ० |
| | विशेष अनुदान | | | | ० | | ० |
| ५ | प्रदेश सरकार वित्तीय हस्तान्तरण | ७२१९४००० | ४३६०८००० | ४९१८९२०० | ५४१०८१२० | ५५३३१७११ | १५८६७२९०३१ |

| क्र.सं. | बजेटका स्रोतहरू | २०७८/७९ को यथार्थ | २०७९/८० को अनुमान | प्रक्षेपण | | | ३ वर्षको प्रक्षेपण जम्मा |
|---------|----------------------------------|-------------------|-------------------|-----------|----------|----------|--------------------------|
| | | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ | |
| | वित्तीय समानीकरण अनुदान | १०१५८००० | १०१५८००० | ११६८१७०० | १२८४९८७० | १४७७७३५१ | ३९३०८९२१ |
| | सशर्त अनुदान चालू | ३३३६००० | १४५०००० | १६६७५०० | १८३४२५० | २०५४३६० | ५५५६११० |
| | सशर्त अनुदान पूँजीगत | ४१७००००० | १७०००००० | १९०४०००० | २०९४४००० | १७८०२४०० | ५७७८६४०० |
| | समपुरक अनुदान चालू | | | ० | ० | ० | ० |
| | समपुरक अनुदान पूँजीगत | १००००००० | १००००००० | ११२००००० | १२३२०००० | १३७९८४०० | ३७३१८४०० |
| | विशेष अनुदान पूँजीगत | ७०००००० | ५०००००० | ५६००००० | ६१६०००० | ६८९९२०० | १८६५९२०० |
| | विशेष अनुदान चालू | | | | ० | | ० |
| ६ | अन्य अनुदान | ० | ० | | | | ० |
| ७ | अन्तर स्थानीय तहबाट साभेदारी रकम | ० | ० | | | | ० |
| ८ | जनसहभागिता | ० | ० | | | | ० |
| ९ | नगद मौज्जात | ७४५३७७७९ | ५९१२८२२४ | ५०२५८९९० | ३७६९४२४३ | २८२७०६८२ | ११६२२३९१५ |

२.७ बजेट विनियोजन र प्रक्षेपणको बाँडफाँड

आगामी तीन वर्षको बजेट अनुमान र प्रक्षेपणको विभिन्न आधारमा गरिएको तुलनात्मक विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ ।

क. रणनीतिक स्तम्भको आधारमा बाँडफाँट

रणनीतिक स्तम्भको आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.४ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका २.४ : रणनीतिक स्तम्भको आधारमा आगामी तीन वर्षको अनुमान र प्रक्षेपण

| क्र.सं. | रणनीतिक स्तम्भ | आ.व.२०८० / ०८१ को अनुमान | | आ.व.२०८१ / ०८२ को प्रक्षेपण | | आ.व.२०८२ / ०८३ को प्रक्षेपण | |
|---------|---|--------------------------|---------|-----------------------------|---------|-----------------------------|---------|
| | | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| १ | कृषि तथा पर्यटन व्यवसायमा नीजि क्षेत्रलाई आकर्षित गर्ने | १४४७७०३०६ | २०.२५ | १५५७४४६४६ | २०.३ | १६२३६३८६८ | २०.१ |
| २ | नगरपालिकाको आन्तरिक राजस्वको करको दायरा विस्तार गर्ने | १२१५३५५७ | १.७ | १२६५९०४८ | १.६५ | १२९२४४८७ | १.६ |
| ३ | आवधिक योजना कार्यान्वयनको सुनिश्चितताको लागि निजी क्षेत्र, गैर सरकारी संस्था र सहकारी क्षेत्रसँगको साभेदारी विस्तार गर्ने | ८५७८९८१ | १.२ | ९५९०१८८ | १.२५ | १०५०११४६ | १.३ |
| ४ | गुणस्तरीय शिक्षा र स्वास्थ्य सेवामा जोड दिने | ७७५६८२८७ | १०.८५ | ८०५५७५७५ | १०.५ | ८७२४०२८८ | १०.८ |
| ५ | लैंगिक समानता र सामाजिक समावेशीकरणलाई नगरपालिकाको विकास गतिविधिमा मूलप्रवाहीकरण गर्ने | २५६६५४५२ | ३.५९ | २८७७०५६३ | ३.७५ | ३१५८४२१५ | ३.९१ |
| ६ | जोखिमबाट पीडित वा जोखिममा रहेका समुदायहरूलाई जोखिम न्यूनीकरणका लागि उनीहरूको क्षमता विकासमा जोड दिने | ३०७४१३४९ | ४.३ | ३३७५७४६० | ४.४ | २७४६४५३५ | ३.४ |
| ७ | पुनर्लाभ, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन र विपद् जोखिम न्यूनीकरणका लागि समाजका सबै वर्गको सहभागिता सुनिश्चित गर्ने | ५९३३७९५२ | ८.३ | ६०२२६३७८ | ७.८५ | ५८४०२५२६ | ७.२३ |

| क्र.सं. | रणनीतिक स्तम्भ | आ.व. २०८० / ०८१ को अनुमान | | आ.व. २०८१ / ०८२ को प्रक्षेपण | | आ.व. २०८२ / ०८३ को प्रक्षेपण | |
|---------|--|---------------------------|------------|------------------------------|------------|------------------------------|------------|
| | | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| ८ | निर्माण गरिने पूर्वाधारहरु वातावरण अनुकूल तथा विपद् उत्थानशील हुने गरी निर्माण गर्ने | २१५९७५८४९ | ३०.२१ | २३१३१५३२३ | ३०.१५ | २५२०२७४९७ | ३१.२ |
| ९ | मानव संसाधन र उद्यमशीलताको विकास गर्ने | ४८२५६७६९ | ६.७५ | ५४४७२२६५ | ७.१ | ६०९८७४२३ | ७.५५ |
| १० | दिगो विकास लक्ष्यहरुलाई आन्तरिकीकरण गर्ने | ३४६७३३८२ | ४.८५ | ३३७५७४६० | ४.४ | ३४३३०६६९ | ४.२५ |
| ११ | वडा स्तरीय योजना | ५७९३२०७ | ८ | ६६३६४०९८ | ८.६५ | ६९९५३७८६ | ८.६६ |
| | जम्मा | ७१४९५०९० | १०० | ७६७२९५००२.७ | १०० | ८०७६८०४४० | १०० |

ख. प्राथमिकताक्रमको आधारमा बाँडफाँट

कार्यक्रम तथा आयोजनाको आवधिक योजनाले निर्धारण गरेको प्राथमिकताक्रम बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.५ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका २.५ : प्राथमिकता क्रमको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

| प्राथमिकताको क्षेत्र | कूल बजेट | प्राथमिकताको प्रतिशत |
|---|-------------|----------------------|
| पूर्वाधार विकास | ६४२५५६९१३ | २८.०६ |
| कृषि, पर्यटन र उद्योग (लघु, घरेलु तथा साना) | ६३१४१९४०७.३ | २७.५७ |
| उर्जा | १५३४४०४९१ | ६.७० |
| सामाजिक विकास (शिक्षा, स्वास्थ्य र सामाजिक सुरक्षा) | ४७४४३९१०७.८ | २०.७२ |
| विपद् व्यवस्थापन र जलवायु परिवर्तन अनुकूलन | १८५००८४१०.७ | ८.०८ |
| सुशासन प्रवर्द्धन | २०३०४७००३.८ | ८.८७ |

ग. दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा बाँडफाँट

दिगो विकास लक्ष्य बमोजिम आगामी तीन आर्थिक वर्षको व्यय अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.६ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका २.६ : दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

| संकेत नम्बर | दिगो विकासका लक्ष्यहरु | २०८०/०८१ को व्यय अनुमान | | २०८१/०८२ को खर्च प्रक्षेपण | | २०८२/०८३ को खर्च प्रक्षेपण | |
|-------------|------------------------|-------------------------|---------|----------------------------|---------|----------------------------|---------|
| | | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| १ | गरिवीको अन्त्य | ४२८९४९०५.४ | ६ | ५४४७२२६५.२ | ७.१ | ६३८१४६५४.८ | ७.९ |
| २ | शुन्य भोकमरी | २५७३६९४३.२ | ३.६ | २७६९९७४०.१ | ३.६ | २९०८००९५.८ | ३.६ |

| संकेत नम्बर | दिगो विकासका लक्ष्यहरु | २०८०/०८१ को व्यय अनुमान | | २०८१/०८२ को खर्च प्रक्षेपण | | २०८२/०८३ को खर्च प्रक्षेपण | |
|-------------|--------------------------------------|-------------------------|---------|----------------------------|---------|----------------------------|---------|
| | | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| ३ | स्वस्थ्य जीवन | ७००६१६७८.८ | ९.८ | ७५९५४२८५.३ | ९.९ | ८३२०१३८५.३ | १०.३ |
| ४ | गुणस्तरीय शिक्षा | १४३६९७९३३ | २०.१ | १४८०७२४९६ | १९.३ | १५७५१७१८६ | १९.५ |
| ५ | लैंगिक समानता | ३३६०१००९.२ | ४.७ | ४०६६२३९५.१ | ५.३ | ४६०४३४८५.१ | ५.७ |
| ६ | सफा पानी र स्वच्छता | ५८६२३०३७.४ | ८.२ | ५६००६६९५.२ | ७.३ | ६३८१४६५४.८ | ७.९ |
| ७ | आधुनिक उर्जामा पहुँच | १७१५७९६२.२ | २.४ | १८४१३९६०.१ | २.४ | १९३८६७३०.६ | २.४ |
| ८ | समावेशी आर्थिक वृद्धि र मर्यादित काम | १७८७२८७७.३ | २.५ | २६८५२५२५.१ | ३.५ | २९०८००९५.८ | ३.६ |
| ९ | उद्योग, नविन खोज र पूर्वाधार | १२४३९५२२६ | १७.४ | १३०४२६५५० | १७ | १०४२०३६७७ | १२.९ |
| १० | असमानता न्यूनीकरण | ७१४९१५०.९ | १ | १५३४४३००.१ | २ | २०१९४५११ | २.५ |
| ११ | दिगो शहर र समुदाय | ४०७५०१६०.१ | ५.७ | ३९९२७९६५.१ | ५.१ | ४४४२७९२४.२ | ५.५ |
| १२ | दिगो उपभोग र उत्पादन | ३२१७११७९.१ | ४.५ | ३१४५५८१५.१ | ४.१ | ३७१५७९००.२ | ४.६ |
| १३ | जलवायु परिवर्तन अनुकुलन | ३२१७११७९.१ | ४.५ | ३४५२४६७५.१ | ४.५ | ४३६२०१४३.८ | ५.४ |
| १५ | जमीन माथिको जीवन | ३२१७११७९.१ | ४.५ | २७६१९७४०.१ | ३.६ | २५०४११९३.६ | ३.१ |
| १६ | शान्ति, न्यायपूर्ण र सशक्त समाज | ३६४६०६६९.६ | ५.१ | ४०६६२३९५.१ | ५.३ | ४११९६८०२.४ | ५.१ |
| | जम्मा | ७१४९१५०९० | १०० | ७६७२१५००३ | १०० | ८०७७८०४४० | १०० |

घ. लैंगिक संकेतको आधारमा बाँडफाँट

लैंगिक संकेत बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.७ मा प्रस्तुत छ ।

तालिका २.७ : लैंगिक उत्तरदायी बजेटको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

| लैंगिक संकेत | २०८०/०८१ को व्यय अनुमान | | २०८१/०८२ को खर्च प्रक्षेपण | | २०८२/०८३ को खर्च प्रक्षेपण | |
|--------------|-------------------------|------------|----------------------------|------------|----------------------------|------------|
| | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| निर्दिष्ट | २५७३६९४३ | ३.६ | ४३७३१२५५ | ५.७ | ५९७७५७५३ | ७.४ |
| सहयोगी | ३४६७३३८१९ | ४८.५ | ३९४३४८५११ | ५१.४ | ४२४८९२५११ | ५२.६ |
| तटस्थ | ३४२४४४३२८ | ४७.९ | ३२९१३५२३६ | ४२.९ | ३२३११२१७६ | ४० |
| जम्मा | ७१४९५०९० | १०० | ७६७२१५००३ | १०० | ८०७७८०४४० | १०० |

ङ. जलवायु संकेतको आधारमा बाँडफाँट

जलवायु संकेत बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.८ मा प्रस्तुत छ ।

तालिका २.८ : जलवायु संकेतको बजेटको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

| जलवायु संकेत | २०८०/०८१ को व्यय अनुमान | | २०८१/०८२ को खर्च प्रक्षेपण | | २०८२/०८३ को खर्च प्रक्षेपण | |
|----------------|-------------------------|------------|----------------------------|------------|----------------------------|------------|
| | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| प्रत्यक्ष लाभ | ९९३७३१९८ | १३.९ | १४८०७२४९६ | १९.३ | १८५७८९५०१ | २३ |
| अप्रत्यक्ष लाभ | २४४५००९६१ | ३४.२ | २५९३१८६७१ | ३३.८ | २७२२२२००८ | ३३.७ |
| तटस्थ | ३७१०४०९३२ | ५१.९ | ३५९८२३८३६ | ४६.९ | ३४९७६८९३१ | ४३.३ |
| जम्मा | ७१४९५०९० | १०० | ७६७२१५००३ | १०० | ८०७७८०४४० | १०० |

२.८ विषय क्षेत्रगत बाँडफाँड

विषय क्षेत्रगत रुपमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.९ मा प्रस्तुत गरिएको छ । विषय क्षेत्रगत आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट, खर्च तथा स्रोतको अनुमान, कार्यक्रम तथा आयोजनागत बजेट, प्राथमिकीकरण र सांकेतिकरण सम्बन्धी विवरण समावेश गरिएको छ ।

तालिका २.९ : आगामी तीन आ.व.को विषय क्षेत्रगत खर्चको बाँडफाटको प्रक्षेपण

| विषय क्षेत्र | विषय उपक्षेत्र | आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको श्रोत (रु.) | | |
|----------------|-----------------------------------|-------------|-----------------|----------|----------|--------------------|-------------|--------------|
| | | | कूल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार |
| आर्थिक क्षेत्र | १. कृषि | २०८०/८१ | ६०४१०३२५ | ३९८८५१७४ | २०५२५१५१ | ५३५५९४७ | ५०८९७८९१ | ४१५६४८७ |
| | | २०८१/८२ | ७०२००१७३ | ४६३४८८०१ | २३८५१३७२ | ४८३०१०१ | ६०४१९१७८ | ४९५०८९३ |
| | | २०८२/८३ | ७५५२७४७ | ४९८६६०८४ | २५६६१३८७ | ४२६६२६४ | ६६०८७६९२ | ५१७३५१५ |
| | २. सिंचाई | २०८०/८१ | ४५७५४५६६ | १८३०१८२६ | २७४५२७३९ | ४०५६५७५ | ३८५४९८८२ | ३१४८१०९ |
| | | २०८१/८२ | ४३७३१२५५ | १७४९२५०२ | २६२३८७५३ | ३००८९१६ | ३७६३८१७७ | ३०८४१६३ |
| | | २०८२/८३ | ४६८५१२६६ | १८७४०५०६ | २८११०७५९ | २६४६४५३ | ४०९९५५७४ | ३२०९२३९ |
| | ३. पशुपंक्षी | २०८०/८१ | २५०२२०२८ | ७५०६६०८ | १७५१५४२० | २२१८४४० | २१०८१९६७ | १७२१६२२ |
| | | २०८१/८२ | २७६१९७४० | ८२८५९२२ | १९३३३८१८ | १९००३६८ | २३७७१४८० | १९४७८९२ |
| | | २०८२/८३ | २९८८७८७६ | ८९६६३६३ | २०९२१५१३ | १६८८२५४ | २६१५२३४९ | २०४७२७३ |
| | ४. उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय | २०८०/८१ | १७८७२८७७ | ७४९१५१ | १०७२३७२६ | १५८४६०० | १५०५८५४८ | १२२९७३० |
| | | २०८१/८२ | १९९४७५९० | ७९७९०३६ | ११९६८५५४ | १३७२४८८ | १७९६८२९१ | १४०६८११ |
| | | २०८२/८३ | २१८१००७२ | ८७२४०२९ | १३०८६०४३ | १२३१९६९ | १९०८४१४६ | १४९३९५६ |
| | ५. पर्यटन तथा संस्कृति | २०८०/८१ | १३५८३३८७ | ७४७०८६३ | ६११२५२४ | १२०४२९६ | ११४४४४९६ | ९३४५९५ |
| | | २०८१/८२ | १४१९३४७८ | ७८०६४१३ | ६३८७०६५ | ९७६५७८ | १२२१५८९९ | १००१००० |
| | | २०८२/८३ | १००९७२५५ | ५५५३४९१ | ४५४३७६५ | ५७०३५६ | ८८३५२५३ | ६९१६४६ |
| | ६. भूमी व्यवस्था तथा सहकारी | २०८०/८१ | ८५७८९८१ | ५१४७३८९ | ३४३१५९२ | ७६०६०८ | ७२२८१०३ | ५९०२७० |
| | | २०८१/८२ | ९५९०१८८ | ५७५४११३ | ३८३६०७५ | ६५९८५० | ८२५३९८६ | ६७६३५२ |
| | | २०८२/८३ | १०५०११४६ | ६३००६८७ | ४२००४५८ | ५९३१७० | ९१८८६६३ | ७९९३१२ |
| | ७. श्रम, रोजगारी तथा गरिवी निवारण | २०८०/८१ | २४३०७१३ | १०९३८२०१ | १३३६८९१२ | २१५५०५६ | २०४७९६२५ | १६७२४३३ |
| | | २०८१/८२ | २६८५२५२५ | १२०८३६३६ | १४७६८८८९ | १८४७५८० | २३११११६१ | १८९३७८४ |

| विषय क्षेत्र | विषय उपक्षेत्र | आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको श्रोत (रु.) | | |
|-------------------|---|-------------|-----------------|----------|----------|--------------------|-------------|--------------|
| | | | कुल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार |
| | | २०८२/८३ | २९०८००९६ | १३०८६०४३ | १५९९४०५३ | १६४२६२६ | २५४४५५२८ | १९९१९४२ |
| सामाजिक क्षेत्र | ८. जनस्वास्थ्य तथा पोषण | २०८०/८१ | २४३०७१३ | १४५८४२६८ | ९७२२८४५ | २१५५०५६ | २०४७९६२५ | १६७२४३३ |
| | | २०८१/८२ | २६८५२५२५ | १६११५५५ | १०७४१०१० | १८४७५८० | २३११११६१ | १८९३७८४ |
| | | २०८२/८३ | २८६७६२०६ | १७२०५७२३ | ११४७०४८२ | १६१९८१२ | २५०९२११८ | १९६४२७६ |
| | ९. शिक्षा, कला, भाषा तथा साहित्य | २०८०/८१ | ५३२६११७४ | ३१९५६७०५ | २१३०४४७० | ४७२२१०७ | ४४८७४४७२ | ३६६४५९५ |
| | | २०८१/८२ | ५३७०५०५० | ३२२२३०३० | २१४८२०२० | ३६९५१५९ | ४६२२२३२२ | ३७८७५६८ |
| | | २०८२/८३ | ५८५६४०८२ | ३५१३८४४९ | २३४२५६३३ | ३३०८०६६ | ५१२४४४६७ | ४०११५४९ |
| | १०. खानेपानी तथा सरसफाइ | २०८०/८१ | ३१४५६२६४ | १८८७३७५८ | १२५८२५०६ | २७८८८९६ | २६५०३०४४ | २१६४३२५ |
| | | २०८१/८२ | ३४५२४६७५ | २०७४८०५ | १३८०९८७० | २३७५४६० | २९७१४३५० | २४३४८६५ |
| | | २०८२/८३ | ३८३६९५७ | २३०२१७४३ | १५३४७८२८ | २१६७३५३ | ३३५७३९६१ | २६२८२५६ |
| | ११. महिला, बालबालिका तथा सामाजिक समावेशीकरण | २०८०/८१ | १४२९८३०२ | ८५७८९८१ | ५७९९३२१ | १२६७६८० | १२०४६८३८ | ९८३७८४ |
| | | २०८१/८२ | १६११५५१५ | ९६६६९०९ | ६४४४६०६ | ११०८५४८ | १३८६६६९७ | ११३६२७१ |
| | | २०८२/८३ | १७७७११७० | १०६६२७०२ | ७१०८४६८ | १००३८२७ | १५५५००४५ | १२१७२९८ |
| | १२. युवा, खेलकुद तथा नवप्रवर्तन | २०८०/८१ | १०७२३७२६ | ४२८९४९१ | ६४३४२३६ | ९५०७६० | ९०३५१२९ | ७३७८३८ |
| | | २०८१/८२ | ११८९१८३३ | ४७५६७३३ | ७३५१०० | ८१८२१४ | १०२३४९४३ | ८३८६७६ |
| | | २०८२/८३ | १२९२४४८७ | ५१६९७९५ | ७७५४६९२ | ७३००५६ | ११३०९१२४ | ८८५३०७ |
| | १३. सामाजिक सुरक्षा तथा पंजीकरण | २०८०/८१ | ६४३४२४ | ३२१७१२ | ३२१७१२ | ५७०४६ | ५४२१०८ | ४४२७० |
| | | २०८१/८२ | ७६७२१५ | ३८३६०८ | ३८३६०८ | ५२७८८ | ६६०३१९ | ५४१०८ |
| | | २०८२/८३ | ८८८५५८ | ४४४२७९ | ४४४२७९ | ५०१९१ | ७७७५०२ | ६०८६५ |
| पूर्वाधार क्षेत्र | १४. भवन, आवास तथा बस्ती विकास | २०८०/८१ | ७७५६८२८७ | ४६५४०९७२ | ३१०२७३१५ | ६८७७६३ | ६५३५४०९६ | ५३३७०२८ |
| | | २०८१/८२ | ७८६३९५३८ | ४७८८३७२३ | ३१४५५८१५ | ५४१०७६९ | ६७६८२६८६ | ५५४६०८२ |
| | | २०८२/८३ | ८४४१३०५६ | ५०६४७८३४ | ३३७६५२२२ | ४७६८१७८ | ७३८६२७५ | ५७८२१६४ |
| | | २०८०/८१ | ९४७२६२४९ | ५६८३५७५० | ३७८९०५०० | ८३९८३७९ | ७९८१०३०२ | ६५१७५६९ |

| विषय क्षेत्र | विषय उपक्षेत्र | आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको श्रोत (रु.) | | | |
|--|--|-------------------------------------|-----------------|----------|----------|--------------------|-------------|--------------|--------|
| | | | कुल | चालु | पुँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | |
| | १५. सडक, पुल तथा यातायात | २०८१/८२ | १०३५७४०२५ | ६२१४४४१५ | ४१४२९६१० | ७१२६३७९ | ८९१४३०५० | ७३०४५९६ | |
| | | २०८२/८३ | ११३०८९२६२ | ६७८५३५५७ | ४५२३५७०५ | ६३८७९८९ | ९८९५४८३३ | ७७४६४३९ | |
| | १६. जलस्रोत, विद्युत् तथा स्वच्छ ऊर्जा | २०८०/८१ | ३९३२०३३० | २१६२६१८१ | १७६९४१४८ | ३४८६११९ | ३३१२८८०५ | २७०५४०६ | |
| | | २०८१/८२ | ३७२०९९२८ | २०४६५४६० | १६७४४४६७ | २५६०२१८ | ३२०२५४६६ | २६२४२४४ | |
| | १७. सूचना तथा सञ्चार प्रविधि | २०८२/८३ | ३८२०८०१५ | २१०१४४०८ | १७९९३६०७ | २१५८२२८ | ३३४३२५९७ | २६१७१९० | |
| | | २०८०/८१ | १८५८७७९२ | ९२९३८९६ | ९२९३८९६ | १६४७९८४ | १५६६०८८९ | १२७८९१९ | |
| | | २०८१/८२ | २०३३११९८ | १०१६५५९९ | १०१६५५९९ | १३९८८८२ | १७४९८४५१ | १४३३८६५ | |
| | वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र | १८. वन, भूसंरक्षण तथा जैविक विविधता | २०८२/८३ | १२९२४४८७ | ६४६२२४४ | ६४६२२४४ | ७३००५६ | ११३०९१२४ | ८८५३०७ |
| | | | २०८०/८१ | १२२२५०४८ | ६११२५२४ | ६११२५२४ | १०८३८६६ | १०३०००४६ | ८४११३५ |
| २०८१/८२ | | | १४५७७०८५ | ७२८८५४३ | ७२८८५४३ | १००२९७२ | १२५४६०५९ | १०२८०५४ | |
| १९. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन | | २०८२/८३ | १६१५५६०९ | ८०७७८०४ | ८०७७८०४ | ९१२५७० | १४१३६४०५ | ११०६६३४ | |
| | | २०८०/८१ | १२१५३५५७ | ४८६१४२३ | ७२९२१३४ | १०७७५२८ | १०२३९८१२ | ८३६२१६ | |
| | | २०८१/८२ | १३४२६२६३ | ५३७०५०५ | ८०५५०५८ | ९२३७९० | ११५५५५८१ | ९४६८९२ | |
| २०. विपद् जोखिम व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकुलन | | २०८२/८३ | १४५४००४८ | ५८१६०१९ | ८७२४०२९ | ८२१३१३ | १२७२२७६४ | ९९५९७१ | |
| | | २०८०/८१ | २००१७६२३ | ८००७०४९ | १२०१०५७४ | १७७४७५२ | १६८६५५७३ | १३७७२९८ | |
| | | २०८१/८२ | २३०१६४५० | ९२०६५८० | १३८०९८७० | १५८३६४० | १९८०९५६७ | १६२३२४४ | |
| संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र | २१. नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन | २०८२/८३ | २०१९४५११ | ८०७७८०४ | १२११६७०७ | ११४०७१२ | १७६७०५०६ | १३८३२९३ | |
| | | २०८०/८१ | ६०७६७७८ | ३६४६०६७ | २४३०७११ | ५३८७६४ | ५११९९०६ | ४१८१०८ | |
| | | २०८१/८२ | ७६७२१५० | ४६०३२९० | ३०६८८६० | ५२७८८० | ६६०३१८९ | ५४१०८१ | |
| | २२. संगठन तथा क्षमता विकास, जनशक्ति व्यवस्थापन र सेवा प्रवाह | २०८२/८३ | १००९७२५५ | ६०५८३५३ | ४०३६९०२ | ५७०३५६ | ८८३५२५३ | ६९१६४६ | |
| | | २०८०/८१ | ३४६७३३८२ | २०८०४०२९ | १३८६९३५३ | ३०७४१२४ | २९२१३५८२ | २३८५६७६ | |
| | | २०८१/८२ | ३३७५७४६० | २०२५४४७६ | १३५०२९८४ | २३२२६७२ | २९०५४०३१ | २३८०७५७ | |
| २०८२/८३ | ३४३३०६६९ | २०५९८४०१ | १३७३२२६७ | १९३९२११ | ३००३९८६० | २३५१५९८ | | | |

| विषय क्षेत्र | विषय उपक्षेत्र | आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | |
|-------------------|--|-------------|-----------------|-----------|----------|--------------------|-------------|--------------|
| | | | कुल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार |
| | २३. राजस्व तथा स्रोत परिचालन | २०८०/८१ | ६०७६७७८ | ३०३८३८९ | ३०३८३८९ | ५३८७६४ | ५११९९०६ | ४१८१०८ |
| | | २०८१/८२ | ६९०४९३५ | ३४५२४६८ | ३४५२४६८ | ४७५०९२ | ५९४२८७० | ४८६९७३ |
| | | २०८२/८३ | ८०७७८०४ | ४०३८९०२ | ४०३८९०२ | ४५६२८५ | ७०६८२०२ | ५५३३१७ |
| | २४. तथ्यांक प्रणाली र योजना तथा विकास व्यवस्थापन | २०८०/८१ | ६०७६७७८ | ३६४६०६७ | २४३०७११ | ५३८७६४ | ५११९९०६ | ४१८१०८ |
| | | २०८१/८२ | ५७५४११३ | ३४५२४६८ | २३०१६४५ | ३९५९१० | ४९५२३९२ | ४०५८११ |
| | | २०८२/८३ | ४८४६६८३ | २९०८०१० | १९३८६७३ | २७३७७ | ४२४०९२१ | ३३९९९० |
| वडा स्तरीय आयोजना | २०८०/८१ | ५७९३३२०७ | ३४३१५९२४ | २२८७७२८३ | ५०७०७१९ | ४८१८७३५२ | ३९३५१३६ | |
| | २०८१/८२ | ६६३६४०९८ | ३९८१८४५९ | २६५४५६३९ | ४५६६१६१ | ५७१७५८४ | ४६८०३५२ | |
| | २०८२/८३ | ६९९५३७८६ | ४१९७२२७२ | २७९८१५१४ | ३९५१४२८ | ६१२१०६३२ | ४७९१७२६ | |
| जम्मा | २०८०/८१ | ७४९१५०९० | ३९३७३२३९८ | ३२११८२६९२ | ६३३८३९९० | ६०२३४१९०० | ४९१८९२०० | |
| | २०८१/८२ | ७६७२१५००३ | ४२३०१३००६ | ३४४२०१९९७ | ५२७८७९९३ | ६६०३१८८९० | ५४१०८१२० | |
| | २०८२/८३ | ८०७७८०४४० | ४४६४०५५०२ | ३६१३७४९३८ | ४५६२८४९४ | ७०६८२०२३५ | ५५३३१७११ | |

परिच्छेद ३ : आर्थिक क्षेत्र

यस परिच्छेद अन्तर्गत कृषि तथा सिंचाई, पशु विकास, सिंचाई, उद्योग तथा व्यापार, पर्यटन तथा संस्कृति, भूमि व्यवस्था तथा सहकारी र श्रम तथा रोजगारी जस्ता उप-क्षेत्रहरूको पृष्ठभूमि, समस्या तथा चुनौति, लक्ष्य, रणनीति, नतिजा खाका, त्रिवर्षीय खर्च तथा स्रोत अनुमान, आयोजना तथा कार्यक्रम र पूर्वानुमान तथा जोखिम पक्षहरू समावेश गरिएको छ ।

३.१ कृषि

३.१.१. पृष्ठभूमि

यस नगरपालिका कृषिजन्य उत्पादन तथा खाद्य सुरक्षाका दृष्टिले सामान्य क्षेत्र हो । हावापानीका हिसाबले यो नगरपालिका उत्तम रहेको र नगरवासीको मुख्य पेशाको रूपमा कृषिलाई अपनाइएको छ । माटोको बनोट र उर्वराशक्तिका हिसाबले नगरपालिकाको सबै वडा एकैनासका छैनन् । केही भागमा कालो, बलौटे र चट्टानयुक्त मिश्रित र केही भागमा रातो माटो रहेको छ । यस नगरपालिकाले कृषि क्षेत्रका विकासका लागि प्रशस्त कानूनी तथा नीतिगत व्यवस्था गरेको छ । यस अन्तर्गत कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन ऐन २०७५ र कृषि ऐन, २०७५ पारित गरी लागू गरेको छ । कृषि तथा पशुपंक्षी विकास रणनीतिक योजना २०७६; नलगाड कृषि स्रोत व्यक्तिको विकास तथा परिचालन कार्यविधि २०७६; कृषि विकास पकेट क्षेत्र सञ्चालन सम्बन्धी कार्यविधि २०७६; सामुदायिक कृषि प्रसार सेवा केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालन कार्यविधि २०७८ र हाटबजार व्यवस्थापन तथा सञ्चालन कार्यविधि २०७८ कार्यान्वयनमा आएको छ । त्यसैगरी स्थानीय उत्पादनमा जोड दिई कृषिको विविधीकरण, यान्त्रिकीकरण र व्यवसायीकरण गर्दै रोजगारीको अवसर सिर्जना गर्ने नीति नगरपालिकाले लिएको छ ।

कृषकको कृषि उपजहरूको बजार सुनिश्चित गर्नका लागि कृषि क्षेत्र विकास कार्यक्रमसँगको सहलगानीमा वडा नं. ७ को दल्लीमा कृषि हाटबजार स्थापनाका लागि डिपिआर निर्माण गरी बोलपत्र आव्हानको तयारी, कृषि पेशालाई एक मर्यादित र सम्मानित पेशाका रूपमा स्थापित गर्न नगरप्रमुख उत्कृष्ट पुरस्कारबाट कृषक र कृषि सहकारीलाई पुरस्कृत गर्ने कार्यक्रमको सुरुवात, कृषि प्रविधि प्रदर्शन, अनुसन्धान तथा प्रसार गर्न वडा नं. ५ मा कृषक सिकाई केन्द्रको स्थापना, कृषकको घर खेतमा गई प्रत्यक्ष रूपमा कृषकलाई प्राविधिक ज्ञान प्रदान गर्न आलु बालीमा कृषक पाठशाला कार्यक्रम सञ्चालन, बेमौसमी तरकारी खेतीका लागि आधुनिक रूपमा २१ वटा पक्की फलामे टनेल निर्माण, फलफूल बगैँचा सुदृढीकरणका लागि आरी, कैँची (सिजर) र फलामे स्पेयर ट्यांकी वितरण, साना किसानहरूलाई कृषि पेशामा आबद्ध गराई आयआर्जन बढाउन सिल्पाउलिन ९क्षउबगप्लि० प्लास्टिक वितरण, करेसावारी स्थापना सम्बन्धी तालिम लगायत १७२ वटा कृषक समूह दर्ता जस्ता कार्यहरू गरी कृषि क्षेत्रमा यस नगरपालिकाले उपलब्धीहरू हासिल गरेको छ । यस पालिकाको आत्मनिर्भर बालीमा मुख्यतः महु, सुन्तला र लसुन पर्दछन् । परम्परागत कृषि प्रणालीबाट क्रमशः व्यावसायिक हुन थालेको छ । सीमान्त वडाहरूमा कृषि जीविकोपार्जन तथा रोजगारीको मुख्य आधारका रूपमा रहेको छ ।

३.१.२. समस्या तथा चुनौति

एक स्थानीय तह एक औद्योगिक ग्राम, एक स्थानीय तह एक उत्पादन र एक घर एक उत्पादन लगायतका अवधारणालाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयनमा ल्याउन नसक्नु, कृषि पेशालाई मर्यादित र आयआर्जनको मुख्य स्रोतको रूपमा अँगाल्न नसक्नु, कृषि पेशाप्रति युवा वर्गको आकर्षण कम हुनु, समयमा उन्नत जातका बीउ तथा मल उपलब्ध हुन नसक्नु, खेतीयोग्य जमिनमा सिंचाई नभएका कारण आकाशे पानीको भरमा खेती गर्नुपर्ने अवस्था रहनु, उत्पादित वस्तुले बजार पाउन नसक्नु, कृषि बीमालाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयनमा ल्याउन नसक्नु, कृषि उपजको ढुवानी खर्च अधिक हुनु, प्रांगरिक मलको प्रयोग कम हुनु, प्राविधिक जनशक्तिले आवश्यकता अनुसारको सेवा प्रदान गर्न नसक्नु, चामल, दाल तथा गेडागुडीमा आत्मनिर्भर हुन नसक्नु, कृषि

सहकारीहरू प्रभावकारी हुन नसक्नु, वर्षभरी खान पुग्ने र पुगेर पनि विक्री गर्ने घरपरिवार ज्यादै न्यून हुनु, एक वडा एक प्राविधिकको व्यवस्था गर्न नसक्नु, कृषि उपजको लागि उचित व्यवस्था नहुनु, जलवायुको असर उत्पादनमा पर्नु आदि कृषि क्षेत्रमा रहेका मुख्य समस्या हुन् ।

कृषि पेशालाई मर्यादित बनाउनु, युवा वर्गलाई कृषि क्षेत्रमा आकर्षण गर्नु, कृषि उपजको बजार सुनिश्चित गर्नु, खेतीयोग्य जमिनमा सिंचाई सुविधा पुऱ्याउनु, कृषकहरूलाई समयमा प्राविधिक सेवा उपलब्ध गराउनु, सबै नगरवासीहरूको वर्षभरी खान पुग्नेगरी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित गर्नु, दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था मिलाउनु, कृषक परिचय पत्र उपलब्ध गराउनु र कृषकहरूलाई सहूलियत ऋण उपलब्ध गराउनु जस्ता चुनौतीहरू कृषि क्षेत्रमा रहेका छन् ।

३.१.३ लक्ष्य

“कृषिको यान्त्रिकीकरण र व्यवसायीकरण गरी उच्च उत्पादन र उत्पादकत्व हासिल गर्नु ।”

३.१.४ उद्देश्य

१. कृषिलाई व्यवसायीकरण गरी रोजगारीको अवसर सिर्जना गर्नु,
२. कृषिलाई नाफामूलक, भरपर्दो र मर्यादित व्यवसायको रूपमा स्थापित गर्नु,
३. कृषि उत्पादनको बजार सुनिश्चित गर्नु ।

३.१.५ रणनीति

१. कृषि उत्पादन वृद्धिका लागि सिंचाई, प्रविधि, उत्पादन सामग्री, प्राविधिक सेवा तथा कर्जाको उपलब्धता सुनिश्चित गर्ने,
२. उच्च प्रतिफल भएका अदुवा खेती, बेसार खेती, तरकारी खेती क्षेत्रको पकेट क्षेत्र निश्चित गर्ने,
३. रोजगारी तथा आमदानीका अवसरहरू सृजना गर्ने ।

३.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम, आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|----------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| कृषि क्षेत्रमा स्व रोजगार परिवार | प्रतिशत | २४ | २६ | २८ | ३० |
| कृषि सेवा संचालन भएका पकेट क्षेत्र | संख्या | १३ | १३ | १३ | १३ |
| आफ्नो उत्पादनबाट वर्षभरी खान पुग्ने परिवार | प्रतिशत | ८० | ८२ | ८५ | ९० |
| प्रति व्यक्ति खाद्यान्न उत्पादन | के.जी. | २०० | २५० | ३०० | ३५० |
| जमीनको उत्पादकत्व प्रति हेक्टर (वार्षिक औषत कूल कृषि उत्पादन) | रु. हजार | ६७५ | ७०० | ७२५ | ७५० |
| संचालित कृषि संकलन केन्द्र | संख्या | १ | १ | १ | १ |
| सक्रिय व्यवसायिक कृषक समूह | संख्या | ५० | ५० | ५० | ५० |
| व्यवसायिक कृषि नर्सरी | संख्या | १ | १ | १ | १ |
| कोल्ड स्टोर | संख्या | १ | १ | १ | १ |
| सक्रिय कृषि सहकारी संस्था | संख्या | १२ | १५ | २० | २५ |

३.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा कृषि उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार रहेको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको श्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|----------|----------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कैफ | जालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | ६०४१०३२५ | ३९८८५१७४ | २०५२५१५१ | ५३५५९४७ | ५०८९७८९१ | ४१५६४८७ | |
| २०८१/८२ | ७०२००१७३ | ४६३४८८०१ | २३८५१३७२ | ४८३०१०१ | ६०४१९१७८ | ४९५०८९३ | |
| २०८२/८३ | ७५५२७४७१ | ४९८६६०८४ | २५६६१३८७ | ४२६६२६४ | ६६०८७६९२ | ५१७३५१५ | |

३.१.८ कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको कृषि उपक्षेत्रको संक्षिप्त विवरण देहायअुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|--|---|---------------------------|-----------|--|
| १ | कृषि पकेट क्षेत्र विकास | खेतीयोग्य १० प्रतिशत जग्गामा कृषि पकेट क्षेत्र विस्तार हुनु | २०८०/०८१ - २०८०/०८१ | ४०५००४५० | खेतीयोग्य जग्गामा कृषि पकेट क्षेत्र विस्तार भई थप ५०० किसानहरु कृषि पेशामा संलग्न भएको हुनेछ । |
| २ | कृषि उपज संकलन केन्द्र | उत्पादित तरकारी संकलनका लागि संकलन केन्द्र स्थापना गर्नु | २०८०/०८१ - २०८१/०८२ | १२५७५७६९ | वडाहरुमा तरकारी संकलन केन्द्र स्थापना हुने र तरकारी संकलन भई उत्पादित तरकारी बजारसम्म पुगेको हुनेछ । |
| ३ | चिस्यान केन्द्र स्थापना | चिस्यान केन्द्र स्थापना गर्नु | २०८०/०८१ - २०८१/०८२ | १४०४२६५५ | चिस्यान केन्द्र स्थापन भएको हुनेछ । |
| ४ | कृषि प्रवर्द्धन तथा औजार अनुदान | कृषकलाई अनुदान प्रदान गर्नु | सालवसाली | १२६१५००२५ | कृषकहरुले अनुदान प्राप्त गरी कृषि प्रवर्द्धन कार्यमा संलग्न भएको हुनेछ । |
| ५ | कृषि प्रसार, संचार, प्रविधि हस्तान्तरण, बजारीकरण तथा नियमन कार्यक्रम | कृषकहरुको कृषि उत्पादन वृद्धि गर्नु | सालवसाली | १२८६९०७० | कृषि उत्पादन वृद्धि भएको हुनेछ । |

३.१.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

कृषि क्षेत्रमा जलवायु परिवर्तनले पार्ने असर र प्रकोपको जोखिम संभावना अधिक रहन सक्दछ । कृषि, प्रविधि, मल, गुणस्तरीय बीउ तथा कृषि सामाग्री, भरपर्दो सिंचाई प्रणाली, कृषि प्रसार, कृषि भूमिको संरक्षण र एकीकृत व्यवस्थापन गर्न नसकिएमा अपेक्षित नतिजा हासिल हुने जोखिम रहन्छ । संघीय शासन व्यवस्था अनुसार संघीय, प्रदेश र स्थानीय तहबीच नीति, योजना तथा कार्यक्रमको सामाञ्जस्यता, समन्वय र सहकार्यले गर्दा कृषि पूर्वाधार, प्रविधि तथा सीप विकास हुनेछ । वैदेशिक रोजगारबाट प्राप्त पूँजी कृषि व्यवसायमा परिचालन हुनेछ । नगरपालिकाले कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धनका लागि लिईने नीति र कार्यक्रमले बेरोजगार युवाहरु कृषिमा आधारित व्यवसायमा आकर्षिक हुनेछन् ।

३.२ सिंचाई

३.२.१ पृष्ठभूमि

कृषि क्षेत्रको प्रवर्द्धन र विकासका लागि सिंचाईको महत्वपूर्ण भूमिका हुन्छ। तसर्थ कृषि क्षेत्रको विकासका लागि सिंचाईलाई मेरुदण्डका रूपमा लिइन्छ। तथापि यस नगरपालिकामा अझै पनि आकाशे पानीको भरमा निर्वाहमुखी कृषि प्रणालीलाई निरन्तरता दिनु पर्ने बाध्यता रहेकै छ। तसर्थ कृषि क्षेत्रको आधुनिकीकरण, यान्त्रिकीकरण र बजारीकरणलाई बढवा दिनका लागि नियमित रूपमा सिंचाईको व्यवस्थापन हुन अपरिहार्य छ। यस नगरपालिकाले कृषि क्षेत्रको विकासलाई उच्च प्राथमिकता राखेको र विगत देखिनै सिंचाईका क्षेत्रमा धेरै थोरै लगानी समेत गर्दै आएको छ। मुख्यतः काब्राखोला मुहान भई रिजा डास्वारा सिंचाई, भैसीखोर सिमखेत हुँदै रानीखेत सिंचाई, गराग्ली खोला मुहान हुँदै गराग्ली खेत सिंचाई, अराखोला आब्राघार सिंचाई, भैदे घाटीकाल्ला बासकोट सिंचाई, छिन्नयार्ती देखि हामाचौर हुँदै सिमायितरिसम्मको सिंचाई, भेरी खोला चोक ओला सिंचाई, दल्ली नहर, पाईप सिंचाई आदि केही उदाहरणहरू हुन्। त्यसैगरी पहाडी भूमिगत जलस्रोतको उपयोग तथा सबै स्थानमा वर्षातको पानी संकलन पोखरी र मूलको पानी, संकलन पोखरी जस्ता बैकल्पिक उपायहरूमार्फत सिंचाई, सेवा उपलब्ध गराई कृषि उत्पादन वृद्धि गर्नको लागि नगरपालिकाको प्रयास केन्द्रित रहनुपर्दछ।

३.२.२ समस्या तथा चुनौति

सिंचाई सुविधा विस्तार गर्न बजेटको कमि, नगरपालिकाको संस्थागत क्षमता कमजोर हुनु, परम्परागत सिंचाई प्रणालीमा निर्भर हुनु पर्ने बाध्यता रहनु, जलस्रोत परिचालन सम्बन्धी उपभोक्ता समितिहरूमा सीप र ज्ञानको कमि हुनु, आवश्यक सिंचाई आयोजनाहरू संचालन गर्न नसक्नु, खेतीयोग्य जमिनमा मानव वस्ती विकास हुँदै जानु यस क्षेत्रका मुख्य समस्याहरू हुन्।

सिंचाईको सुविधा विस्तारका लागि पर्याप्त लगानी बढाउनु, उत्थानशील/बलियो र भरपर्दो सिंचाई नहर र कुलोहरूको निर्माण गर्नु, नीजि क्षेत्रको लगानीलाई प्रोत्साहित गर्नु, सिंचाई पूर्वाधार विकासका लागि संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको संयुक्त लगानीको प्रवन्ध गर्नु, कृषि योग्य जमिनको संरक्षण गर्नु, जलवायु परिवर्तनबाट पानीको उपलब्धतामा हुनसक्ने प्रतिकूल असरलाई न्यूनीकरण गर्ने उपाय अवलम्बन गर्नु, सिंचाईमा नयाँ प्रविधिको प्रयोग गर्नु, सम्पन्न आयोजनाहरूमा जनसहभागिता जुटाई दिगो रूपमा संचालन गर्नु र बाह्रै महिना नियमित रूपमा सिंचाई सुविधा उपलब्ध गराउनु यस क्षेत्रका मुख्य चुनौतीहरू हुन्।

३.२.३ लक्ष्य

“कृषियोग्य भूमिमा दिगो एवम् भरपर्दो सिंचाई सुविधा उपलब्ध गराउने”

३.२.४ उद्देश्य

१. सिंचाईका नयाँ प्रणालीहरूको विकास र उपयुक्त प्रविधिहरूको प्रयोग विस्तार गर्नु।
२. सञ्चालनमा रहेका सिंचाई प्रणालीहरूलाई सुधार गर्नु।

३.२.५ रणनीति

१. जलवायु परिवर्तन अनुकूलन हुने गरी सिंचाई योजनाहरूको विकास एवम् विस्तार गर्ने।
२. भूमिगत सिंचाई योजनाको विस्तार सहित उपयोग र सम्पन्न सिंचाई प्रणालीको मर्मत संभारमा जोड दिने।

३.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरणको अगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| खेतीयोग्य जमिन मध्ये सिंचाई पुगेको जग्गा | प्रतिशत | ३५ | ४० | ४५ | ५० |
| खेतीयोग्य जमिन मध्ये १२ महिना सिंचाई पुगेको जग्गा | प्रतिशत | १५ | २० | २५ | ३० |
| निर्माण भएका सिंचाई पोखरी | संख्या | ३ | ३ | ३ | ३ |
| मर्मत गरिएका पुराना सिंचाई आयोजना | वटा | ५ | ५ | ५ | ५ |
| मर्मत सम्भार गरिएका कुलोको लम्बाई | किमि | ५ | ५ | ५ | ५ |
| विकास गरिएका नयाँ सिंचाई प्रणालीहरु | संख्या | २ | २ | २ | २ |
| नियमित रुपमा आर्थिक अनुदान पाएका उपभोक्ता समितिहरु | प्रतिशत | १०० | १०० | १०० | १०० |
| नपाबाट आवश्यकता अनुसार अनुदान पाउने उपभोक्ता समितिहरु | प्रतिशत | ६० | ६५ | ७० | ७५ |

३.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा सिंचाई उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|----------|----------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कर्म | जालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | ४५७५४५६६ | १८३०१८२६ | २७४५२७३९ | ४०५६५७५ | ३८५४९८८२ | ३१४८१०९ | |
| २०८१/८२ | ४३७३१२५५ | १७४९२५०२ | २६२३८७५३ | ३००८९१६ | ३७६३८१७७ | ३०८४१६३ | |
| २०८२/८३ | ४६८५१२६६ | १८७४०५०६ | २८११०७५९ | २६४६४५३ | ४०९९५५७४ | ३२०९२३९ | |

३.२.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|--------------------------------------|---|-----------------------|----------|--|
| १ | सिंचाई गुरुयोजना सहित सुविधा विस्तार | खेतीयोग्य जग्गामा सिंचाई सुविधा विस्तार गर्नु | २०८०/०८१-२०८२/०८ | ७४५५५०४५ | सिंचाई सुविधा विस्तार भएको हुनेछ। |
| २ | लिफ्ट सिंचाई कार्यक्रम | उच्च खेतीयोग्य भूभागमा लिफ्ट सिंचाई मार्फत खेती गर्नु | २०८०/०८१-२०८१/०८२ | २५५३५०२५ | लिफ्ट सिंचाईको माध्यमबाट उच्च भूभागमा खेती भएको हुनेछ। |
| ३ | साना सिंचाई आयोजना सहयोग र विस्तार | साना किसानहरुलाई सिंचाई सुविधामा पहुँच वृद्धि गर्नु | सालवसाली | २४७३७०१६ | स्थानीय कृषकहरुको साना सिंचाईको प्रयोगबाट उत्पादन वृद्धि भएको हुनेछ। |

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|----------------------------|--------------------------------------|-----------------------|----------|--|
| ४ | सिंचाई सुधार संरचना | विद्यमान सिंचाई सुविधामा सुधार गर्नु | सालवसाली | ११५१०००० | सिंचाई आयोजनाहरूको मुहान संरक्षण भई सुविधामा सुधार भएको हुनेछ। |

३.२.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

व्यवसायिक कृषि उत्पादनको लागि प्रविधि तथा नविनतम खोज तथा विकास गरेर सिंचाई व्यवस्थापन गर्न नसकिएमा वा हुन नसकेमा अपेक्षित नतिजा हासिल हुने जोखिम रहन्छ। तीनै तहका सरकारहरूबाट कृषियोग्य भूमीमा सिंचाई सुविधा प्रदान गर्ने नीति, कार्यक्रमबीच सामञ्जस्यता, समन्वय र सहकार्यमा पूर्वाधार, प्रविधि तथा सीप विकास हुनेछ। नगरपालिका र प्रदेश सहित संघीय सरकारहरूबाट प्रविधियुक्त सिंचाई विस्तारमा पूँजी विस्तार हुनेछ र कृषि उत्पादन वृद्धिले युवाहरूलाई कृषिमा आधारित व्यवसायमा आकर्षिक हुनेछन्।

३.३ पशुपंक्षी

३.३.१ पृष्ठभूमि

यस नलगाड नगरपालिकाको आर्थिक गतिविधि मध्ये पशुपंक्षी पालन एक हो। यस क्षेत्रमा परम्परागत तथा व्यावसायिक रूपमा पशुपंक्षी पालनको अभ्यास भइरहेको छ। पशुपंक्षी विकासका लागि नगरपालिकाले पशुपंक्षी व्यवसाय प्रवर्द्धन ऐन, २०७७ पारित गरी लागू गरेको छ। यसैगरी पशुपंक्षी सम्बन्धी रणनीतिक योजना तयार गरी कार्यान्वयनमा ल्याएको छ। पशुपंक्षी क्षेत्रको विकासका लागि नगरपालिकाले उन्नत जातका राँगो, उन्नत जातका बोका, उन्नत कुखुरा, बाखा, डाले घाँस वेर्ना, भुइँ घाँसको वीउ वितरण जस्ता कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्दै आएको छ। यसैगरी पशु शिविर सञ्चालन, रेविज नियन्त्रण शिविर, पिपिआर खोप सञ्चालन, एच.एस.वि.क्यु खोप सञ्चालन, मेडिकल उपचार सेवा, पशु बन्ध्याकरण सेवा, नमूना बस्तीमा कुखुरा वितरण, बंगुर पाठापाठी वितरण, कृषक समुह दर्ता, व्यवसायिक फर्म दर्ता, मासु पसल सुधार, नगरस्तरीय पशुपंक्षी तथ्याङ्क संकलन जस्ता कार्यहरू हुँदै आएको छ। यस्ता कार्यक्रमहरूले नगरवासी कृषकहरूलाई पशुपंक्षी, मत्स्य तथा मौरी पालनका लागि थप आकर्षण प्रदान गरेको छ। विगत देखिनै यस पालिकामा दुग्ध पदार्थ र मासु उत्पादन तथा खपत वृद्धि भएको छ। दुध, दही, माछा मासु, अण्डा, मह आदिको उत्पादनमा यस पालिकालाई आत्मनिर्भर बनाई निर्यात तर्फ आकर्षण गर्नुपर्ने छ। गाई भैंसी पालनमा जोड दिने र मह उत्पादनलाई थप व्यवसायीकरण गर्न आवश्यक छ। यसरी व्यवसायिक पशुपंक्षी, मौरी तथा मत्स्यपालनको विस्तार गरी थप रोजगारी सिर्जना, र कृषकहरूको आय वृद्धि गर्दै नगरपालिकालाई समृद्ध बनाउनु परेको छ।

३.३.२ समस्या तथा चुनौति

पशुपालन क्षेत्रमा अझै पनि किसानहरूको आकर्षण बढ्न नसक्नु, कृषकहरूका व्यवसायिक इच्छा शक्ति कम हुनु, व्यवसायिक उत्पादनको लागि आवश्यक पर्ने उन्नत नश्लका पशुपंक्षी, पशु स्वास्थ्य प्राविधिक र गुणस्तरीय आहारको अभाव हुनु, बाखा तथा भैंसीलाई थुनेलो, ज्वरो, नाम्ले, जुका, पखला, अरुची जस्ता रोगका कारण अपेक्षित लाभ हासिल गर्न नसक्नु, सबै किसानहरूलाई घरदैलोमा पशुसेवा उपलब्ध गराउन नसक्नु, कृषकको बजारसँग प्रत्यक्ष पहुँच नहुँदा विचौलियाको हस्तक्षेप हुनु, नीतिगत रूपमा नगरपालिकाले प्राथमिकतामा राखेता पनि आवश्यक बजेट विनियोजन नहुनु, मत्स्य पालनमा कम ध्यान पुग्नु, मौरीपालन कृषकहरूले आवश्यक प्राविधिक सहयोग नपाउनु जस्ता समस्याहरू रहेका छन्।

पशुपंक्षी क्षेत्रको विकासमा कृषकलाई पशुपालन व्यवसाय तर्फ आकर्षण गर्नु, किसानहरूको पेशाप्रति निरन्तरता दिन प्रभावकारी रूपमा आवश्यक प्रोत्साहन र सहयोगका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नु, कृषकलाई घरदैलो सेवा

उपलब्ध गराउनु, वडागत सेवा केन्द्र तथा उपशाखाहरू स्थापना गर्नु, आवश्यक स्रोतहरूको स्थापना तथा विकास गर्नु, प्राङ्गारिक उत्पादनको लागि आवश्यक प्रविधि र स्रोत साधनको व्यवस्था गर्नु जस्ता चुनौतीहरू विद्यमान छन् ।

३.३.३ लक्ष्य

“पशुपंक्षी, मत्स्य तथा मौरी पालनलाई नाफामुलक व्यवसायको रूपमा विकास गर्ने”

३.३.४ उद्देश्य

१. पशुपंक्षी, मत्स्य तथा मौरी पालनको पकेट क्षेत्र घोषणा गरी उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्नु ।
२. कृषकहरूलाई पशुपंक्षी, मत्स्य तथा मौरी पालन क्षेत्रमा संलग्न हुन प्रोत्साहन गर्नु ।
३. पशुपंक्षी, मत्स्य तथा मौरी पालन व्यवसायलाई प्रविधियुक्त, व्यवसायिक र प्रतिस्पर्धी बनाउनु ।

३.३.५ रणनीति

१. नगरका १३ वटै वडालाई पकेट क्षेत्र घोषणा गर्ने ।
२. कृषकहरूलाई पशुपंक्षी र मत्स्य विकास क्षेत्रमा संलग्न हुन प्रोत्साहन गर्ने ।
३. पशुपंक्षी, मत्स्य तथा मौरी पालनको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्न यान्त्रिकीकरणमा जोड दिने ।

३.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|-------------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| व्यवसायिक पशुपंक्षीपालन फर्म | संख्या | १०० | १२५ | १७५ | २२५ |
| वार्षिक दुधको उत्पादन | मेट | २२ | २४ | २६ | २८ |
| वार्षिक मासु उत्पादन (खसी बोका, राँगा, सुँगुर, बंगुर, कुखुरा) | मेट | ७५ | ८० | ८२ | ८५ |
| वार्षिक अण्डा उत्पादन | गोटा हजारमा | ७ | १० | १२ | १४ |
| व्यवसायिक भैसीपालन फर्म | वटा | २५ | ३५ | ४५ | ४५ |
| व्यवसायिक गाईपालन फर्म | वटा | २५ | ३५ | ४५ | ४५ |
| व्यवसायिक बाखापालन फर्म | वटा | २५ | ३५ | ४५ | ४५ |
| व्यवसायिक माछापालन फर्म | वटा | २५ | ३५ | ४५ | ४५ |

३.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा पशुपंक्षी विकास सम्बन्धी उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|---------|----------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | २५०२२०२८ | ७५०६६०८ | १७५१५४२० | २२१८४४० | २१०८१९६७ | १७२९६२२ | |
| २०८१/८२ | २७६१९७४० | ८२८५९२२ | १९३३३८१८ | १९००३६८ | २३७७१४८० | १९४७८९२ | |
| २०८२/८३ | २९८८७८७६ | ८९६६३६३ | २०९२१५१३ | १६८८२५४ | २६१५२३४९ | २०४७२७३ | |

३.३.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---|---|-----------------------|----------|--|
| १ | बाखापालन पकेट क्षेत्र विकास | बाखापालन पकेट क्षेत्र विकास गर्नु | २०८०/०८१-२०८१/०८२ | २५४५०००० | वडामा बाखापालन पकेट क्षेत्र स्थापना भएको हुनेछ । |
| २ | पशुपंक्षी इकाई विस्तार र सेवा प्रवाह (नस्ल सुधार, पशु आहार, परजीवि नियन्त्रण) | पालिका क्षेत्रमा पशुपंक्षी इकाई स्थापना गर्नु | २०८०/०८१-२०८१/०८२ | १७५४५००० | नगरपालिकामा पशुपंक्षी विकास शाखाको विस्तार भएको हुनेछ । |
| ३ | व्यवसायिक पशुपंक्षी उत्पादन प्रवर्द्धन कार्यक्रम (खोर सुधार, पाडापाडी सहयोग) | पशुपंक्षी उत्पादन वृद्धि गर्नु | सालवसाली | १८५७५००० | पशुपंक्षीको उत्पादन वृद्धि भई निर्यात भएको हुनेछ । |
| ४ | पशुपंक्षी उपचार, प्रसार सूचना तथा प्रविधि हस्तान्तरण तथा नियमन कार्यक्रम | पशुपंक्षी पालन व्यवसायलाई व्यवसायिक गर्नु | सालवसाली | २०९५९६४५ | व्यवसायिक पशुपंक्षी पालनमा कृषकहरूलाई सहयोग भई आयवृद्धि भएको हुनेछ । |

३.३.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

पशुपालन व्यवसाय प्रवर्द्धनका लागि प्रविधि, पशु प्रसार, चरण क्षेत्र र आहार, पशुपंक्षी उपचार जस्ता विषयहरूलाई एकीकृत व्यवस्थापन गर्न नसकिएमा अपेक्षित नतिजा हासिल हुने जोखिम रहन्छ । तीनै तहका सरकारहरूबीच नीति, कार्यक्रमबीच सामाज्यस्यता, समन्वय र सहकार्यमा पूर्वाधार, प्रविधि तथा सीप विकास हुनेछ । वैदेशिक रोजगारबाट प्राप्त पूँजी पशुपंक्षीपालन व्यवसायमा परिचालन हुनेछ र पशु व्यवसायमा क्रियाशिल कृषकहरू र वेरोजगार युवाहरू पशुपालनमा आकर्षिक हुनेछन् ।

३.४ उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय

३.४.१ पृष्ठभूमि

नगरवासीको आर्थिक समृद्धि गर्नका लागि उद्योग क्षेत्रको विकास, विस्तार र प्रवर्द्धन गर्नु अपरिहार्य छ । यसको लागि स्वदेशी तथा वैदेशिक लगानी प्रवर्द्धनमा नगरपालिकाले जोड दिनुपर्दछ । सम्भव भएसम्म ठूला तथा मझौला, लघु तथा साना उद्योगमा नगरपालिकाले ध्यान दिनुपर्दछ । यस नगरपालिकामा सातवटा काष्ठ उद्योगहरू, तीन वटा ग्रील उद्योग, चार वटा जडिबुटी प्रशोधन केन्द्र, दुईवटा डेरी उद्योग, दुईवटा फलफुल तथा नर्सरी लगायत मौरीघार उद्योगहरू सञ्चालनमा रहेका छन् । त्यसैगरी व्यापार व्यवसाय अन्तर्गत किराना पसलहरू, होलसेल पसलहरू, तरकारी तथा फलफूल पसल, कपडा पसल, सुन चाँदी गहना पसल, सामान्य खालका होटेल तथा रेष्टुरेन्टहरू सञ्चालनमा रहेका छन् ।

घरेलु तथा साना उद्योग विकास कार्यक्रम मार्फत उद्यमीका लागि सीपमूलक तालिम, महिला उद्यमीलाई कर्जामा पहुँच लगायतका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्न आवश्यक छ । तसर्थ नगरपालिकाले नगरवासीहरूको उद्यमशीलताको विकासका साथै गरिवीको रेखामुनि रहेका युवा तथा महिला र वैदेशिक रोजगारीबाट फर्किएका

वा स्वदेशमा रोजगारी गुमाएका बेरोजगार व्यक्तिहरूलाई लघु उद्यम विकास कार्यक्रममार्फत लाभान्वित गराउनु अपरिहार्य छ ।

३.४.२ समस्या तथा चुनौति

उद्योग तथा व्यापार विस्तारका लागि प्रयाप्त प्रोत्साहनमा कमी, दक्ष जनशक्तिको कमी र पूँजी अभावले उद्योग तथा व्यवसायको विस्तारको गतिलाई कमजोर तुल्याएका कारण गुणस्तरीय एवं प्रतिस्पर्धी वस्तु तथा सेवा उत्पादन हुन सकेको छैन । मुलुकको आर्थिक तथा राजनीतिक परिस्थिति एवं महामारीका कारण उद्योग तथा व्यापार क्षेत्र नकारात्मक रूपमा प्रभावित हुने गरेको छ । औद्योगिक क्षेत्रको विकासका लागि आवश्यक योजना तयार भएका छैन भने सरकारी तवरबाट सहज वातावरण तयार हुन सकेको छैन । सरकारी कार्यालयहरूको कार्यसम्पादनमा ढिलासुस्ती, भन्कटिलो प्रक्रियाका कारण पनि नयाँ लगानी, उद्यमशीलता र व्यवसाय गर्ने वातावरणमा उल्लेख्य सुधार हुन सकेको छैन । व्यवसाय दर्ता, सञ्चालन तथा कर प्रणालीमा अभै प्रक्रियागत जटिलता कायम रहेको छ ।

आयातित वस्तुसँग प्रतिस्पर्धा गर्नु, उत्पादनमा गुणस्तरीयता कायम गर्नु, उद्योगमैत्री वातावरण निर्माण गर्नु, मौजुदा उद्योगहरूलाई रुग्ण हुनबाट जोगाउनु, उद्योगहरूमा आधुनिक प्रविधिको प्रयोग गर्नु यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीहरू हुन् । साथै स्थानीय स्तरमा लगानी गर्नु, स्थानीय पूँजी, सिप, र ज्ञानको उपयोग औद्योगिक क्षेत्रमा गर्नु, स्थानीय स्तरमा स्वरोजगार सिर्जना गर्नु र नविनतम प्रविधि एवम् वातावरणमैत्री उत्पादन प्रक्रिया प्रयोगमा ल्याउनु जस्ता चुनौतीहरू पनि यस क्षेत्रमा रहेका छन् ।

३.४.३ लक्ष्य

“उद्योग तथा व्यापार व्यवसायको प्रवर्द्धन गर्ने र आपूर्ति व्यवस्था सहज बनाउने”

३.४.४ उद्देश्य

१. उद्योग तथा व्यापार व्यवसायमैत्री वातावरणको निर्माण गर्नु ।
२. उत्पादनमूलक क्षेत्रमा युवा वर्गहरूको आकर्षण वृद्धि गर्नु ।

३.४.५ रणनीति

१. प्रतिस्पर्धी क्षमता र तुलनात्मक लाभ भएका र निर्यातजन्य वस्तु उत्पादन गर्ने उद्योगहरूको स्थापनामा प्रोत्साहन गर्ने ।
२. घरेलु उद्योगको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्ने ।
३. पूर्वाधारसहितको सुविधा सम्पन्न औद्योगिक ग्राम स्थापन गर्ने ।
४. स्थानीय स्रोत साधनमा आधारित थोरै पूँजीबाट छिटो प्रतिफल प्राप्त हुने लघु, घरेलु तथा साना उद्योगको प्रवर्द्धन गर्ने ।

३.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना र कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरणमा उल्लेखित आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएकोछ :

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|--|-----------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| नगरपालिकाभित्र स्थापना भएका थप घरेलु तथा साना उद्योग | संख्या | १० | १५ | २० | ३० |
| औद्योगिक क्षेत्रको प्रवर्द्धनमा नगरपालिकाको लगानी | रु हजारमा | २००० | ३००० | ४००० | ५००० |
| पुनर्स्थापना भएका साना तथा घरेलु उद्योग | प्रतिशत | ३ | ५० | ६० | ७० |
| औद्योगिक ग्राम | संख्या | ० | १ | ० | ० |

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|--------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| उद्योगको लागि आवश्यक भौतिक पूर्वाधार पुगेको बजार केन्द्रहरू | संख्या | ३ | ४ | ५ | ५ |

३.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा उद्योग तथा व्यापार उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|---------|----------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | १७८७२८७७ | ७९४९१५१ | १०७२३७२६ | १५८४६०० | १५०५८५४८ | १२२९७३० | |
| २०८१/८२ | १९९४७५९० | ७९७९०३६ | ११९६८५५४ | १३७२४८८ | १७९६८२९१ | १४०६८११ | |
| २०८२/८३ | २१८१००७२ | ८७२४०२९ | १३०८६०४३ | १२३१९६९ | १९०८४१४६ | १४९३९५६ | |

३.४.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---|---|-----------------------|----------|--|
| १ | औद्योगिक ग्राम स्थापना र उद्यम संचालन सहयोग | औद्योगिक ग्राम स्थापना गर्नु | २०८०/०८१-२०८१/०८२ | ९५५०००० | औद्योगिक ग्राम स्थापना भई उद्यम व्यवसायको शुरुवात भएको हुनेछ । |
| २ | लघुउद्यम सम्भावना अध्ययन र लघु घरेलु साना उद्योग प्रवर्द्धन कार्यक्रम | लघुउद्यमको सम्भावना अध्ययन गरी सीप वृद्धि गर्नु | सालवसाली | ३५०७३००० | नगरपालिकामा उद्यमहरूको अध्ययन भई प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रम संचालन भएको हुनेछ । |
| ३ | व्यापार व्यवसाय प्रवर्द्धन कार्यक्रम | व्यापार व्यवसाय प्रवर्द्धन गर्नु | सालवसाली | १५००७५३९ | नगरपालिकाको बजार र ग्रामीण क्षेत्रमा व्यापार व्यवसाय अभिवृद्धि भएको हुनेछ । |

३.४.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

लगानीमैत्री स्थानीय वातावरणको अभावले व्यापार व्यवसायमा आकर्षण नहुने जोखिमता रहन्छ । उद्योग व्यवसाय संचालनका लागि निश्चित पूर्वाधार जस्तै: विद्युत, सडक निर्माण नहुनाले लगानीकर्ताहरू उत्साही नहुन सक्छ । तीनै तहका सरकारले औद्योगिक विकासलाई महत्व दिनाले तीनै तहबीच नीति तथा कार्यक्रमगत सामञ्जस्यता, समन्वय र सहकार्यमा पूर्वाधार, प्रविधि तथा सीप विकास हुनेछ । वैदेशिक रोजगारबाट प्राप्त पूँजी उद्योग तथा व्यवसायमा परिचालन हुनेछ र वेरोजगार युवाहरू औद्योगिक रोजगारीमा आकर्षित हुनेछन् ।

३.५ पर्यटन तथा संस्कृति

३.५.१ पृष्ठभूमि

सडक संजालको विस्तारसंगै यस क्षेत्रमा रहेका ऐतिहासिक स्थल तथा प्राकृतिक मनोरमताले पर्यटन क्षेत्रको विकासको सम्भावना बोकेको छ । यस नगरपालिकामा आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटनका लागि गौथली गुफा आदिको विकासको सम्भावनाहरू रहेका छन् । पर्यटन क्षेत्रको विकासमा नगरपालिकाले आवश्यक पहल गरी स्थानीय स्तरमा रोजगारी र आयआर्जनको अवसर सिर्जना गर्न जरुरी छ ।

३.५.२ समस्या तथा चुनौति

मौसमी एवम् अस्थिर प्रकृतिको पर्यटकीय आगमन, अपर्याप्त पूर्वाधार तथा पर्यटकीय सेवा र पर्यटकीय क्षेत्रमा अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा यस क्षेत्रको पर्यटन विकासका प्रमुख समस्याहरू हुन् । पर्यटक स्तरीय होटल नहुनु, पर्यटकीय पूर्वाधारको कमी हुनु, राष्ट्रिय गुणस्तरको पर्यटन सेवा उपलब्ध नहुनु, पर्यटन गन्तव्य स्थल तथा सम्पदाको पहिचान र संरक्षण हुन नसक्नु, पर्यटकका लागि न्यूनतम मापदण्डका होटल नहुनु, आन्तरिक पर्यटन भित्र्याउने बजार नीतिको विकास नहुनु, यातायातको सहज उपलब्धता नहुनु आदि पर्यटन क्षेत्रका समस्याहरू हुन् ।

पर्यटकीय स्थलहरूमा भरपर्दो सूचना, सञ्चार तथा प्रविधिको व्यवस्था गर्नु, पदमार्गमा पर्यटकको सुरक्षाको पूर्ण सुनिश्चितता गर्नु, पर्यटन क्षेत्रका लागि आवश्यक जनशक्ति व्यवस्थापन गर्नु, पर्यटन क्षेत्रको विकासका लागि सार्वजनिक निजी साभेदारी कार्यक्रमलाई प्रभावकारी बनाउनु जस्ता चुनौतीहरू यस क्षेत्रमा रहेका छन् । आधुनिकतासंगै युवा वर्गमा पुरानो रैथाने भाषा, कला र सांस्कृतिक परम्पराका साथै ऐतिहासिक सम्पदाप्रति आकर्षण घट्दै जानु र विभिन्न विदेशी संस्कृतिको नक्कल र विकृति मौलाउँदै गएकोले यस नगरपालिकाभित्र रहेका ऐतिहासिक र धार्मिक क्षेत्रको समुचित संरक्षण र संवर्द्धनका लागि सबैभन्दा ठूलो चुनौति रहेको छ ।

३.५.३ लक्ष्य

”पर्यटनलाई आयमूलक एवं रोजगारमूलक क्षेत्रको रूपमा विकास गर्ने”

३.५.४ उद्देश्य

१. पर्यटन क्षेत्र र स्थानीय कृषि उत्पादनबीच सघन सहकार्य स्थापित गर्नु ।
२. पर्यटन पूर्वाधार र पर्यटकीय उपजको विकास र प्रवर्द्धन गर्नु ।

३.५.५ रणनीति

१. पर्यटन व्यवसायी र स्थानीय उत्पादकसंगको सघन सहकार्यलाई प्रोत्साहन गर्ने ।
२. पर्यटनको विकास र प्रवर्द्धनका लागि नीति निर्माण र संस्थागत योजना विस्तार गर्ने ।
३. स्थानीय, राष्ट्रिय र गैरआवासिय नेपाली लगानीकर्ताको लागि लगानीमैत्री वातावरण सिर्जना गर्ने ।
४. आकर्षक पर्यटकीय गन्तव्यहरूमा बाह्रै महिना पर्यटक जान सक्नेगरी आवश्यक पूर्वाधार विकास गर्ने ।
५. पर्यटनको विविधिकरण गर्ने ।

३.५.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना र कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरणमा उल्लेखित आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएकोछ :

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|--------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| पर्यटकीय क्षेत्रमा सिर्जना भएको रोजगारी | संख्या | १० | २० | ३० | ४० |
| पहिचान भएका पर्यटकीय गन्तव्य स्थल | वटा | २ | २ | २ | २ |
| पर्यटन क्षेत्रमा संलग्न व्यवसायिक संस्थाहरू | संख्या | १ | १ | १ | १ |

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|--|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| संचालनमा रहेका व्यवस्थित होमस्टे | संख्या | २ | २ | २ | २ |
| होटल तथा रेष्टुराँ व्यवसायीलाई कृषि उपज उपलब्ध गराउने कृषक | संख्या | १०० | १५० | २०० | २५० |
| पर्यटन क्षेत्रमा भएको लगानी | रु. लाख | ५०० | १००० | १५०० | २५०० |
| पर्यटन पवर्द्धन सम्बन्धी नीति | वटा | ० | १ | ० | ० |

३.५.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा पर्यटन तथा संस्कृति उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|---------|---------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कि.रु. | ला.रु. | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | १३५८३३८७ | ७४७०८६३ | ६११२५२४ | १२०४२९६ | ११४४४४९६ | ९३४५९५ | |
| २०८१/८२ | १४१९३४७८ | ७८०६४१३ | ६३८७०६५ | ९७६५७८ | १२२१५८९९ | १००१००० | |
| २०८२/८३ | १००९७२५५ | ५५५३४९१ | ४५४३७६५ | ५७०३५६ | ८८३५२५३ | ६९१६४६ | |

३.५.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---|---------------------------------------|-----------------------|----------|---|
| १ | पर्यटन पूर्वाधार विकास | पर्यटन पूर्वाधार विकास गर्नु | सालवसाली | १९११४०५० | आवधिक योजना र वार्षिक योजना अनुसार पर्यटन पूर्वाधार निर्माण भएको हुनेछ । |
| २ | धार्मिक पर्यटकीय क्षेत्र विकास | धार्मिक पर्यटकीय क्षेत्र विकास गर्नु | सालवसाली | ९७५८५२० | तोकिएको धार्मिक स्थलहरूको विकास गरी धार्मिक पर्यटनको आगमन बढेको हुनेछ । |
| ३ | पर्यटकीय क्षेत्र प्रचार प्रसार तथा नीति तर्जुमा | पर्यटकीय क्षेत्रको प्रचारप्रसार गर्नु | २०८०/०८१-२०८१/०८२ | ९००१५५० | नगरपालिकामा रहेका धार्मिक पर्यटकीय स्थलहरूको प्रचार प्रसार सामग्री तयार भई प्रकाशन प्रसारण भएको हुनेछ । |

३.५.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

आईपर्न सक्ने महामारी र राजनीतिक अस्थिरताले पर्यटन क्षेत्रको अपेक्षित नतिजा हासिल नहुने जोखिम रहन सक्दछ । अन्तर सरकार, नीजि क्षेत्र तथा नागरिक साभेदारीमा पर्यटन पूर्वाधार विकास, पर्यटन प्रवर्द्धन तथा सेवा सुविधाको विकास र विस्तार हुनेछ । वैदेशिक रोजगारबाट प्राप्त पूँजी पर्यटन व्यवस्था परिचालन हुनेछ र वेरोजगार युवाहरु पर्यटन व्यवसायमा आकर्षिक हुनेछन् । आन्तरिक पर्यटनको संख्या क्रमिक रुपमा वृद्धि भईरहेको र नेपालीहरु पनि आफ्नो देशका नयाँ नयाँ ठाउँहरुमा घुम्ने संस्कार विकास हुँदै आएकोले पर्यटन क्षेत्रले स्थानीय आर्थिक विकासमा टेवा पुग्ने अनुमान गर्न सकिन्छ ।

३.६ भूमी व्यवस्था, सहकारी तथा वित्तीय व्यवस्थापन

३.६.१ पृष्ठभूमि

नगरपालिकाको समग्र आर्थिक अभिवृद्धिको सन्दर्भमा पालिकाभिन्न रहेको भूमीको उपयुक्त व्यवस्थापनका साथै आर्थिक चलायमान गराउने सहकारीका साथै वित्तीय व्यवस्थापन क्षेत्रले महत्वपूर्ण भूमिका खेल्दछ। संविधानमा सहकारीलाई अर्थतन्त्रको तीन खम्बा मध्ये एक मानिएको छ। सहकारी क्षेत्रले छरिएर रहेको श्रम, सीप, प्रविधि र पूँजीलाई एकिकृत गरी उत्पादन र उत्पादकत्व बृद्धि गर्नुको साथै रोजगारी सिर्जना गर्दछ। यसबाट नगरपालिकाको अर्थतन्त्रमा योगदान पुग्न जान्छ। यस नगरपालिकामा विभिन्न किसिमका ४२ वटा सहकारी संस्थाहरू सञ्चालनमा रहेका छन्। ती मध्ये थोरै सहकारीहरू मात्रै क्रियाशील रहेका छन्। नगरपालिकाले सहकारी ऐन, २०७५ जारी गरी कार्यान्वयन गरे यता हालसम्म १२ वटा सहकारीहरू दर्ता भइसकेका छन्। सरकारी कारोबार गर्ने हिसाबले एउटा मात्रै एन.आई.सी. एशिया बैंक यस नगरपालिकामा रहेको छ। विभिन्न किसिमका पाँचवटा (एन.आई.सी. एशिया, किसान, छिमेक, लक्ष्मी र नार्डेप) लघु वित्तहरूले साना किसान तथा व्यवसायीहरूलाई वित्तीय पहुँच पुऱ्याउने गरी वित्तीय सेवा प्रदान गर्दै आएका छन्।

३.६.२ समस्या तथा चुनौति

सहकारी शिक्षा र चेतनाको विस्तार नहुनु, सहकारीहरू विशेषगरी बचत तथा ऋणको कारोबारमा सीमित हुनु, कतिपय सहकारी संस्थाहरू सहकारीको सिद्धान्त र मूल्य मान्यता अनुसार नचल्नु, दर्ता भएका सहकारी संस्थाहरूले उद्देश्य अनुसार कार्य गर्न नसक्नु, क' वर्गका बैंकहरू न्यून भएका कारण छिटो र छरितो किसिमले वित्तीय सेवा प्राप्त हुन नसक्नु, लघुवित्तबाट लिएको ऋणको सही ठाउँमा सदुपयोग गर्न नसक्दा ऋणीहरूले समयमा ऋणको सावाँ तथा ब्याज भुक्तानी गर्न नसक्नु, नगरपालिकाले सहकारी संस्थाहरूको क्षमता विकासका क्षेत्रमा प्रभावकारी कार्यक्रम सञ्चालन गर्न नसक्नु, अझै पनि सबै नागरिकहरूको वित्तीय क्षेत्रमा पहुँच पुग्न नसक्नु जस्ता समस्याहरू यस क्षेत्रमा विद्यमान छन्।

सहकारी सिद्धान्त, मूल्य मान्यता र सिद्धान्त अनुरूपको सहकारी संस्था संचालन गर्नु, सहकारी ऐनको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नु, सबै सहकारी संस्थाहरूलाई नगरपालिकामा दर्ता गराउनु, सहकारी संस्थाहरूसँग रहेको बचतलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी गर्नु, सबै नगरवासीहरूलाई सहज रूपमा वित्तीय सेवामा पहुँच पुऱ्याउनु जस्ता चुनौतीहरू यस क्षेत्रमा रहेका छन्।

३.६.३ लक्ष्य

"सहकारी तथा वित्तीय संस्थाहरूलाई उत्पादनमूलक क्षेत्रमा परिचालन गर्ने"

३.६.४ उद्देश्य

१. वित्तीय क्षेत्रमा नगरवासीहरूको पहुँच सुनिश्चित गर्नु।
२. नगरवासीहरूको बचतलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी गर्नु।
३. सहकारी क्षेत्रको प्रभावकारी नियमन र क्षमता विकास गर्नु।

३.६.५ रणनीति

१. वित्तीय संस्थाहरूलाई लक्षित वर्ग र समुदायको हितमा परिचालन गर्ने।
२. नगरवासीहरूको बचत गर्ने बानीको विकास गर्ने।
३. आवश्यक नीतिगत एवम् कानुनी व्यवस्था र संस्थागत संरचनाको व्यवस्था गर्ने।

३.६.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना र कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|--|-----------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| सहकारी तथा वित्तीय संस्थाहरुबाट लाभान्वित हुनेहरु | संख्या | १००० | १००० | १००० | १००० |
| सहकारीहरुबाट रोजगारी सिर्जना | संख्या | १०० | १०० | १०० | १०० |
| सहकारी संस्थाहरुको वचतमा भएको वृद्धि | प्रतिशत | १० | १० | १० | १० |
| एक सहकारी एक उत्पादनको अवधारणा अनुसार कार्य गर्ने सहकारी | संख्या | ५ | ७ | ९ | ११ |
| उत्पादन क्षेत्रमा भएको सहकारीको लगानी | रु करोडमा | १ | १.५ | २ | २.५ |

३.६.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा भूमि व्यवस्था तथा सहकारी उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|---------|---------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | ८५७८९८९ | ५१४७३८९ | ३४३१५९२ | ७६०६०८ | ७२२८१०३ | ५९०२७० | |
| २०८१/८२ | ९५९०१८८ | ५७५४११३ | ३८३६०७५ | ६५९८५० | ८२५३९८६ | ६७६३५२ | |
| २०८२/८३ | १०५०११४६ | ६३००६८७ | ४२००४५८ | ५९३१७० | ९१८८६६३ | ७९९३१२ | |

३.६.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---|------------------------------------|-----------------------|----------|---|
| १ | एक सहकारी एक उत्पादन कार्यक्रम | उत्पादन वृद्धि गर्नु | सालवसाली | ९३५३९०० | सहकारीको माध्यमबाट उत्पादन भएको हुनेछ । |
| २ | सहकारी क्षमता वृद्धि (पूर्वाधार निर्माण समेत) | सहकारीहरुको क्षमता विकास गर्नु | सालवसाली | ९५०९०६९ | समुदायका व्यक्तिहरुमा सहकारीको ज्ञान वृद्धि भई सहकारी अभियान संचालन हुनेछ । |
| ३ | सहकारी शिक्षा तालिम र प्रवर्द्धन कार्यक्रम (वित्तीय साक्षरता, क्षमता विकास) | सहकारी व्यवस्थापन सीप प्रदान गर्नु | सालवसाली | १००२३४५ | सहकारी मार्फत उत्पादित बस्तुको बजारीकरण भएको हुनेछ । |
| ४ | भूउपयोग नीति तर्जुमा र कार्यान्वयन | भूउपयोग नीति निर्माण गर्नु | २०८०/०८१-२०८१/०८२ | २५५००० | भूउपयोग नीति तर्जुमा भई कार्यान्वयन भएको हुनेछ । |

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|----------------------------|---|-----------------------|----------|--|
| ५ | भूमी व्यवस्थापन | पालिकाभित्र रहेको भूमी व्यवस्थापन गर्नु | २०८०/०८१-२०८१/०८२ | ८५५०००० | नगरपालिकाको नीति अनुसार भूमी व्यवस्थापन भएको हुनेछ । |

३.६.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

महामारी तथा प्रकोपले आर्थिक गतिविधिलाई चलायमान बनाउन जोखिम हुनेछ । नगरवासीहरूमा वित्तीय साक्षरताका अवसरहरू उपलब्ध हुनेछ । बैंक, वित्तीय संस्था एवम् सहकारी संस्थाहरू उत्पादनमूलक, व्यवसायमूलक कार्य तथा स्थानीय उत्पादनको बजारीकरण बढी क्रियाशिल हुनेछन् । यस्ता संस्थाहरूको खराब कर्जा न्यून जोखिम भएको हुनेछ ।

३.७ श्रम, रोजगारी तथा गरिबी निवारण

३.७.१ पृष्ठभूमि

नलगाड नगरपालिकाको वस्तुस्थिति विवरण २०७४/७५ अनुसार महिला २३२ जना र पुरुष ९७९ जना गरी कुल १,२२१ जना वैदेशिक रोजगारीमा गएका छन् । प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत आ.व. २०७६/७७ मा महिला २७३ जना र पुरुष ४८८ जना गरी कुल ७६१ जना, आ.व. २०७७/७८ मा महिला ६४९ जना र पुरुष १५६६ जना गरी कुल २,२७५ जना र आ.व. २०७८/७९ मा महिला ११७१ जना र पुरुष २२८१ जना गरी कुल ३४५२ जना सूचिकृत बेरोजगार रहेका छन् ।

श्रमिकको हक, हित तथा सुविधाको व्यवस्था, श्रमिक र रोजगारदाताको अधिकार तथा कर्तव्यको स्पष्ट व्यवस्था गरी असल श्रमको विकास गर्नु र श्रम शोषणको अन्त्य गरी आधारभूत पारिश्रमिकको सुनिश्चित गर्नु राज्यको कर्तव्य हो । बालबालिकाको कानून विपरीत श्रम शोषण गर्न नहुने कुराको बारेमा नगरपालिकाले विशेष नीति तथा कार्यक्रम सञ्चालन गर्नु पर्दछ । वैदेशिक रोजगारीमा जानेहरूको क्षमता विकास र विप्रेषणको सही सदुपयोगका क्षेत्रमा समेत नगरपालिकाको अहम भूमिका हुनु पर्दछ । सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम अन्तर्गत ज्येष्ठ नागरिक (७० वर्ष उमेर पुगेको) अन्य ज्येष्ठ नागरिक (दलित नागरिक), एकल महिला, विधवा, पूर्ण असक्त अपाभन्ता, अति अशक्त अपाभन्ता, लोपोन्मुख आदिवासी/जनजाति, पाँच वर्ष उमेर ननाघेका दलित बालबालिकाको लागि नेपाल सरकारले बार्षिक भत्ताको व्यवस्था गरेको छ । नेपाल सरकारका तर्फबाट नगरपालिकाले यस्ता लाभग्राहीहरूको विवरण अद्यावधिक गर्ने र मासिक भत्ता वितरणमा सहयोग गर्ने कार्य गर्दै आएको छ ।

३.७.२ समस्या तथा चुनौति

नगरपालिका भित्र उत्पादनशील रोजगारीका अवसरहरू सीमित हुनु, उच्चमशीलताको उत्प्रेरक वातावरण नहुनु, श्रमबजारको आवश्यकता र उपलब्ध सीपहरूबीच तालमेल नहुनु, समयमा ज्याला भुक्तानी दिन नसक्नु, श्रमिकहरू काममा खटाउँदा विवाद आउनु, श्रमिक काममा खटाउँदा वास्तविक लक्षित समुह भन्दा बाहिरको पनि छनौट हुनु, कार्यविधि तथा निर्देशिका विपरीत पनि कार्य सञ्चालन हुनु आदि यस क्षेत्रका मुख्य समस्याहरू हुन् ।

नगरपालिका भित्र तिव्र औद्योगीकरण गर्नु, श्रमशक्ति खपत गर्ने क्षमता बृद्धि गर्नु, आयोजनाहरू छनौट गर्दा ७ जना देखि १५ जनासम्मलाई कम्तिमा १०० दिन सम्म पुग्ने गरी गर्नु, आयोजना कार्यान्वयन गर्दा निर्देशिका, कार्यविधि तथा नगर कार्यपालिकाको निर्णयको पूर्ण पालना गरी गराउनु, समयमा ज्याला भुक्तानी गर्नु आदि श्रम तथा रोजगार क्षेत्रमा रहेका चुनौतीहरू हुन् । साथै आर्थिक क्षेत्रमा कोभिड महामारी र राष्ट्रिय रुपमा आर्थिक गतिविधिमा देखा परेको शिथिलताका कारण रोजगारीको क्षेत्र संकुचित भएको छ । औद्योगिक तथा निर्माण क्षेत्रको मागअनुसार श्रमिक स्थानीय बजारमा उपलब्ध नहुँदा वाह्य कामदारमा भर पर्ने अवस्था रहनु

र जनशक्ति विकासका लागि रोजगार र सीपमूलक मूलक तालिम र नयाँ प्रविधिको अनुकूल हुने गरी क्षमता विकासका अवसरहरुमा कमी रहेको छ ।

३.७.३ लक्ष्य

“नगरपालिका भित्रको सक्रिय श्रमशक्तिको लागि सम्मानजनक रोजगारीको वातावरण निर्माण गर्ने”

३.७.४ उद्देश्य

१. नगरपालिकाभित्र रहेको बेरोजगार तथा अर्धबेरोजगार जनशक्तिको क्षमता विकास गर्नु ।
२. वैदेशिक रोजगारीलाई सुरक्षित र व्यवस्थित बनाउनु ।

३.७.५ रणनीति

१. रोजगारी सृजनामा जोड दिने
२. श्रमिमको दक्षता वृद्धि गरी प्रतिस्पर्धी बनाउने ।
३. वैदेशिक रोजगारीलाई श्रमिकको हित अनुकूल सुरक्षित र व्यवस्थित बनाउने ।

३.७.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना र कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएकोछ :

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|--|-----------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| बेरोजगारी दर | प्रतिशत | ५५ | ४० | ३० | २५ |
| अर्धबेरोजगारी दर (१५ देखि ५९ वर्ष उमेरका) | प्रतिशत | ४५ | ४० | ३० | २५ |
| सार्वजनिक क्षेत्रमा रोजगारी सृजना | थप संख्या | १०० | १०० | १०० | १०० |
| नीजि क्षेत्रमा रोजगारी सृजना | थप संख्या | २०० | २०० | २०० | २०० |
| व्यवसायिक तालिम पाउनेहरु | संख्या | २०० | २०० | २०० | २०० |
| सहुलियत दरमा ऋण पाउनेहरु | संख्या | १०० | १०० | १०० | १०० |
| बेरोजगार सम्बन्धी अध्यावधिक प्रोफाइल | संख्या | १ | १ | १ | १ |
| वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका युवाहरु लक्षित तालिम पाउनेहरु | प्रतिशत | ७५ | ८० | ८५ | ९० |
| वैदेशिक रोजगारबाट फर्केकाहरु मध्ये स्वरोजगार वा रोजगारी सिर्जनमा लाग्नेहरु | प्रतिशत | २५ | ३५ | ४५ | ५५ |

३.७.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा श्रम तथा रोजगार उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहायअनुसार तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | बजेटको स्रोत (रु.) |
|-------------|-----------------|--------------------|
|-------------|-----------------|--------------------|

| | कुल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
|---------|----------|----------|----------|---------------|-------------|--------------|-------------|
| २०८०/८१ | २४३०७११३ | १०९३८२०१ | १३३६८९१२ | २१५५०५६ | २०४७९६२५ | १६७२४३३ | |
| २०८१/८२ | २६८५२५२५ | १२०८३६३६ | १४७६८८८९ | १८४७५८० | २३१११९६१ | १८९३७८४ | |
| २०८२/८३ | २९०८००९६ | १३०८६०४३ | १५९९४०५३ | १६४२६२६ | २५४४५५२८ | १९९१९४२ | |

३.७.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|--|---|--------------------------|----------|---|
| १ | प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम | विपन्न र पछाडी परेका समुदायको रोजगार सुनिश्चित गर्नु | २०८०/०८१- २०८१/०८२ | २५५४५००० | तथ्यांक अनुसार बेरोजगार रहेकाहरूले १०० दिनको रोजगार प्राप्त गरेको हुनेछ । |
| २ | मुख्यमन्त्री रोजगार कार्यक्रम | विपन्न र पछाडी परेका समुदायको रोजगार सुनिश्चित गर्नु | २०८०/०८१- २०८१/०८२ | १५४५८००० | तथ्यांक अनुसार बेरोजगार रहेकाले रोजगार प्राप्त गरेको हुनेछ । |
| ३ | रोजगार प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रम | बेरोजगारहरूलाई रोजगार उपलब्ध गर्नु | सालवसाली | ३५६८०२३४ | बेरोजगार र अर्धबेरोजगारहरूले रोजगार प्राप्त गरेको हुनेछ । |
| ४ | श्रमशक्ति सम्बन्धी अध्ययन र क्षमता विकास कार्यक्रम | क्षमता पहिचान गर्नु | सालवसाली | ३५५६५०० | श्रम शक्तिको अध्ययन भई पालिकामा सीप अनुसारको रोजगार सृजना हुनेछ । |

३.७.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

रोजगार प्रवर्द्धन नीति तथा कार्यक्रममा निरन्तरता नभएका अपेक्षा गरिएको नतिजा हासिल नहुने जोखिम रहेको छ । रोजगारी सम्बन्धी व्यावहारिक नीति तथा कार्यक्रम तर्जुमा भई कार्यान्वयन हुनेछ । नगरपालिकामा रोजगार सम्बन्धी अल्पकालीन, मध्यमकालीन र दीर्घकालीन योजना तर्जुमा र कार्यान्वयनका लागि बजेट विनियोजन हुनेछ ।

परिच्छेद ४ : सामाजिक क्षेत्र

यस परिच्छेदमा स्वास्थ्य, शिक्षा, खानेपानी, सरसफाई, महिला, बालबालिका र सामाजिक समावेशीकरण, युवा तथा खेलकुद जस्ता उप-क्षेत्रहरूको पृष्ठभूमि, समस्या तथा चुनौति, लक्ष्य, रणनीति, नतिजा खाका, त्रिवर्षीय खर्च तथा स्रोत अनुमान, आयोजना तथा कार्यक्रम र पूर्वानुमान तथा जोखिम पक्षहरू समावेश गरिएको छ।

४.१ जनस्वास्थ्य तथा पोषण

४.१.१ पृष्ठभूमि

स्थानीय सरकारको रूपमा पालिकाहरूले अधिकार पाएसँगै स्थानीय तहहरूले आफ्ना जनताहरूलाई स्वास्थ्य सुविधा प्रदान गर्नुपर्ने दायित्व आएको छ। यसका लागि संघ, प्रदेश र स्थानीय तहका सरकारबीच स्वास्थ्य सेवासम्बन्धी अधिकारको बाँडफाँट भएको छ। स्वास्थ्य सेवाका अवसरहरू सरकारी तथा निजी स्वास्थ्य संस्थामार्फत स्थानीयस्तरमा नै उपलब्ध हुनाले हालका दिनमा स्वास्थ्य सेवामा पहुँच, स्वस्थ जीवन शैली तथा पोषणको क्षेत्रमा सकारात्मक उपलब्धिहरू हासिल हुन थालेको छ।

यस नगरपालिकामा ५ वटा स्वास्थ्य चौकी, ७ वटा आधारभुत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र, ४ वटा आधारभुत सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा केन्द्र, ६ वटा वर्थिङ सेन्टर, र १ आयुर्वेदिक औषधालय रहेका छन्। साथै १५ शैयाको प्राथमिक अस्पताल निर्माणाधीन अवस्थामा रहेको छ। यसका अलावा ६ वटा DOTS केन्द्र, २ वटा माईक्रोस्कोपिक केन्द्र, ११ वटा गाउँघर क्लिनिक र २० वटा खोप क्लिनिक रहेका छन्। यी स्वास्थ्य संस्थाहरूमा स्थायी ३१ जना, स्थानीय श्रोतबाट करारमा ४० जना, अन्यबाट करारमा ८ जना गरि जम्मा ७९ जना स्वास्थ्यकर्मीहरू रहेको र महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहरू ४० को संख्यामा रहेका छन्।

यस नगरपालिकाको २०७७/०७८ को तथ्याङ्क अनुसार ६६ प्रतिशत गर्भवती महिलाहरूले स्वास्थ्य मापदण्ड अनुसार चार पटक स्वास्थ्य जाँच गराएको र ५४ प्रतिशतले दक्ष प्रसूतिकर्मीको सहयोगमा स्वास्थ्य संस्थामा गएर बच्चा जन्माएका थिए। यस नगरपालिकामा पाँच वर्ष मुनिका बालबालिकाहरूमा भ्रूण पखालाको संक्रमण दर प्रति हजारमा ७२३ रहेको छ। त्यसैगरी श्वासप्रश्वास संक्रमण (ARI) प्रति हजारमा ८२६ रहेको देखिन्छ। यहाँका ९० प्रतिशत बालबालिकाहरूले सबै प्रकारका खोप लिएको देखिन्छ, भने भिटामिन ए प्राप्त गर्ने बालबालिका ६८ प्रतिशत रहेको छ। ३२ प्रतिशत प्रजनन उमेरका महिलाले आधुनिक परिवार नियोजनका साधन प्रयोग गर्दछन्। प्रकोप तथा अन्य विपदका कारण हुने घाईतेहरूको उद्धार, प्राथमिक उपचार जस्ता आपतकालिन उपचारका लागि पनि पूर्व तयारी अवस्थामा रहनु पर्ने देखिन्छ। नगरपालिका अन्तर्गत सञ्चालनमा रहेका स्वास्थ्य संस्थाको भौतिक व्यवस्थापन, औषधी तथा स्वास्थ्य सामग्रीहरूको आपूर्ति, स्वास्थ्यकर्मीहरूको परिचालन तथा सूचना व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्य पनि शाखाबाट नै हुने गरेको छ। यसका अतिरिक्त नगरपालिका क्षेत्रमा संचालित सरकारी, निजी तथा अन्य सबै किसिमका स्वास्थ्य संस्थाहरूको अनुगमन तथा मूल्यांकनका साथै निजी क्षेत्रका संस्थाहरूलाई स्थापना तथा संचालन अनुमति दिने र उनीहरूको सेवाको गुणस्तर निर्धारणदेखि अनुगमन गर्ने जिम्मेवारी पनि नगरपालिका अन्तर्गत शाखालाई दिइएको छ।

४.१.२ समस्या तथा चुनौति

नगरपालिकाको स्वास्थ्य सेवा प्रवाह गर्ने क्षमता, उपलब्ध जनशक्ति, भौतिक पूर्वाधार, स्वास्थ्य उपकरण र प्राविधिक सामग्रीको व्यवस्थापनमा कमी रहेको छ। विश्वव्यापी रूपमा फैलिएको कोभिड १९ को महामारीका कारण नगरपालिकाको ध्यान सोको रोकथाम र नियन्त्रणका उपायमा केन्द्रित हुँदा यस अन्तर्गतका स्वास्थ्य संस्थाबाट प्रवाह हुने नियमित सेवाको गुणस्तर र प्रभावकारितामा पनि क्षयीकरण भएको छ। पालिकाको स्वास्थ्य नीति नबन्नु, स्वास्थ्य संस्थाहरूको भौतिक संरचना तथा पूर्वाधार सुधार गर्नु पर्ने, विद्यमान स्वास्थ्य चौकीहरू गुणस्तरीय मापदण्ड सहितको नहुनु, केहि स्वास्थ्य संस्था जस्तै भेरी किनारमा रहेका र वडा नं ११ र ३ का संस्था बाढीको जोखिममा रहनु, सबै वडामा स्वास्थ्य चौकी व्यवस्था नहुनु, सबै वडामा सुरक्षित प्रसूती सेवाको विस्तार गर्न नसक्नु, स्वास्थ्य संस्थाहरूमा खानपानीको व्यवस्था नहुनु, Pathology Lab को व्यवस्था नहुनु,

स्वास्थ्य संस्थाहरूमा पर्याप्त औजार तथा मेसिनहरू नहुनु, स्वास्थ्य सेवामा पर्याप्त मात्रामा दक्ष जनशक्तिको अभाव, LMIS तालिम प्राप्त स्वास्थ्यकर्मीको अभाव हुनु, स्वास्थ्य क्षेत्रमा पर्याप्त बजेट नहुनु, समयानुकूल पुनर्ताजगी तालिम नहुनु, स्वास्थ्य सेवा विपन्न, सिमान्तकृत तथा विशेष क्षमता भएका समुदायको पहुँचमा पुग्न नसक्नु, निःशुल्क तथा अत्यावश्यक औषधीको पर्याप्त मात्रामा सर्वयाम उपलब्ध नहुनु, अपांगता भएका व्यक्ति तथा महिलाहरू र जेष्ठ नागरिकहरूको स्वास्थ्य चौकीको पहुँचमा कमी, मानसिक स्वास्थ्यले कम प्राथमिकता पाएको, विपद् तथा महामारीको अवस्थामा आपतकालीन स्वास्थ्य सेवा विस्तार गर्न पूर्वाधार तयार नहुनु, प्रोटोकोल अनुसार ४ पटक गर्भ जाँचमा सुधार नहुनु जस्ता समस्याहरू प्रमुख रूपमा देखिएका छन् ।

स्वास्थ्य संस्थाहरूका लागि पर्याप्त जग्गा उपलब्ध नहुनु, नगरपालिकाका सबै क्षेत्र तथा समुदायमा सुलभ तथा सहज आधारभूत स्वास्थ्य सेवाको पहुँचमा वृद्धि गर्नु, भौगोलिक विकटताका कारण सबै स्वास्थ्य संस्थाहरूमा ईन्टरनेट नचल्ने भएको कारणले DHIS-2 लागू गर्नु, सबै वडामा स्वास्थ्य चौकी स्थापना गर्नु, गाउँघर क्लिनिकको सेवा लिने जनसंख्या वृद्धि गर्नु, स्वास्थ्य संस्थाहरूको सेवामा प्रभावकारिता र गुणस्तरियता वृद्धि गर्नु, स्वास्थ्य सेवालार्ई प्राथमिताका साथ बजेट वृद्धि गर्नु, विपन्न, सिमान्तकृत समुदाय तथा जेष्ठ नागरिकहरूमा स्वास्थ्य सम्बन्धी सचेतना जगाउनु, स्वास्थ्य विमाको दायरा विस्तार गरी सबैको पहुँचमा पुऱ्याउनु, स्वास्थ्य संस्थाहरूमा आधारभूत सुविधायुक्त (औजार/उपकरण, दक्ष जनशक्ति र पूर्वाधार) पुऱ्याउनु, कोभिड १९ का कारणले स्वास्थ्यका अन्य कार्यक्रमहरूमा बजेट व्यवस्थापन गर्न र कार्यक्रमहरू समयमै सञ्चालन गर्नु लगायत स्वास्थ्य संस्थाहरूलाई व्यवस्थापन र कर्मचारी व्यवस्थापन गर्नु जस्ता चुनौतिहरू देखिएका छन् ।

४.१.३ लक्ष्य

"नगरवासीको स्वास्थ्य तथा पोषणको अवस्थामा उल्लेख्य सुधार गर्ने"

४.१.४ उद्देश्य

१. आधारभूत स्वास्थ्य सेवा, गुणस्तरीय, भरपर्दो र सर्वसुलभ बनाउनु ।
२. आम नागरिकमा स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी सचेतना अभिवृद्धि गर्नु ।
३. महामारी लगायतको विपद्को अवस्थाको लागि जनस्वास्थ्य सेवा तयारी अवस्थामा राख्नु ।

४.१.५ रणनीति

१. स्वास्थ्य संस्थाहरूको भौतिक संरचना न्यूनतम मापदण्ड अनुरूप सुधार गरि उत्थानशालि बनाउने ।
२. स्वास्थ्य संस्थाहरूको संस्थागत क्षमता वृद्धि गर्ने ।
३. स्वास्थ्य सेवाको प्रभावकारी व्यवस्थापन र नियमन साथै स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी चेतना अभिवृद्धि गरी नागरिकहरूको स्वास्थ्य सम्बन्धी व्यवहारमा सुधार गर्ने ।
४. महामारी तथा विपद्का समय प्रभावकारी व्यवस्थापनका लागि एकीकृत उपायहरू अवलम्बन गर्ने ।

४.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार जनस्वास्थ्य तथा पोषण उपक्षेत्रको नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|--|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| स्वास्थ्य संस्थासम्म पुग्न लाग्ने अधिकतम समय | मिनेट | ४५ | ४५ | ३० | २० |
| स्वास्थ्य संस्थामा प्रसुती गराउने गर्भवती महिला | प्रतिशत | ६५ | ७५ | ८५ | ९५ |
| उत्थानशिल स्वास्थ्य संस्था (आयुर्वेदिक अस्पताल सहित) | संख्या | ५२ | ५४ | ५६ | ५९ |
| सबै प्रकारको खोप लिने बालबालिका | प्रतिशत | ७० | ८० | ९० | १०० |

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|--|------------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| वृद्धि अनुगमन गरिएका मध्ये कुपोषित बालबालिका | प्रतिशत | ६.५ | ५.५ | ४ | ३ |
| परिवार नियोजनका साधनको उपयोग दर | प्रतिशत | ४० | ६० | ७० | ८० |
| स्वास्थ्य बीमामा पहुँच पुगेको जनसंख्या | प्रतिशत | ४५ | ५५ | ६५ | ७५ |
| शवासप्रशवासजन्य संक्रमण दर | प्रति हजार | २५० | २०० | १५० | ५० |
| भाडापखाला संक्रमण दर | प्रति हजार | २५० | २०० | १५० | ५० |
| मापदण्डअनुसार चार पटक प्रसव पूर्व स्वास्थ्य/सेवा प्राप्त गर्ने महिला | प्रतिशत | ७५ | ८५ | ९० | ९५ |
| जंक फुड निषेधित विद्यालय | प्रतिशत | १५ | २५ | ३५ | ५० |
| विपद्का समयमा सेवा पाएकाहरुको संख्या | प्रतिशत | ५५ | ६५ | ७० | ७५ |
| महामारी संक्रमण नियन्त्रण दर | | | | | |
| स्वास्थ्य चौकी नभएका वडा | संख्या | ७ | ६ | ५ | ४ |
| वर्धिङ सेन्टर | संख्या | ८ | ११ | १२ | १३ |
| आधारभूत तहको प्रयोगशाला (Pathology Lab) | संख्या | २ | ३ | ५ | २ |
| भौतिक र प्राविधिक सुधार भएका स्वास्थ्य संस्था | संख्या | ५ | ५ | ५ | ५ |

४.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा स्वास्थ्य तथा पोषण उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहायअनुसार तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|----------|----------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | २४३०७११३ | १४५८४२६८ | ९७२२८४५ | २१५५०५६ | २०४७९६२५ | १६७२४३३ | |
| २०८१/८२ | २६८५२५२५ | १६११५१५ | १०७४१०१० | १८४७५८० | २३११११६१ | १८९३७८४ | |
| २०८२/८३ | २८६७६२०६ | १७२०५७२३ | ११४७०४८२ | १६१९८१२ | २५०९२११८ | १९६४२७६ | |

४.१.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|------------------------------|---|-----------------------|----------|---|
| १ | स्वास्थ्य संस्था भवन निर्माण | स्वास्थ्य सेवा सुलभ र प्रभावकारी बनाउन पूर्वाधार तयार गर्नु | २०८०/०८१-२०८२/०८३ | २७४८०००० | स्वास्थ्य सेवालाई सर्वसुलभ र प्रभावकारी बनाउने पूर्वाधार निर्माण भएको हुनेछ । |

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---|---|-----------------------|----------|--|
| २ | स्वास्थ्य विमा कार्यक्रम | नगरपालिकावासीको स्वास्थ्य उपचारको लागि स्वास्थ्य विमा गर्नु | सालवसाली | ७५२५००० | सर्वसाधारण नगरवासीले स्वास्थ्य विमाबाट लाभ लिएका हुनेछन् । |
| ३ | आधारभूत स्वास्थ्य प्रवर्द्धन कार्यक्रम | नगरपालिकावासीको आधारभूत स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्नु | सालवसाली | ९३००००० | नगरपालिकाका जनताले आधारभूत स्वास्थ्य सेवा वडा तह वा स्वास्थ्य संस्था लिएका हुनेछन् । |
| ४ | वर्धिङ्ग सेन्टर विस्तार | सुरक्षित सुत्केरी सेवा प्रदान गर्नु | २०८०/०८१-२०८२/०८३ | १९५२६००० | गर्भवति महिलाहरूले सुरक्षित सुत्केरी सेवा प्राप्त गरेका हुनेछन् । |
| ५ | क्षमता अभिवृद्धि तथा सुशासन कार्यक्रम | स्वास्थ्य क्षमता विकास र स्वास्थ्य सेवा प्रभावकारी गर्नु | सालवसाली | ६५००३४४ | स्वास्थ्यकर्मीको क्षमता विकास भई सेवा प्रवाह प्रभावकारी भएको हुनेछ । |
| ६ | आयुर्वेद तथा वैकल्पिक स्वास्थ्य कार्यक्रम | स्वास्थ्य सेवालार्इ विविधिकरण गरी स्वास्थ्यप्रति संवेदनशील बनाउनु | सालवसाली | ९५०४५०० | वैकल्पिक स्वास्थ्य सेवा प्राप्त गरेको हुनेछ । |

४.१.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

नगरपालिकाको प्रस्तावित कार्यक्रमको लागि संस्थागत सुदृढीकरण, पर्याप्त स्रोत विनियोजन, स्वास्थ्य सामाग्रीको उपलब्धता, जनशक्ति व्यवस्थापन, अन्तर सरकार र सरोकारवालाबीच समन्वय हुन नसकेमा अपेक्षित नतिजा हासिल नहुन सक्छ । स्वास्थ्य पूर्वाधार, प्रयोगशाला, औषधि र खोप व्यवस्थापनमा अन्तर निकाय तथा सरोकारवालाको सक्रिय सहभागिता, सहकार्य र साभेदारी हुन नसकेमा आईपर्न सक्ने विभिन्न महामारीले जनस्वास्थ्य तथा नगरवासीको सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति क्षय गर्न सक्ने जोखिम रहेको छ ।

४.२ शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि

४.२.१ पृष्ठभूमि

स्थानीय विकास र समृद्धिका लागि शिक्षाले महत्वपूर्ण भूमिका खेल्दछ । यस नलगाड नगरपालिकाका जम्मा ७३ विद्यालयहरू मध्ये ७१ वटा सामुदायिक र २ वटा संस्थागत विद्यालयहरू रहेका छन् । ७१ वटा सामुदायिक विद्यालयहरू मध्ये १० वटा माध्यमिक, ९ आधारभूत र ५२ वटा प्राथमिक विद्यालयहरू रहेका देखिन्छन् । नगरपालिकाका विभिन्न सामुदायिक विद्यालयमा शैक्षिक सत्र २०७८ को विद्यार्थीहरूको विवरण हेर्दा जम्मा ११,४४३ विद्यार्थीहरू रहेका देखिन्छन् । यी मध्ये प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्रमा १,२८९, कक्षा १ देखि ५ मा ५,४३३, कक्षा ६ देखि ८ सम्म २४१३, कक्षा ९ र १० मा १,५०३ र कक्षा ११ र १२ मा ८०५ विद्यार्थी रहेको देखिन्छ । यसका साथै विद्यालय बाहिर रहेका विद्यार्थी (Out of School Children) भने २७० रहेको देखिन्छ । नगरपालिकाले तयार गरेको पार्श्वचित्र अनुसार यस नगरपालिकाको साक्षरता दर ६६.३१ प्रतिशत रहेको छ । यस नगरपालिकाको विद्यार्थी भर्ना दर ६७ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । यस नगरपालिकामा ४८ वटा बालविकास केन्द्रको स्थापना गरी बालबालिकाहरूको पठनपाठनमा सहजीकरण भएको देखिन्छ । नलगाड नगरपालिकाको वडा नं. ४ को जनता प्रा.वि. पीपलचौरमा विशेष कक्षा सञ्चालन गरिएको छ र जसमा नलगाड नगरपालिका

क्षेत्रका अपांगता भएका २२ जना बालकालिकाहरूको लागि आवास सुविधा सहित अध्यापनको व्यवस्था गरिएको छ । यस विद्यालय अपांगमैत्री मापदण्ड अनुरूप भवन निर्माण भई र दिगो संरचनाका विकासको लागि विशेष कक्षा सञ्चालन सम्बन्धी कार्यविधि, २०७८ समेत पारित गरि लागू गरिएको छ । यस नगरपालिकामा शिक्षा संकाय अन्तर्गतको एक क्याम्पस रहेको जसमा स्नातक तहसम्मको पढाइ हुने गरेको छ । यसरी औपचारिक शैक्षिक संस्थाहरू बाहेक यस नगरपालिकामा दुई प्राविधिक शिक्षा प्रदायक संस्था समेत रहेका छन् ।

४.२.२ समस्या तथा चुनौति

यस क्षेत्रको मुख्य शैक्षिक समस्यामा शैक्षिक गुणस्तरको कमी र शिक्षामा सबै नागरिकको समान पहुँच हुन नसक्नु र विज्ञान तथा प्रविधिको क्षेत्रमा अनुसन्धान तथा आविष्कारका लागि प्रोत्साहनको कमी रहेको छ । शिक्षा संकाय बाहेक अन्य संकायको उच्च शिक्षाका लागि अवसर नहुने, सामुदायिक तथा शैक्षिक संस्था छरिएको कारण विद्यालयमा गरिएको लगानी सदुपयोग हुन नसक्नु, विद्यार्थीको अनुपातमा शिक्षकको वितरण हुन नसकेको, सामुदायिक विद्यालयहरूमा पर्याप्त जनशक्ति र उपयुक्त भौतिक पूर्वाधार लगायत आवश्यक पर्ने साधन स्रोतको व्यवस्थाको कमी, विद्यार्थीको रुची, आवश्यकता तथा अभिभावकको अपेक्षालाई शिक्षाका पाठ्यक्रममा समेट्न नसक्नु, १४ वटा विद्यालय जीर्ण अवस्थामा रहेको, ७ वटा माध्यमिक विद्यालयहरू मापदण्ड अनुसार बनाउन बाँकी रहेको, अरु विद्यालयहरूमा भौतिक सुधार, कक्षा कोठा थप तथा आधुनिक प्रविधि तथा इन्टरनेट सुविधा आदिको व्यवस्थापन नहुनु, उच्च शिक्षातर्फ सैद्धान्तिक ज्ञानको बोझ, अनुसन्धान तथा खोजमूलक सिकाइ प्रणालीको न्यूनता, योग्यता एवम् व्यवसायिक रूपमा दक्ष शिक्षकको अपर्याप्तताका कारण माध्यमिक विद्यालयमा विषय शिक्षक र आधारभूत विद्यालयमा कक्षा शिक्षकका व्यवस्था हुन नसक्नु, अनुगमनको कमी जस्ता मुख्य समस्याको रूपमा देखिएका छन् । यस बाहेक विभिन्न कारणले विचैमा विद्यालय छोड्ने संख्या पनि उच्च रहेको छ । यसरी बालबालिका विद्यालय नजानुको कारण विश्लेषण गर्दा गरिबीको कारण विभिन्न पेशामा लाग्नु वा रोजगारीको लागि बाहिर जानु, अपांगता, उमेर बढी, पढाइ र सिकाइमा साँढै कमजोरका साथै विभिन्न कारण मनोसामाजिक समस्या हुनु, विद्यालय टाढा हुनु, महिनावारी व्यवस्थापन सुविधा नहुनु जस्ता कारणहरू मुख्य समस्याको रूपमा देखिन्छन् ।

विद्यालय भर्ना दरमा वृद्धि गर्नु, विद्यालय छोड्ने दर शुन्यमा झार्नु, विद्यार्थी तथा शिक्षकका नियमिततामा पनि सुधार गर्नु, विद्यालयमा शिक्षाको गुणस्तर सुधार गर्नु, कार्यसंस्कृति एवम् अनुभवको व्यवहारिक प्रयोग गर्नु, सीमित स्रोत साधनबीरमा सञ्चालित सामुदायिक विद्यालयप्रतिको विश्वसनीयतालाई उल्लेखनीय रूपमा सुधार गर्नु, विद्यालय जाने उमेरका बालबालिका तथा अभिभावकहरूमा शिक्षाको महत्व जगाउनु, अन्ध विश्वासमा कमी ल्याउनु, विशेष गरी बालिकाहरूमा देखिने Mass Hysteria मा कमी ल्याउनु, मनोसामाजिक समस्याको समाधान गर्नु, विद्यालय व्यवस्थापन तथा अनुगमनलाई प्रभावकारी बनाउनु, जस्ता चुनौतीहरू रहेका छन् । जीवनउपयोगी एवं गुणस्तरीय शिक्षामा विपन्न, दलित, सीमान्तकृत र पिछडिएका समुदायहरूका लागि प्राविधिक शिक्षामा विशेष व्यवस्था गर्न सकिएको छैन । सामुदायिक विद्यालयहरूको शैक्षिक गुणस्तर र विद्यार्थीहरूको सिकाई उपलब्धी वृद्धिका लागि शिक्षक र अभिभावकबीच नियमित अन्तर्क्रिया र छलफलको अभाव रहेको छ ।

४.२.३ लक्ष्य

“राष्ट्रिय एवम् अन्तराष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने दक्ष जनशक्ति उत्पादन गर्ने”

४.२.४ उद्देश्य

१. शिक्षण संस्थाहरूलाई उत्थानशिल र आधुनिक बनाउनु ।
२. गुणस्तरीय, जीवनपर्यन्त एवं अनुसन्धानात्मक शिक्षामा नागरिकको पहुँच विस्तार गर्नु ।
३. प्राविधिक शिक्षा तथा व्यवसायिक तालिमको अवसर वृद्धि गर्नु ।

४.२.५ रणनीति

१. नगरपालिकाका सबै शिक्षण संस्थाहरूको संरचनागत, प्राविधिक, भौतिक अवस्थामा आवश्यक सुधार गर्ने,
२. माध्यमिक तहसम्मको शिक्षामा सबै बालबालिकाको पहुँच तथा निरन्तरताको सुनिश्चित गर्ने,
३. नगरपालिकाभित्र शैक्षिक गुणस्तर अभिवृद्धि सम्बन्धी कार्यक्रमहरूमा जोड दिने,
४. वयस्क शिक्षण पद्धतिमा समय सापेक्ष सुधार गर्ने,
५. हाल रहेको प्राविधिक शिक्षा प्रदायक संस्थाहरूको सुदृढीकरण गर्ने,
६. व्यवसायिक सीप विकास सम्बन्धी तालिम दिने संस्थाहरूसँग समन्वय तथा सहकार्य गर्ने ।

४.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना र कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|--|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| साक्षरता दर | प्रतिशत | ६६.३१ | ७० | ७५ | ८५ |
| आधारभूत तहमा उत्तीर्ण गर्ने विद्यार्थी | प्रतिशत | ४० | ५० | ७० | ९० |
| विद्यालय बाहेक समुदाय स्तरका बाल विकास केन्द्र | संख्या | ५ | ५ | ३ | ३ |
| विद्यार्थी भर्ना दर | प्रतिशत | ७० | ७५ | ८५ | ९५ |
| विद्यालय छाड्ने दर | प्रतिशत | ४० | ३० | २० | १० |
| वैकल्पिक कक्षा संचालन | संख्या | १० | १० | १० | १० |
| शिक्षा संकायका स्नातक तह उत्तीर्ण गरेको विद्यार्थी | संख्या | ४० | ४० | ८० | ८० |
| शिक्षण संस्था | संख्या | २ | ४ | ४ | ४ |
| प्राविधिक र व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त गरेका विद्यार्थी | संख्या | ४० | ८० | ८० | ८० |
| SEE उत्तीर्ण विद्यार्थी | प्रतिशत | ६५ | ७० | ७५ | ८० |
| ११ र १२ तह उत्तीर्ण | प्रतिशत | ६० | ६५ | ७० | ७५ |
| माध्यमिक तहसम्म पढाइ पूरा गरेका छात्रा | प्रतिशत | ४५ | ६५ | ७५ | ९५ |
| स्नातक तह उत्तीर्ण | संख्या | ४० | ४० | ८० | ८० |
| माध्यमिक तहसम्म पढाइ पूरा गरेका दलित, विपन्न तथा सिमान्तकृत छात्र छात्रा | प्रतिशत | ६० | ७० | ८० | ९० |
| इन्टरनेट र कम्प्यूटर सुविधा भएका विद्यालयहरू | संख्या | ३ | ३ | ३ | ३ |
| इन्टरनेट र कम्प्यूटर सुविधामा पहुँच भएका विद्यार्थी | प्रतिशत | २५ | ४० | ६० | ८० |
| अनलाइन कक्षामा पहुँच भएका विद्यार्थी | प्रतिशत | २५ | ४० | ६० | ८० |

४.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा शिक्षा उप-क्षेत्रको खर्च र सो स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको श्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|----------|----------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | बाह्य | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | ५३२६११७४ | ३१९५६७०५ | २१३०४४७० | ४७२२१०७ | ४४८७४४७२ | ३६६४५९५ | |
| २०८१/८२ | ५३७०५०५० | ३२२२३०३० | २१४८२०२० | ३६९५१५९ | ४६२२२३२२ | ३७८७५६८ | |
| २०८२/८३ | ५८५६४०८२ | ३५१३८४४९ | २३४२५६३३ | ३३०८०६६ | ५१२४४४६७ | ४०११५४९ | |

४.२.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएकोछ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---|---|-----------------------|----------|--|
| १ | विद्यालय भवन निर्माण | गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्नका लागि भवन निर्माण गर्नु | २०८०/०८१-२०८२/०८३ | ४९९५२००० | विद्यालयहरुमा नयाँ भवन निर्माण र पुराना भवनहरुको मर्मत भएको हुनेछ । |
| २ | विद्यालय शौचालय निर्माण | स्वच्छ वातावरणको लागि विद्यालयमा शौचालय निर्माण गर्नु | २०८०/०८१-२०८२/०८३ | १४५००००० | विद्यालयहरुमा छात्र छात्राहरुको लागि छुट्टा छुट्टै शौचालय निर्माण भएको हुनेछ । |
| ३ | इ तथा सार्वजनिक पुस्तकालय निर्माण | डिजिटल माध्यमबाट विद्यार्थीको सिकाई उपलब्धी अभिवृद्धि गर्नु | २०८०/०८१-२०८२/०८३ | ९०५०३० | छनोट भएका विद्यालयहरुमा डिजिटल माध्यमबाट कक्षा संचालन भएको हुनेछ । |
| ४ | अनौपचारिक तथा जीवनपर्यन्त सिकाई कार्यक्रम | जीवन उपयोगी शिक्षाको वातावरण तयार गर्नु | सालवसाली | ७५००७५० | जेष्ठ नागरिक र अन्य विज्ञहरुबाट जीवन पर्यन्त सिकाई सम्बन्धी ज्ञान आदानप्रदान भएको हुनेछ । |
| ५ | प्रारम्भिक बाल विकास कार्यक्रम | बाल मनोभावना उपयोगी शिक्षा प्रवर्द्धन गर्नु | सालवसाली | १४९००५५० | ३ वर्षदेखि ५ वर्षसम्मका बालबालिकाहरुका लागि गाउँघरमा विशेष कक्षा र बाल विकास सम्बन्धी क्रियाकलाप संचालन भएको हुनेछ । |
| ६ | आधारभूत शिक्षा कार्यक्रम | अनिवार्य शिक्षा कार्यान्वयन गर्नु | सालवसाली | ८८०६६०० | नगरपालिकाका विद्यालय जाने उमेरका बालबालिकाहरु अनिवार्य विद्यालय गएको हुनेछ । |

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|-----------------------------------|---|-----------------------|----------|--|
| ७ | माध्यमिक शिक्षा कार्यक्रम | माध्यमिक तहको सिकाई उपलब्धी वृद्धि गर्नु | सालवसाली | ९८०८५०० | माध्यमिक शिक्षालाई व्यवसायिक र सीपमूलक रुपमा संचालन भएको हुनेछ। |
| ८ | प्राविधिक छात्रवृत्ति कार्यक्रम | प्राविधिक धारको शिक्षालाई नगरपालिकाले पहल गर्नु | २०८०/०८१-२०८१/०८२ | ८९००७७५ | नगरपालिकाका जेहेन्दार विद्यार्थीलाई प्राविधिक शिक्षा आर्जनका लागि छात्रवृत्तिको व्यवस्था भएको हुनेछ। |
| ९ | कला तथा भाषा प्रवर्द्धन कार्यक्रम | कला भाषा तथा साहित्यको जगेर्ना गर्नु | सालवसाली | ४८०६०४५ | नगरपालिकाभित्र रहेका कला, भाषा र ऐतिहासिक धरोहरहरूको संरक्षण भएको हुनेछ। |
| १० | अन्य सालवसाली कार्यक्रम | गुणस्तरीय शिक्षाको वातावरण तयार गर्नु | सालवसाली | ४५४५००५५ | गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गरी सभ्य नागरिक बनाउन सहयोग गरेको हुनेछ। |

४.२.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

शैक्षिक पूर्वाधारका लागि स्रोत र साधनको उपलब्धता, शिक्षकहरूको पठनपाठनमा लगनशीलता र अभिभावकको शैक्षिक गुणस्तर सुधारमा सहभागिताको कमीले गर्दा निश्चित उपलब्धी प्राप्तमा जोखिम रहन्छ। सङ्घीय शिक्षा ऐन तथा नियमावली जारी एवम् समयानुकूल परिमार्जन भएको हुनेछ। शैक्षिक क्षेत्रमा नविनतम विधि तथा प्रविधिको उपयोग भएको हुनेछ। शैक्षिक क्षेत्रमा पर्याप्त पूर्वाधार विकास, आवश्यक जनशक्ति व्यवस्था, क्षमता विकासका अवसर, नवीनतम प्रविधिको उपयोग, अन्तर सरकार सहयोग र सहकार्य र सरोकारवाला बीचको समन्वय, सहकार्य र साभेदारीको विकास जस्ता पक्षमा ध्यान पुगेमा अपेक्षित नतिजा हासिल हुने देखिन्छ। स्थानीय समुदायले शिक्षाको महत्व बुझेसँगै छोरीलाई शिक्षा आर्जनमा अनिवार्य सहभागिता गराएमा र पछाडी परेका समुदायका बालबालिकाहरूलाई विद्यालय भर्नामा विशेष व्यवस्थाले शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित हुनेछ।

४.३ खानेपानी तथा सरसफाई

४.३.१ पृष्ठभूमि

नगर क्षेत्रमा खानेपानी तथा सरसफाईको क्षेत्रमा उल्लेख्य पहल भएका छन्। मानव जीवनको लागि अत्यावश्यक सेवामा खानेपानी तथा सरसफाई पर्दछ। आधारभूत खानेपानी तथा सरसफाई सबै नगरवासीलाई उपलब्ध गराउनु नगरपालिकाको दायित्व हो। यस नगरपालिकामा रहेका कुल ५१०२ घरधुरी मध्ये ६५ प्रतिशत घरधुरीले पाइपबाट वितरण हुने पानीको उपभोग गरेको देखिन्छ भने ३५ प्रतिशत घरधुरीले अभैपनि वर्षातको पानी संकलन, मूलको पानी जस्तै ट्युबवेल/हेण्डपम्प, इनार/कुवा, खोला/नदीको पानी उपभोग गर्दै आएको छ। नगरपालिकामा अधिकांश घरपरिवारमा वितरित खानेपानीको सुविधा पुगेको देखिँदैन। यसै सन्दर्भमा नगरपालिकाले एक घर एक धाराको नीति अनुरूप धारा वितरण कार्य भने केही प्रतिशत घरधुरी मात्र समेट्न सकेको देखिन्छ।

यस नगरपालिका खुला दिशामुक्त घोषणा भइसकेको छ र सबै घरपरिवारमा कच्ची वा पक्की शौचालयको सुविधा भएको देखिन्छ। कोभिड महामारी पश्चात भने सबैमा हात धुने बानीको विकास हुनुका साथै घर आँगन सरसफाई गर्ने परिपाटीको विकास भएको छ।

४.३.२ समस्या तथा चुनौति

आधारभूत तहको खानेपानीको सुविधा नगरबासीमा पुगेको भएतापनि खानेपानीको गुणस्तर कायम हुन सकेको छैन। यस नगरपालिकाका ६५ प्रतिशतले पाईप धाराको पानी उपयोग गरेको भएतापनि एक घर एक धाराको नीति अनुरूप करिब २५ देखि ३० प्रतिशत घरधुरी मात्र समेट्न सकेको, अझै ७० प्रतिशत घरधुरीमा धारा वितरण हुन बाँकी रहेको, धेरै बडामा खानेपानीको असुविधा रहेको, बाढी र पहिरोले पाईपलाईन क्षति गरेको, बाटो खन्ने जस्ता निर्माण कार्यमा समेत पाईपलाईन क्षति भएको, केहि पाईपलाईन २०/२५ वर्ष पुराना भएको कारण मर्मत गरिनु पर्ने अवस्थामा रहेको, पानीका मुहान सुक्दै गएको, कुवा तथा इनार मर्मत गर्नुपर्ने अवस्था, भिरालो जमिन तथा मुहान टाढा भएको कारण Lifting गर्नुपर्ने अवस्था रहेको, खानेपानी तथा सरसफाईको लागि पर्याप्त बजेट विनियोजन नभएको, आफ्नो घरआँगन सफा राखेतापनि फोहरमैलाको उचित व्यवस्थापनमा कठिनाई आदि खानेपानी तथा फोहोरमैला व्यवस्थापनका प्रमुख समस्याहरु हुन्।

खानेपानीको गुणस्तर सुनिश्चित गर्ने प्रशोधन संयन्त्रको कमी रहेको छ। क्रमिक रूपमा वस्तीहरु अर्धशहरीकरण उन्मुख भईरहेको कारण खानेपानी तथा सरसफाईसँग सम्बन्धित सेवाहरुको माग बढदै गएको छ। नगरपालिकाको बजेट तथा कार्यक्रमको प्राथमिकता सडक पुल जस्ता भौतिक पूर्वाधारको तुलनामा खानेपानी तथा सरसफाई जस्ता सामाजिक पूर्वाधारमा तुलनात्मक रूपमा कम हुने गरेको छ। भिरालो जमिन र छरिएको वस्तीका कारण खानेपानी सर्वसुलभ गराउनु मुख्य चुनौती बन्न पुगेको छ।

४.३.३ लक्ष्य

“गुणस्तरीय र सर्वसुलभ खानेपानी तथा सरसफाई सेवाको पहुँच विस्तार गर्ने”

४.३.४ उद्देश्य

१. स्वच्छ र गुणस्तरीय खानेपानीको सुविधा विस्तार गर्नु।
२. सामुदायिक सहभागितामा सरसफाईको अवस्था सुधार गर्नु।

४.३.५ रणनीति

१. वृहद खानेपानी योजना अन्तर्गत एक घर एक धारा अभियान संचालन गर्ने।
२. खानेपानीका मुहान तथा स्रोतहरुको संरक्षण तथा संवर्द्धन गर्ने।
३. सरसफाईलाई उच्च प्राथमिकता दिई कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।

४.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| गुणस्तरीय र सर्वसुलभ खानेपानीको सुविधामा पहुँच भएको घरधुरी वा जनसंख्या | प्रतिशत | ७५ | ८५ | ९० | ९५ |
| एक घर एक धारा अनुरूप खानेपानीका लागि धारा मार्फत नियमित सेवा पाएका घरधुरी | प्रतिशत | ४५ | ६५ | ७५ | ८५ |
| वडास्तरीय खानेपानी योजना | संख्या | १३ | १३ | १३ | १३ |

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| मर्मत भई नियमित पानी वितरण भएका पाईप लाईन | संख्या | ३ | ३ | ३ | ३ |
| सूचीकृत गरिएका नगरपालिका भित्रका मुहान तथा स्रोतहरु | संख्या | ५ | ५ | ५ | ५ |
| फोहर मैला वर्गिकरण गरी व्यवस्थापन गर्ने घरधुरी | प्रतिशत | २० | ४० | ६० | ७० |
| संरक्षित गरिएका पानीका स्रोत र मुहान | संख्या | ५ | ५ | ५ | ५ |
| फोहर संकलन केन्द्र | संख्या | २ | ५ | ८ | ११ |

४.३.७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा खानेपानी सरसफाई उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको श्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|----------|----------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | जाल | पूजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | ३१४५६२६४ | १८८७३७५८ | १२५८२५०६ | २७८८८९६ | २६५०३०४४ | २१६४३२५ | |
| २०८१/८२ | ३४५२४६७५ | २०७१४८०५ | १३८०९८७० | २३७५४६० | २९७१४३५० | २४३४८६५ | |
| २०८२/८३ | ३८३६९५७१ | २३०२१७४३ | १५३४७८२८ | २१६७३५३ | ३३५७३९६१ | २६२८२५६ | |

४.३.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---------------------------------------|--|-----------------------|----------|--|
| १ | स्वच्छ खानेपानी योजना (एक घर एक धारा) | नगरपालिकाका घरधुरीमा शुद्ध खानेपानीको व्यवस्था गर्नु | २०८०/०८१-२०८१/०८२ | ३४५४०००० | सबैको घरमा शुद्ध खानेपानीको व्यवस्था भएको हुनेछ । |
| २ | सबै घरमा शौचालय निर्माण | स्वच्छ र सफा वातावरणका लागि नगरपालिकाका सबै घरधुरीहरुमा शौचालय निर्माण गर्नु | सालवसाली | १८४०३२७० | नगरपालिकाका सम्पूर्ण घरहरुमा व्यवस्थित शौचालय निर्माण भएको हुनेछ । |
| ३ | खानेपानी तथा सरसफाई कार्यक्रम | जनचेतनामूलक कार्यक्रम संचालन गर्नु | सालवसाली | ७४००७५० | सरसफाई सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि भएको हुनेछ । |

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---|-------------------------------------|-----------------------|----------|--|
| ४ | खानेपानी मुहान तथा निकास मर्मत सम्भार, उपभोक्ता समितिको क्षमता विकास र नीति तर्जुमा | खानेपानी प्रणालीलाई व्यवस्थित गर्नु | सालवसाली | ३२५००९९० | नगरपालिकामा शुद्ध खानेपानी वितरण भएको हुनेछ। |
| ५ | बजार क्षेत्र सरसफाई कार्यक्रम | बजार क्षेत्र सफा हराभरा गर्नु | सालवसाली | ११५०५५०० | सफा नगरपालिकाको पहिचान भएको हुनेछ। |

४.३.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

जलवायु परिवर्तनबाट खानेपानीको स्रोतमा पर्ने नकारात्मक प्रभाव, खानेपानीको स्रोत र वितरण प्रणालीमा उचित व्यवस्थापनको अभाव र प्रदूषण आदिलाई खानेपानी तथा सरसफाई सम्बन्धी अपेक्षित उपलब्धि हासिल गर्ने जोखिम पक्षको रूपमा आँकलन गरिएको छ। मध्यमकालीन खर्च संरचनामा प्रस्ताव गरे अनुसार बजेट सुनिश्चितता भई आयोजना संचालन तथा मर्मतसंभार र स्तरोन्नति भएमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुने देखिन्छ।

४.४ महिला, बालबालिका तथा सामाजिक समावेशीकरण

४.४.१ पृष्ठभूमि

नगरपालिकाले समानुपातिक, समावेशी र न्यायोचित स्रोत वितरणका लागि लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरणको क्षेत्रमा वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्ने अभ्यासलाई निरन्तरता दिई रहेको छ। यस नगरपालिकामा पुरुषको तुलनामा महिलाको सामाजिक तथा आर्थिक अवस्था कमजोर देखिन्छ। अधिकार, सम्पत्ति, अवसरमा महिलाको तुलनामा पुरुषको पहुँच बढी रहेको छ। अझै पनि विभिन्न अन्धविश्वासका कारण छोरीलाई भन्दा छोरालाई महत्व दिने परिपाटी भने कायम नै रहेको देखिन्छ। जनयुद्धपछि भने महिलाको सामाजिक सचेतनामा धेरै वृद्धि भएको र महिलाहरूको गतिशिलता र सहभागितामा वृद्धि भएको देखिन्छ। महिला हिंसा र भेदभाव तथा महिनावारीमा गरिने छुवाछुतमा भने धेरै मात्रामा न्यूनीकरण भएको देखिन्छ। महिलाहरू विभिन्न आर्थिक उपार्जनका काम तथा सहकारीहरूमा संलग्न भई उपलब्धी गरेका देखिन्छन्। यसका साथै विभिन्न स्थानीय स्तरका समिति, उपभोक्ता समितिहरूमा महिलाहरूको ३३ प्रतिशत सहभागिता देखिन्छ। साथै पहिलो स्थानीय चुनावमा पनि कोटा अनुसार महिलाहरूको सहभागिता प्रावधान गरे अनुरूप नै देखिन्छ। तथापि, ती विभिन्न समितिहरूमा भने महिलाको नेतृत्व देखिदैन। स्थानीय स्तरको न्यायिक समिति तथा महिलाले नेतृत्व गर्ने प्रावधान रहेका समितिहरू बाहेक अन्य समिति तथा उपभोक्त समितिहरूमा महिलाको नेतृत्व भने देखिदैन।

यस नगरपालिकाको कुल जनसंख्याको ४७ प्रतिशत जनसंख्या १८ वर्ष मुनिका बालबालिकाको रहेको देखिन्छ। यी मध्ये ८३ प्रतिशत बालबालिका सार्वजनिक विद्यालयमा अध्ययनरत देखिन्छन्। बालबालिकाहरूको स्वास्थ्य अवस्था विश्लेषण गर्दा अझै पनि ९० प्रतिशतले मात्र पूर्ण खोप लिएको अवस्था रहेको छ भने विद्यालय भर्ना दर ६७ प्रतिशत मात्र रहेको देखिन्छ। बालबालिकाहरूको १८ वर्ष उमेर पुरा नभई विवाह भएको देखिन्छ। अति गरिब घरपरिवारमा बालक तथा बालिकाहरू रोजगारीका लागि शहरी क्षेत्रहरू जस्तै: सुर्खेत, नेपालगञ्ज हुँदै भारतसम्म पुगेको अवस्था छ।

यस नगरपालिकाको कुल जनसंख्याको ४.५ प्रतिशत जनसंख्या ६० वर्ष माथिका छन् जसमध्ये ४८ प्रतिशत ७० वर्ष भन्दा माथिका जेष्ठ नागरिक रहेका छन् । यसका साथै नगरपालिकामा ३०७ द्वन्द्व प्रभावित परिवारहरु रहेका छन् ।

४.४.२ समस्या तथा चुनौति

नगरपालिकामा महिला, बालबालिका र लक्षित वर्गमैत्री पूर्वाधार, नीति, नियम र संरचनाको कमी रहेको छ । नेतृत्वमा महिलाको सहभागिता प्रभावकारी नदेखिनु, योजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयनमा महिलाहरुको अर्थपूर्ण सहभागिता नदेखिनु, छोरा छोरी बीचको भेदभाव कम हुँदै गएता पनि छोरी र बुहारी बीचको विभेद कायम रहनु, श्रमिकहरुको ज्यालामा विभेद कायम रहनु, महिलाहरुको कार्यबोझमा कमी नहुनु, महिलामा मानसिक हिंसा अत्याधिक हुनु जस्ता मुख्य समस्या रहेका छन् ।

बालबालिकाहरुको सन्दर्भमा नैतिक शिक्षाको अभाव, प्रविधिको अधिक प्रयोगले बालबालिकाहरुमा एकोहोरोपना देखिएको र सामाजिक कार्यमा कम सहभागिता हुनुका साथै उमेर नपुगी विवाह गर्ने, विभिन्न कारण विचमै विद्यालय छोड्ने, त्यसैगरी बाल अधिकार र कर्तव्य बीच असन्तुलन देखिने, कामकाजी अभिभावक भएका बालबालिकाहरुको उचित व्यवस्थापन नहुने जस्ता समस्याहरु बालबालिकाका क्षेत्रमा रहेका छन् ।

समाजमा जेष्ठ नागरिकहरुलाई उचित सम्मान हुन नसक्नु, सबै प्रकारका अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुले उचित सम्मान पाउन नसकेको, अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुको शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगारीका अवसरमा पहुँच नहुनु, शिक्षा तथा स्वास्थ्यका संरचना अपाङ्गमैत्री नहुनु, दलित बालबालिकाहरुको पोषण र शिक्षामा पहुँच कम हुनु जस्ता समस्याहरु रहेका छन् । त्यसैगरी समाजमा विद्यमान छुवाछुत तथा अन्य कुरीतिप्रथा कायमै रहनु र अन्धविश्वास कायमै रहनु पनि यहाँका सामाजिक समस्याहरु हुन् ।

नगरपालिकाभित्र महिला उद्यमशिलताका लागि लगानी मैत्री वातावरण सिर्जना गर्नु, महिला, बालबालिका, सिमान्तकृत, युवाहरुको सहभागिता अर्थपूर्ण बनाउनु, महिला, बालबालिका, सिमान्तकृत समुदायहरुलाई नेतृत्वदायी भूमिकामा पुऱ्याउनु, समाजमा विद्यमान छुवाछुत तथा अन्य कुरीतिहरुलाई उल्लेख्य मात्रामा घटाउनु यस क्षेत्रको प्रमुख चुनौतीहरु हुन् ।

४.४.३ लक्ष्य

“महिला, बालबालिका, अपाङ्गता भएका, जेष्ठ नागरिक तथा सिमान्तकृत समुदायहरु विरुद्ध हुने सबै प्रकारका विभेद, हिंसा र शोषण अन्त्य गर्ने”

४.४.४ उद्देश्य

१. महिला, बालबालिका, अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरु, जेष्ठ नागरिक तथा सिमान्तकृत समुदायहरुको समग्र अधिकारको संरक्षण तथा प्रवर्द्धन गर्नु ।
२. महिला, बालबालिका, अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरु, ज्येष्ठ नागरिक तथा सिमान्तकृत समुदायहरु मैत्री वातावरण सिर्जना गर्नु ।

४.४.५ रणनीति

१. नगरपालिकामा लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट र शासन व्यवस्थालाई संस्थागत गर्दै महिलाको सम्मानित जीवनयापनको वातावरण सुनिश्चित गर्ने ।
२. सबै प्रकारका विभेद, हिंसा, उत्पीडन, शोषणबाट सबै प्रकारका (विपन्न परिवारका, अपाङ्गता भएका, असहाय, अनाथ, विशेष संरक्षणको आवश्यकता भएका) बालबालिका तथा किशोरकिशोरीलाई उचित संरक्षण गर्ने ।
३. ज्येष्ठ नागरिकको लागि हेरचाह, स्याहार सुसार र उपयुक्त वातावरण सिर्जना गर्ने ।

४. सबै प्रकारका अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुको हक अधिकार संरक्षण गर्न आवश्यक नीति निर्माण गरी प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने ।
५. महिलाहरुको उच्चमशीलता विकास गर्ने ।
६. बालमैत्री तथा किशोरकिशोरीमैत्री वातावरणको विकास गर्ने ।
७. ज्येष्ठ नागरिकको सुरक्षा र सहजताको लागि सामाजिक सुरक्षा सेवा वृद्धि गर्ने ।
८. अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुको सार्वजनिक सेवामा सहज पहुँच बढाउने ।

४.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम र आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|--|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| घरेलु तथा लैंगिक हिंसा, विवाद लगायतको घटना (वार्षिक) | संख्या | १५ | १५ | १० | ५ |
| महिला, बालबालिका, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, जेष्ठ नागरिक तथा सिमान्तकृत विरुद्धका विभेदका दर | प्रतिशत | ४० | ३० | २० | १० |
| नगरपालिकाको लैंगिक उत्तरदायी बजेटको अंश | प्रतिशत | २० | ३० | ४० | ५० |
| नीति निर्माण र योजना तर्जुमा प्रक्रियामा महिला सहभागिता | प्रतिशत | ३३ | ४० | ४५ | ५० |
| रोजगारीमा महिला सहभागिता | प्रतिशत | २० | ३० | ४० | ५० |
| निर्णय प्रक्रियामा महिलाको सहभागिता तथा नेतृत्व | प्रतिशत | ३३ | ४० | ४५ | ५० |
| संरक्षित बालबालिका | संख्या | ५० | ५० | ५० | ५० |
| निर्माण भएका बालउद्यान | संख्या | ३ | ३ | ३ | ३ |
| बालमैत्री स्थानीय शासन लागू भएको वडा | संख्या | २ | ४ | ६ | ८ |
| व्यवसाय तथा उद्योगमा संलग्न महिलाको दर | प्रतिशत | २० | ३० | ४० | ५० |
| सहूलियत कार्ड पाएका ज्येष्ठ नागरिक | प्रतिशत | ६० | ७० | ८० | ९० |
| विशेष स्वास्थ्य कार्यक्रममा पहुँच भएका जेष्ठ नागरिक | प्रतिशत | ६० | ७० | ८० | ९० |
| सार्वजनिक सेवाका नीतिनिर्माणका पदहरुमा रहेका महिला (कुल कर्मचारीहरु मध्ये महिलाको प्रतिशत) | प्रतिशत | २० | ३० | ३० | ४० |
| अपाङ्गता भएका व्यक्तिको नेतृत्वमा संचालित कृषि व्यवसाय तथा उद्योग | प्रतिशत | ५ | १० | १५ | २० |

४.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा महिला, बालबालिका तथा समावेशीकरण उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको श्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|----------|---------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कर्म | बालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | १४२९८३०२ | ८५७८९८१ | ५७९३३२१ | १२६७६८० | १२०४६८३८ | ९८३७८४ | |
| २०८१/८२ | १६९९१५१५ | ९६६६९०९ | ६४४४६०६ | ११०८५४८ | १३८६६६९७ | ११३६२७१ | |
| २०८२/८३ | १७७७१७० | १०६६२७०२ | ७१०८४६८ | १००३८२७ | १५५५००४५ | १२१७२९८ | |

४.४.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|--|---|-----------------------|----------|---|
| १ | महिला स्वरोजगार कार्यक्रम | महिलाहरुलाई रोजगार बनाउनु | सालवसाली | १२४००००० | महिलाहरु रोजगारीमा संलग्न भएको हुनेछ। |
| २ | जेष्ठ नागरिक दिवा सेवा तथा ज्ञान हस्तान्तरण केन्द्र | जेष्ठ नागरिकको सम्मान गर्नु | सालवसाली | ५५४५००० | जेष्ठ नागरिकहरुले सम्मानपूर्वक बाँच्न पाउने अधिकार उपभोग गरेको हुनेछ। |
| ३ | दलित परम्परागत सीप प्रवर्द्धन कार्यक्रम | परम्परागत सीपबाट व्यवसायिक बनाउनु | सालवसाली | ४५००००० | दलित समुदायका व्यक्तिहरु रोजगार मार्फत आर्थिक उपार्जन गरेका हुनेछन्। |
| ४ | हिंसा पीडित संरक्षण केन्द्र | हिंसा पीडितलाई सुरक्षा प्रदान गर्नु | सालवसाली | २८५५००० | हिंसा पीडित महिलाहरुले सुरक्षित बसोबासको उपभोग गरेका हुनेछन्। |
| ५ | अपांगता भएका व्यक्ति संरक्षण तथा सशक्तीकरण कार्यक्रम | अपांग व्यक्तिहरुको लागि सम्मान गर्नु | सालवसाली | ४०३५५०० | अपांगता व्यक्तिहरुको सम्मान भएको हुनेछ। |
| ६ | दलित, अल्पसंख्यक, सिमान्तकृत र जनजाति उत्थान कार्यक्रम | पछाडी पारिएका समुदायको आर्थिक अभिवृद्धि गर्नु | २०८०/०८१-२०८२/०८३ | ६४४५००० | व्यवसायिक सीप प्राप्त गरी दलित, अल्पसंख्यक, सिमान्तकृत समुदायको आर्थिक वृद्धि भएको हुनेछ। |
| ७ | महिला, बालबालिका तथा सामाजिक समावेशीकरण प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रम (जनप्रतिनिधि, कर्मचारी, नागरिक समाजको विकास लगायत) | समावेशीकरणलाई मूलप्रवाहीकरण गरी पछाडी पारिएका समुदायको आर्थिक अभिवृद्धि गर्नु | २०८०/०८१-२०८२/०८३ | १२४००४८७ | महिला, बालबालिकाको अधिकार सुनिश्चित भएको हुनेछ। |

४.४.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्गको विकास सम्बन्धित कार्यक्रममा प्राथमिकताका साथ बजेट विनियोजन, व्यावहारिक कार्यक्रम तथा नीतिगत परिवर्तन, यस क्षेत्रसँग सम्बन्धित निकाय तथा संरचनाको क्षमता विकास तथा क्रियाशिलता नभएमा अपेक्षित नतिजा प्राप्त नहुने जोखिम रहन सक्दछ। नगरपालिकाले आफ्नो नीति तथा कार्यक्रममा महिला, बालबालिका र लक्षित वर्गको उत्थानका लागि सोच लिई कार्य गर्दै आएकोले नतिजा प्राप्त गर्न सकिने अनुमान गर्न सकिन्छ।

४.५ युवा, खेलकुद तथा नवप्रवर्तन

४.५.१ पृष्ठभूमि

यस नगरपालिकाको कुल जनसंख्याको संरचनालाई हेर्दा १९ देखि ४५ वर्षसम्मको युवाको जनसंख्याको अंश ३७.३१ प्रतिशत रहेको छ। जसमा महिलाहरूको अनुपात ५१.२१ प्रतिशत रहेको छ। तुलनात्मक रूपले सक्रिय जनसंख्याको मात्रा बढि रहेको देखिन्छ। यस नगरपालिकामा शिक्षित बेरोजगार युवाहरूको संख्या बढ्दो छ भने युवाहरू वैदेशिक रोजगारमा पनि संलग्न रहेको पाईन्छ। विद्यमान युवा जनशक्तिलाई सृजनशील कार्य र सूचना प्रविधि (आईसीटी) जस्ता क्षेत्रसँग जोडेर आर्थिक विकास र सामाजिक रूपान्तरणको संवाहकका रूपमा स्थापित गर्ने अवसर नगरपालिकासँग रहेको देखिन्छ।

४.५.२ समस्या तथा चुनौति

रोजगारी र अध्ययनका लागि युवाहरू विदेश पलायन, खेलाडीको प्रतिस्पर्धी क्षमतामा कमी, खेलकुद सम्बन्धी प्रयाप्त पूर्वाधारको कमी, दुर्वसन र वैदेशिक रोजगारीमा आकर्षण युवा तथा खेलकुद क्षेत्रका मुख्य समस्याहरू हुन्। युवा वर्गमा परम्परागत कृषि तथा घरेलु व्यवसायमा स्वभाविक आकर्षण रहेको छैन। विभिन्न तहका सरकारबीच युवा तथा खेलकुदसम्बन्धी योजना कार्यान्वयन एवम् समान प्रकृतिका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्न एकापसमा सामञ्जस्यको अभाव छ। स्तरीय खेल प्रशिक्षणमा कमी, खेलमा व्यावसायिकता कमी र खेलाडीको भविष्यको अनिश्चिताका कारण खेल क्षेत्रमा आशातित सफलता हासिल गर्न सकिएको छैन। खेलकुदलाई समय बिताउने माध्यमका रूपमा मात्र नलिएर खेलकुद आर्थिक उपार्जन र जीवन निर्वाहको आधारको रूपमा स्थापित गर्ने काम चुनौतिपूर्ण रहेको छ। विदेशबाट फर्केका युवाहरूको सीप तथा अनुभवको उचित प्रयोग गरि उत्पादनमूलक कार्यमा लगाउनु, नगरपालिकामा भएका पर्यटनका अवसरमा युवाहरूलाई आकर्षित गरी यस्ता व्यवसायमा परिचालित गर्नु यस क्षेत्रका मुख्य चुनौतीहरू हुन्।

४.५.३ लक्ष्य

"नगरपालिकाको समग्र विकासमा युवा जनशक्तिको भूमिका वृद्धि गर्ने"

४.५.४ उद्देश्य

१. नगरको समग्र विकासमा युवाको अर्थपूर्ण सहभागिता वृद्धि गर्नु।
२. युवाहरूलाई उद्यमशील र व्यवसायिक बनाउनु।

४.५.५ रणनीति

१. नगरपालिकाको नीति निर्माण, योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन र अनुगमन तथा मूल्यांकन प्रक्रियामा युवाको सहभागिता सुनिश्चित गर्ने।
२. क्षमता विकास कार्यक्रम तथा वित्तीय स्रोत साधनमा युवाहरूको पहुँच वृद्धि गर्ने।
३. खेलकुद क्रियाकलापहरूमा युवाहरूको संलग्नता बढाउने।

४.५.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|--|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| कर्भड हल तथा खेल मैदान | संख्या | ३ | ३ | ३ | ३ |
| प्रदेश र राष्ट्रिय स्तरमा परिचित खेलाडीहरु | संख्या | २५ | ३० | ३५ | ४० |
| नगरपालिकाको विकासमा युवाको सहभागिता दर | प्रतिशत | २५ | ३० | ४० | ५० |
| नगर तथा वडा तहमा विभिन्न समितिहरुमा युवाको प्रतिनिधित्व | प्रतिशत | २५ | २५ | २५ | २५ |
| सक्रिय युवा संजाल | संख्या | १३ | १३ | १३ | १३ |
| उद्योग तथा व्यवसायमा संलग्न युवाहरु | प्रतिशत | २५ | ३० | ३५ | ४० |
| युवाको नेतृत्वमा संचालित कृषिसंग सम्बन्धी व्यवसाय तथा उद्योग | संख्या | १३ | १३ | १३ | १३ |
| सक्रिय युवा संजाल | संख्या | १३ | १३ | १३ | १३ |

४.५.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा युवा तथा खेलकुद उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|---------|---------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | जाल | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | १०७२३७२६ | ४२८९४९१ | ६४३४२३६ | ९५०७६० | ९०३५१२९ | ७३७८३८ | |
| २०८१/८२ | ११८९१८३३ | ४७५६७३३ | ७१३५१०० | ८१८२१४ | १०२३४९४३ | ८३८६७६ | |
| २०८२/८३ | १२९२४४८७ | ५१६९७९५ | ७७५४६९२ | ७३००५६ | ११३०९१२४ | ८८५३०७ | |

४.५.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---------------------------------------|---------------------------------------|-----------------------|----------|--|
| १ | युवा सृजनशीलता विकास कार्यक्रम | युवाको सृजनशीलता उजागर गर्नु | सालवसाली | ९०४००५० | युवाको सीप तथा दक्षता वृद्धि भएको हुनेछ । |
| २ | खेलकुद स्थल निर्माण | नगरपालिकामा खेलकुद स्थल निर्माण गर्नु | सालवसाली | १७३५०००० | नगरपालिकामा खेलकुद स्थल निर्माण भएको हुनेछ । |
| ३ | खेलकुद विकास तथा प्रवर्द्धन कार्यक्रम | युवालाई सृजनशील र अनुशासित बनाउनु | सालवसाली | ४५५९९९६ | खेलकुद र शारिरीक व्यायामले नगरपालिकाको विकासमा युवाले भूमिका खेल्नेछ । |

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|--|---------------------------------|--------------------------|----------|---|
| ४ | युवा लक्षित पर्यटन सीप विकास कार्यक्रम | युवालाई रोजगारी प्रदान गर्नु | सालवसाली | ४५९०००० | पर्यटन रोजगारीमा युवाहरु संलग्न हुनेछ। |

४.५.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

युवा तथा खेलकूद सम्बन्धी कार्यक्रमका लागि बजेटको यथोचित व्यवस्था, यससँग सम्बन्धित निकायको संस्थागत विकास, जनशक्ति व्यवस्थापन र खेलाडीलाई प्रोत्साहन नभएमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल नहुने जोखिम रहन सक्छ।

४.६ सामाजिक सुरक्षा तथा पंजीकरण

४.६.१ पृष्ठभूमि

नगरपालिकामा सामाजिक सुरक्षाको सेवा र कार्यालयको तथ्यांक व्यवस्थापन पंजीकरण शाखाबाट हुँदै आएको छ। कार्यालयको अभिलेख व्यवस्थापन महत्वपूर्ण हुने भएकोले यस कार्यलाई व्यवस्थित गर्नुपर्ने भएकोले यस शाखा दक्ष र चुस्त हुन जरुरी हुन्छ।

४.६.२ समस्या तथा चुनौति

तथ्यांक व्यवस्थापनका लागि छुट्टै कर्मचारीको व्यवस्थापन हुन सकेको छैन। शाखागत कर्मचारीहरुले हालसम्म तथ्यांक व्यवस्थापन गर्दै आएकोले नगरपालिकागत तथ्यांक बन्न सकेको छैन। तथ्यांक व्यवस्थापनका लागि उपयुक्त सामग्रीको व्यवस्थापन हुन सकेको छैन। शाखागत कर्मचारीहरुबीच तथ्यांक व्यवस्थापनका लागि छलफल र प्रक्रियाको विषयमा एकआपसमा प्रष्ट हुन नसकेकोले यसको व्यवस्थापन चुनौतिपूर्ण रहेको छ।

४.६.३ लक्ष्य

“नगरपालिकाको योजना र समिक्षा व्यवस्थित तथ्यांकमा आधारित भई गर्ने”

४.६.४ उद्देश्य

१. नगरपालिकाबाट भएका गतिविधिहरुको एकमुष्ट तथ्यांक संकलन, विश्लेषण, प्रवाहमा एकद्वार प्रणाली विकास गर्नु।

४.६.५ रणनीति

१. पंजीकरण र तथ्यांक व्यवस्थापनका लागि आवश्यक सामग्रीहरुको व्यवस्थापन गर्ने।
२. शाखागत प्रमुख र कर्मचारीहरुको समन्वय र सहकार्यमा नगरपालिकाको सूचना र तथ्यांकलाई व्यवस्थित गर्ने।

४.६.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|-----------------------------|--------|-------------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| तथ्यांक व्यवस्थापन शाखा | संख्या | ० | १ | १ | १ |
| तथ्यांक व्यवस्थापन कर्मचारी | संख्या | ० | १ | २ | ३ |

| सूचक | एकाई | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|--------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| तथ्यांक संकलन, विश्लेषण र स्टोरेज सामग्री | संख्या | ० | १ | २ | ३ |

४.६.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा सामाजिक सुरक्षा तथा पंजीकरणका साथै समग्र नगरपालिकाको तथ्यांक उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|--------|--------|--------------------|-------------|--------------|----------------|
| | कुल | जाति | पंजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | न्यून तथा अन्य |
| २०८०/८१ | ६४३४२४ | ३२१७१२ | ३२१७१२ | ५७०४६ | ५४२१०८ | ४४२७० | |
| २०८१/८२ | ७६७२१५ | ३८३६०८ | ३८३६०८ | ५२७८८ | ६६०३१९ | ५४१०८ | |
| २०८२/८३ | ८८८५५८ | ४४४२७९ | ४४४२७९ | ५०१९१ | ७७७५०२ | ६०८६५ | |

४.६.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|----------------------------|---|-----------------------|----------|--|
| १ | पंजीकरण शाखा व्यवस्थापन | पंजीकरण शाखा व्यवस्थित गर्नु | सालवसाली | ७५६१९७ | पंजीकरण शाखा व्यवस्थित हुनेछ । |
| २ | तथ्यांक व्यवस्थापन | नगरपालिकाको सम्पूर्ण तथ्यांक व्यवस्थापन गर्नु | सालवसाली | १५४३००० | नगरपालिकामा एकिकृत तथ्यांक प्रणालीको विकास हुनेछ । |

४.६.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

सामाजिक सुरक्षा र पंजीकरणका साथै समग्र नगरपालिकाको तथ्यांक व्यवस्थापनसँग सम्बन्धित निकायको संस्थागत विकास, जनशक्ति व्यवस्थापनलाई प्रोत्साहन नभएमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल नहुने जोखिम रहन सक्छ ।

परिच्छेद ५: पूर्वाधार क्षेत्र

यस पूर्वाधार क्षेत्र अन्तर्गत आवास, भवन तथा शहरी विकास, सडक, पुल तथा यातायात, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा, सूचना, सञ्चार, विद्युतीय सुशासन लगायतका उप-क्षेत्रहरूको पृष्ठभूमि, समस्या तथा चुनौति, लक्ष्य, रणनीति, नतिजा खाका, त्रिवर्षीय खर्च तथा स्रोत अनुमान, आयोजना तथा कार्यक्रम र पूर्वानुमान तथा जोखिम पक्षहरू समावेश गरिएको छ ।

५.१ भवन, आवास तथा वस्ती विकास

५.१.१ पृष्ठभूमि

नगरपालिका क्षेत्रमा रहेका आवासिय घरहरू अधिकांश काठबाट बनेका छन् भने दोस्रोमा माटो र ढुङ्गाको जगबाट बनेका छन् । सेवा, सुविधा तथा अवसरको उपलब्धताले नगरपालिकाको ग्रामीण क्षेत्रबाट बजार क्षेत्रमा बसोवास गर्ने प्रवृत्ति बढ्दै गएको छ । नगरपालिकाको औसत जनघनत्व प्रति वर्गकिलोमिटर ७४.४८ व्यक्ति रहेको छ । नेपालको संविधानले प्रत्येक नागरिकलाई उपयुक्त आवासको हकको व्यवस्था गरेको छ । छरिएर रहेका तथा विपद्को जोखिममा रहेका घर परिवारलाई उपयुक्त आवासको व्यवस्थापन, अनाधिकृत तथा अव्यवस्थित रूपले बसोवास गरेका घर परिवारलाई उचित व्यवस्था गर्न नगरपालिकाले आगामी दिनमा यस क्षेत्रलाई ध्यानमा राखी काम गर्न आवश्यक छ । यसै क्रममा आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मा १३ वटै वडाका कुल ५२ घरपरिवार सुरक्षित नागरिक आवास कार्यक्रमबाट लाभान्वित भै सकेका छन् र यसले निरन्तरता पाउने अपेक्षा गरिएको छ ।

५.१.२. समस्या तथा चुनौति

राष्ट्रिय भूउपयोग नीति २०७२ अनुसार भूउपयोग योजना र क्षेत्र निर्धारण गरी सोअनुसार बस्ती विकास र भवन तथा भौतिक विकास योजना तर्जुमा र पूर्वाधार विकास तथा संरचना निर्माण, औद्योगिक र ग्रिनबेल्टका लागि नीतिगत, कानुनी, प्रक्रियागत र प्राविधिक ढाँचा तयार हुन सकेको छैन । विपन्न र भूमिहीनहरू अझै पनि सुरक्षित आवास सुविधाबाट बञ्चित रहनु, सामुहिक आवास निर्माणमा जनचासो कम हुनु, सबै तहका सरकारहरूको यसका लागि प्रभावकारी अभियान नहुनु, जोखिमयुक्त स्थानमा बसोबासले निरन्तरता पाउनु, नमुना आदि यस क्षेत्रका मुख्य समस्याहरू हुन् ।

सुरक्षित एवं एकिकृत आवास तथा वस्ती विकास गर्नु, किफायती र सुरक्षित आवास निर्माण गर्नु, स्थानीय भू-उपयोग नीति निर्माण र कार्यान्वयन गर्नु, विपन्न परिवारहरूको लागि सुरक्षित आवासको व्यवस्था गर्नु आदि यस क्षेत्रका चुनौतीहरू हुन् ।

५.१.३ लक्ष्य

“नागरिकहरूलाई सुरक्षित, सुलभ र स्वच्छ आवासको व्यवस्था गर्ने”

५.१.४ उद्देश्य

१. सुरक्षित, सुलभ र वातावरणमैत्री वस्तिहरूको विकास गर्नु ।
२. नीजि तथा सार्वजनिक निर्माण विपद् प्रतिरोधी बनाउनु ।

५.१.५ रणनीति

१. छरिएर रहेका र विपद्को जोखिममा रहेका तथा सिमान्तकृत घरपरिवारलाई सुरक्षित आवासको व्यवस्था गरिनेछ ।
२. आवश्यक स्थानमा वस्ती व्यवस्थित गर्ने ।

३. भवन निर्माण सम्बन्धी मापदण्ड र संहिता कार्यान्वयन गर्ने ।
४. नगरपालिका क्षेत्रमा शहरी विकासका पूर्वाधारको विकास गर्ने ।

५.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|--|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| भवन आचारसंहिता अनुसारको आवासमा बस्ने नगरवासी | प्रतिशत | ३० | ४० | ५० | ५५ |
| भवन आचारसंहिता अनुसार बनेका सार्वजनिक भवनहरु | प्रतिशत | २० | २५ | ३० | ३५ |
| तोकिएको मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका जनता आवास | संख्या | ५० | ५० | ५० | ५० |
| आफनै सभाहल भएका वडा कार्यालयहरु | संख्या | ४ | ८ | १० | १२ |
| आधारभूत पूर्वाधारसहित व्यवस्थित बजार | संख्या | १ | १ | १ | १ |
| मापदण्ड र भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि अनुसार बनेका आवासीय भवन | प्रतिशत | १५ | २० | २५ | ३० |
| सार्वजनिक शौचालय | संख्या | २ | ४ | ६ | ८ |
| भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माण सम्बन्धी दक्ष जनशक्ति | संख्या | १० | १० | १० | १० |
| विशेष सामाजिक आवासमा बसोवास गर्ने ज्येष्ठ नागरिक | संख्या | २० | ३० | ४० | ५० |
| खाद्य बैंक भवन | संख्या | ० | ० | १ | ० |

५.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा आवास तथा भवन उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|----------|----------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | ७७५६८२८७ | ४६५४०९७२ | ३१०२७३१५ | ६८७७६३ | ६५३५४०९६ | ५३३७०२८ | |
| २०८१/८२ | ७८६३९५३८ | ४७९८३७२३ | ३१४५५८१५ | ५४१०७६९ | ६७६८२६८६ | ५५४६०८२ | |
| २०८२/८३ | ८४४१३०५६ | ५०६४७८३४ | ३३७६५२२२ | ४७६८१७८ | ७३८६२७५ | ५७८२१६४ | |

५.१.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|----------------------------|--------------------------------|-------------------------|----------|--|
| १ | वडा कार्यालय निर्माण | वडा कार्यालय भवन निर्माण गर्नु | ०८०/८१ देखि ०८२/८३ सम्म | १५४३१००० | वडा कार्यालय निर्माण भई सेवा प्रवाह प्रभावकारी हुनेछ । |

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|-------------------------------------|--|-------------------------|-----------|---|
| २ | सार्वजनिक भवनहरु निर्माण | नगरपालिकाको क्षेत्रमा सेवा प्रवाहका लागि भवन, आवास वस्ती विकास गर्नु | सालवसाली | १३५६००८०० | सेवा प्रदायक सार्वजनिक भवनहरु निर्माण भएको हुनेछ। |
| ३ | जग्गा विकास आयोजना | नगरपालिकाका जग्गाहरु व्यवस्थित गर्नु | सालवसाली | २५०२९०० | जग्गा विकास भई वस्ती व्यवस्थित भएको हुनेछ। |
| ४ | सार्वजनिक बस पार्क स्थल निर्माण | बसपार्क निर्माण गर्नु | ०८०/८१ देखि ०८२/८३ सम्म | २५००५५० | सार्वजनिक बसपार्क पूर्वाधार तयार भएको हुनेछ। |
| ५ | वस्ती संरक्षण | ऐतिहासिक वस्ती संरक्षण र सम्बर्द्धन गर्नु | सालवसाली | ४५०००५५० | वस्ती संरक्षण भई पर्यटकीय आगमन बढ्नेछ। |
| ६ | आवास, भवन तथा शहरी विकास अन्य कार्य | | सालवसाली | ३९५८५०८१ | भवन तथा आवासहरुको मर्मत सम्भार भएको हुनेछ। |

५.१.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

पूर्वाधार विकासले भूस्वरूपमा परिवर्तन हुने, बजार क्षेत्र क्रमिक रूपमा शहरीकरण भई फोहोरमैलाको विसर्जन र वातावरणीय ह्रासमा वृद्धि भई नगर क्षेत्रको सुन्दरता, हरियाली र स्वच्छतामा ह्रास आउने जोखिम रहेकोछ। सडक तथा भवनको मापदण्ड तयार हुनेछ। भूउपयोग, आवास, वस्ती विकास तथा भवन निर्माण सम्बन्धी मापदण्डको परिपालनामा अभिवृद्धि हुनेछ।

५.२ सडक, पुल तथा यातायात

५.२.१ पृष्ठभूमि

सडक, पुल र यातायातको विकासले उत्पादकत्व बृद्धि गर्न, स्वास्थ्य र शिक्षा सेवामा पहुँच उपलब्ध गराउँदै रोजगारी सिर्जना गर्न र समग्र सामाजिक र आर्थिक विकासमा टेवा पुऱ्याउन उल्लेख्य योगदान गर्दछ। यस नगरपालिका भित्र कच्ची तथा धुले सडकहरु मात्र रहेका छन्। हालसम्म नगरपालिकामा पक्की तथा ग्राभेल सडकको परिमाण शून्य रहेको छ भने कच्ची तथा धुले सडकको परिमाण १८६.३७ कि.मी रहेको छ। यि सडकहरुले नगरवासीलाई आवत जावत र सामग्रीहरुको ढुवानी सहजता ल्याएको छ।

यस नगरपालिका भित्र डोल्पा राजमार्गमा एक पक्की पुल र नलगाड जलविद्युत आयोजना मार्फत निर्माण भएका दुई बेलिब्रिज सहित जम्मा तीनवटा मोटरवल पुलहरु रहेका छन् भने यहाँ जम्मा ३२ वटा भोलुङ्गे पुलहरु रहेका छन्।

उच्च पहाडी, हिमाली र कठिन भौगोलिक वनावट भएको यस नगरपालिकामा पुलपुलेसाको अभावमा १-२ घण्टाको बाटोको लागि दिनभर हिँडनुपर्ने बाध्यता रहेको छ।

५.२.२ समस्या तथा चुनौति

यस नगरपालिकाको बजार र आवास क्षेत्रमा निर्माण भएका सडकहरूमा ढल, नाली र फोहोरमैलाको व्यवस्थापनमा कमी रहेको छ । वर्षादको समयमा यातायात संचालनमा कठिन हुनु वा सञ्चालन नै नहुनु, यातायातको पहुँच सबै वस्तीहरू सम्म नपुग्नु, भएका सडक तथा पुलहरूको गुणस्तर कमजोर हुनु, निर्माण भएका सडकहरू सधैं बाढी तथा पहिरोको उच्च जोखिममा रहनु, सडक निर्माणको लागत उच्च रहनु यस क्षेत्रका मुख्य समस्याहरू हुन् ।

गुणस्तरीय सडक सञ्जाल विस्तार गर्नु, सडक तथा यातायात विकासको लागि जनसहभागिता जुटाउनु, सडक तथा पुलहरूलाई बाढी तथा पहिरोबाट बचाउनु, सडकको सुरक्षाको लागि जनताको अपनत्वको विकास गर्नु आदि मुख्य चुनौतीका रूपमा रहेका छन् ।

५.२.३ लक्ष्य

“गुणस्तरीय यातायातमा नागरिकहरूको पहुँच विस्तार गर्ने”

५.२.४ उद्देश्य

१. दिगो, भरपर्दो, सुरक्षित, वातावरणमैत्री सडक सञ्जाल विस्तार गर्नु ।
२. सडक पूर्वाधारको उचित संरक्षण, मर्मत सम्भार तथा व्यवस्थापन गर्नु ।

५.२.५ रणनीति

१. नगरवासीको आर्थिक, सामाजिक गतिविधिलाई योगदान पुग्ने गरी सडक संजाल विस्तार र सुदृढ गर्ने ।
२. दुर्गम गाउँ वस्तीमा आवतजावतको पहुँच वृद्धि गर्ने ।
३. पर्यटकीय पदमार्गहरूको पहिचान तथा निर्माण कार्यलाई अभियानका रूपमा सञ्चालन गर्ने ।
४. सार्वजनिक, नीजि तथा सामुदायिक क्षेत्रको सहभागितामा सडक संरक्षण, मर्मतसंभार तथा व्यवस्थापन गर्ने ।

५.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|--|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| कालोपत्रे सडक | कि.मि. | २ | २ | २ | २ |
| ग्राभेल सडक | कि.मि. | १५ | १५ | १५ | १५ |
| ढलान गरिएको सडक | कि.मि. | २ | २ | २ | २ |
| भोलुङ्गे पुल तथा ट्रेस पुल | संख्या | ३ | ३ | ३ | ३ |
| सडक बायोइन्जिनियरिङ्ग | कि.मि. | १ | १ | १ | १ |
| बाह्रै महिना यातायात सुचारु हुने सडकको घनत्व | कि.मि. | ५५ | ६० | ६५ | ७० |
| पदमार्ग निर्माण | कि.मि. | ५० | ५० | ५० | ५० |
| नियमित मर्मत भएका पदमार्गहरू | प्रतिशत | २० | २० | २० | २० |
| हिँडेर पक्की सडकमा पुग्न लाग्ने अधिकतम समय | घण्टा | २ | १.५ | १.२५ | १ |

५.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा सडक, पुल तथा यातायात उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|----------|----------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | बालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | ९४७२६२४९ | ५६८३५७५० | ३७८९०५०० | ८३९८३७९ | ७९८१०३०२ | ६५१७५६९ | |
| २०८१/८२ | १०३५७४०२५ | ६२१४४४१५ | ४१४२९६१० | ७१२६३७९ | ८९१४३०५० | ७३०४५९६ | |
| २०८२/८३ | ११३०८९२६२ | ६७८५३५५७ | ४५२३५७०५ | ६३८७९८९ | ९८९५४८३३ | ७७४६४३९ | |
| | ३११३८९५३६ | | | | | | |

५.२.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|--|--|-----------------------|-----------|--|
| १ | सडक कालो पत्रे | बजार क्षेत्र र मुख्य सडक कालोपत्रे गर्नु | २०८०/०८१ - २०८१/०८२ | १२०००५००० | बजार क्षेत्र र संघ तथा प्रदेशको सहयोगमा मुख्य सडक कालोपत्रे भएको हुनेछ । |
| २ | नगरपालिका सदरमुकामसम्म जोडिने र अन्य स्थानमा ग्राभेल सडक निर्माण | यातायात सुविधा सहज बनाउनु | सालवसाली | ८५०२२००० | नगरपालिकासम्म सेवा लिनका लागि सहज हुनेछ । |
| ३ | कल्भर्ट निर्माण | आवतजावत सहजताको लागि कल्भर्ट निर्माण गर्नु | सालवसाली | ६००४५००० | पानी निकास र यातायात सुचारुको लागि कल्भर्ट निर्माण भएको हुनेछ । |
| ४ | पदमार्ग, वायो ईन्जिनियरिंग र सडक मर्मत सम्भार | पालिकाको केन्द्र समेटेर चक्रपथ निर्माण गर्नु | २०८०/०८१ - २०८१/०८२ | ४६३१७५३६ | चक्रपथको रेखांकन भई ग्राभेल सडक निर्माण भएको हुनेछ । |

५.२.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

नगरपालिकाबाट संभाव्यता तथा वातावरणीय अध्ययन भएका आयोजना तथा कार्यक्रमलाई प्राथमिकता, उपभोक्ता तथा सरोकारवालाको सहभागितामा आयोजना व्यवस्थापन गर्न नसकिएमा अपेक्षित नतिजा हासिल हुने जोखिम रहन्छ । संघीय शासन प्रणाली अनुसार तीन तहबीच नीति तथा कार्यक्रममा सामाज्यस्यता, समन्वय र सहकार्यमा आयोजना कार्यक्रम छनौट र कार्यान्वयन हुनेछ । रुपान्तरणकारी, विस्तृत आयोजना प्रस्ताव तयार भएका, क्रमागत, बहुवर्षीय, कार्यान्वयनका लागि तयार भएका आयोजना तथा कार्यक्रम प्रस्तावित भए अनुसार बजेट विनियोजन भई खरिद प्रक्रिया अनुसार आयोजना कार्यक्रम कार्यान्वयन हुनेछन् ।

५.३ जलस्रोत, विद्युत तथा स्वच्छ उर्जा

५.३.१. पृष्ठभूमि

नगर विकासका लागि जलस्रोत व्यवस्थापन र विद्युतमा पहुँचले महत्वपूर्ण भूमिका खेल्दछ । यस पालिका अन्तर्गत प्रशस्त खोलानालाहरू रहेका छन् । केन्द्रिय तथ्याङ्क विभागको २०६८ को तथ्याङ्क अनुसार यस पालिकामा करिब ८० प्रतिशत भन्दा बढि घरपरिवारले विद्युत सेवा लिई रहेका छन् । तथापि अबै पनि १, ३, ६, १० र १३ वडाहरूमा भरपर्दो विद्युत सुविधा उपलब्ध हुन सकेको छैन । यस नगरपालिका अन्तर्गत केही लघु जलविद्युत आयोजनाहरू सञ्चालनमा रहेका छन् भने एउटा ठूलो जलविद्युत आयोजना निर्माणको चरणमा रहेको छ । साना लघु जलविद्युत आयोजनाहरूमा लहरे खोला जलविद्युत (३२ किलोवाट), रुलर जलविद्युत (२५ किलोवाट), सिर्के खोला जलविद्युत (३२ किलोवाट), चौखा जलविद्युत (२ किलोवाट) भुम्प्रे खोला जलविद्युत आयोजना आदि रहेका छन् । केही जलविद्युतहरू सामान्य अवस्थामा रहेका छन् भने केही मर्मत गर्नु पर्ने अवस्थामा रहेका छन् । रानी खोला जलविद्युत बाढीले बगाएर क्षति पुऱ्याएको छ । लहरेखोला जलविद्युतले करिब ५०० घरपरिवारलाई सुविधा पुऱ्याएको छ (नलगाड नगरपालिकाको आईयूडिपि, २०१८) । नवीकरणीय उर्जा, परम्परागत उर्जा तथा खनिज उर्जामा आधारित उर्जाको प्रतिस्पर्धा विश्वभर बढ्दो छ । दिगो विकास लक्ष्य र नेपालको संविधानले पनि नवीकरणीय उर्जाको विकास गरी आधारभूत आवश्यकता परिपूर्ति गर्नका लागि सुपथ र सुलभ रूपमा भरपर्दो उर्जाको आपूर्ति गर्ने नीति लिएको छ ।

५.३.२ समस्या तथा चुनौति

जलवायु परिवर्तनका कारण अतिवृष्टि, खण्डवृष्टिका साथै खोलानालामा अनियन्त्रित पानीको वहाव आउने खतरा रहेको छ । सबै वडामा नियमित रूपमा विद्युत सेवा उपलब्ध नहुनु, उपलब्ध जलस्रोतको पूर्ण सदुपयोग हुन नसक्नु, उर्जा सुरक्षामा वैकल्पिक उर्जाको योगदानको स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण हुन नसक्नु, वैकल्पिक उर्जाको प्रवर्द्धन र विस्तारको लागि निजी क्षेत्रलाई आकर्षण गर्न नसक्नु, सञ्चालनमा रहेका सबै लघु जलविद्युतहरूको नियमित मर्मत सम्भार गर्न नसक्नु आदि जस्ता समस्याहरू यसअन्तर्गत रहेका छन् ।

राष्ट्रिय प्रसारण लाईन नपुगेका क्षेत्रहरूमा नवीकरणीय उर्जामार्फत उर्जामा पहुँच स्थापित गर्नु, ग्रामीण विद्युतीकरण सेवालाई थप विस्तार गर्नु, लघु जलविद्युतको नियमित मर्मत संभार गर्नु, पुरै समय लघु जलविद्युत सञ्चालन गर्नु (पिक आवर समय तोकेर मात्रै सञ्चालन हुँदै आएको), दाउराको प्रयोग कम गर्नु, हिँउदको समयमा उर्जा आपूर्ति गर्नु, नवीकरणीय उर्जा अन्तर्गतको सौर्य तथा वायु उर्जा उत्पादनमा निजी तथा समुदायको लगानी आकर्षित गर्नु आदि चुनौतीहरू रहेका छन् ।

५.३.३ लक्ष्य

“सफा र दिगो उर्जामा नागरिकको पहुँच वृद्धि गर्ने”

५.३.४ उद्देश्य

१. नवीकरणीय उर्जाको विकास र विस्तार गर्नु ।
२. विद्युत आपूर्तिलाई दिगो र भरपर्दो बनाउनु ।

५.३.५ रणनीति

१. राष्ट्रिय प्रसारण लाईन नपुगेको र सम्भावना नभएका क्षेत्रा नवीकरणीय उर्जाको माध्यमबाट विद्युतीकरण गर्ने ।
२. विद्युत आपूर्ति व्यवस्थापन दिगो र भरपर्दो बनाउने ।

५.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|--|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| विद्युत सेवा प्रयोग गर्ने घर परिवार | प्रतिशत | ६० | ७० | ८० | ८५ |
| सौर्य उर्जा प्रयोग गर्ने घरधुरी अनुपात | प्रतिशत | ७ | ९ | १० | ११ |
| इन्धनका लागि दाउरामा भर पर्ने घर परिवार | प्रतिशत | ६० | ५० | ४० | ३० |
| गोबर ग्याँस प्रयोग गर्ने घरधुरी | प्रतिशत | ६ | ७ | ८ | ९ |
| केन्द्रीय विद्युत सेवा विस्तार भएका वडाहरु | संख्या | ११ | १२ | १३ | १३ |
| लघु जलविद्युत सेवाबाट लाभान्वित घर परिवार | प्रतिशत | ७ | ८ | ९ | १० |

५.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा विद्युत तथा उर्जा उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|----------|----------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | ३९३२०३३० | २९६२६९८९ | १७६९४९४८ | ३४८६९९९ | ३३९२८८०५ | २७०५४०६ | |
| २०८१/८२ | ३७२०९९२८ | २०४६५४६० | १६७४४४६७ | २५६०२९८ | ३२०२५४६६ | २६२४२४४ | |
| २०८२/८३ | ३८२०८०९५ | २९०९४४०८ | १७९९३६०७ | २९५८२२८ | ३३४३२५९७ | २६९७९९० | |

५.३.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---|----------------------------------|---------------------------|----------|---|
| १ | जल, वायु र सौर्य उर्जा विद्युत आयोजना कार्यक्रम | विद्युत आपूर्तिको व्यवस्था गर्नु | २०८०/०८१ - २०८१/०८२ | ३०९२६००० | नगरवासीहरुलाई विद्युत सुविधा उपलब्ध हुनेछ । |
| २ | सौर्य उर्जा र सुधारिएको चुलो विस्तार र अनुदान कार्यक्रम | सौर्य उर्जाको क्षमता विकास गर्नु | २०८०/०८१ - २०८१/०८२ | ४३४५०७७२ | सौर्य उर्जा जोडिएको घरधुरीमा २४ सै घण्टा विद्युत सुविधा प्राप्त हुनेछ । |
| ३ | वैकल्पिक उर्जा तथा स्वच्छ उर्जा प्रवर्द्धन कार्यक्रम | कार्बन उत्सर्जन न्यूनीकरण गर्नु | २०८०/०८१ - २०८१/०८२ | ३०८५५००० | कार्बन उत्सर्जन वार्षिक २५ प्रतिशतले कमी हुनेछ । |
| ४ | बजार क्षेत्रमा सोलार सडक वत्ती जडान | बजार क्षेत्र उज्यालो बनाउनु | २०८०/०८१ - २०८१/०८२ | ९५०६५०० | बजार क्षेत्र उज्यालो हुनेछ । |

५.३.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

जलवायु परिवर्तनको असर, वातावरणीय प्रभाव र स्थानीय सरोकारका विषयलाई सम्बोधन गर्न नसक्दा यसबाट अपेक्षित हासिल गर्न नसकिने जोखिम रहेको छ। उपलब्ध प्रविधिको उपयोग, बजेटको सुनिश्चिता, निर्माण सामग्रीको सहज उपलब्धता, मानव संशाधन उपलब्ध भएमा र विपद् तथा अन्य विवादको कारण आयोजनाका लागत बढ्न नगएमा उल्लेखित उपलब्धि हासिल हुनेछ।

५.४ सूचना तथा संचार प्रविधि

५.४.१ पृष्ठभूमि

नेपालको पन्ध्रौं आवधिक योजनाले परम्परागत अर्थतन्त्रलाई ज्ञानमा आधारित र आधुनिक बनाउन आधुनिक प्रविधि विकासको महत्वलाई आत्मसात गरेर सूचना तथा संचार प्रविधिसम्बन्धी पूर्वाधार तथा परियोजनामा ठूलो लगानी गर्नुपर्ने औल्याएको छ। यस नलगाड नगरपालिका क्षेत्रमा दुईवटा हुलाक कार्यालय रहेतापनि बढोत्तरी भइरहेको सूचना प्रविधिका कारण हुलाक सेवा प्रयोग गर्नेहरूको संख्या न्यून रहेको छ भने हालसम्म यसै नलगाड नगरपालिकामा कुनैपनि पत्रपत्रिका प्रकाशन हुने गरेको छैन।

नेपाल टेलिकम र एनसेलको मोबाइल सेवा पुगेता पनि अत्यन्तै कमजोर नेटवर्कका कारण सञ्चारको लागि स्थानीयहरूले सास्ती खेप्नु परेको छ। टेलिकमहरूको टावरसम्म विद्युतको पहुँच नपुगेको हुँदा सोलारबाट सञ्चालन भएका टेलिकम टावरहरूमा खराब मौसम भएको समयमा ब्याट्री चार्ज नहुने र सेवा ठप्प हुने गरेको छ। सम्पूर्ण वडा कार्यालयहरूमा इन्टरनेट (Worldlink fiber net and Everest wireless) सुविधा पुगेता पनि गुणस्तरीय सेवा उपलब्ध हुन सकेको छैन। निजी क्षेत्रको एफएम सञ्चालन नभएता पनि नगरपालिकाले आफ्नै एफएम रेडियो “नलगाड एफएम” सञ्चालनको क्रममा रहेको छ।

५.४.२ समस्या तथा चुनौती

संचार सुविधा प्राप्तिका लागि नियमित विद्युत आपूर्ति नहुनु, संचार सेवा प्रदायक संस्थाहरूको संख्यात्मक वृद्धिसँगै गुणात्मक विकास हुन नसक्नु, साइबर सुरक्षाका लागि संस्थागत र प्राविधिक जनशक्तिको अभाव हुनु, नगरपालिकाभित्र सूचना तथा संचार पहुँचको एकीकृत र अद्यावधिक विवरण तयार नहुनु र संचार माध्यमहरूलाई विश्वसनीय र जवाफदेही बनाउँदै गुणस्तरीय सेवा प्रवाह विकास गर्नुपर्ने चुनौति रहेका छन्।

सूचना प्रविधिलाई सबै नागरिकको पहुँचमा पुऱ्याउनु, उपलब्ध इन्टरनेट सेवाको गुणस्तर बृद्धि गर्नु, सूचना तथा संचारको लागि आवश्यक पर्ने विद्युत सेवाको नियमित आपूर्ति गर्नु, विद्युतीय शासन प्रणाली लागू गर्नु जस्ता चुनौतीहरू यस क्षेत्रमा रहेका छन्।

५.४.३ लक्ष्य

“सूचना तथा संचार सेवामा नागरिकको पहुँच वृद्धि गर्ने”

५.४.४ उद्देश्य

१. सूचना प्रविधिको विकास र विस्तार गर्नु।
२. आम संचारमाध्यमलाई व्यवसायिक र जवाफदेही बनाउनु।

५.४.५ रणनीति

१. सूचना र संचार क्षेत्रको विकासका लागि नीतिगत र कानूनी पूर्वाधार तयार गर्ने।
२. सूचना र संचार क्षेत्रको विकासमा जोड दिने।
३. नगरपालिकाभित्र आम संचार माध्यमहरूलाई थप व्यवस्थित गर्ने।

५.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना, कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|--|-----------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| इन्टरनेट सेवा प्रयोग गर्ने जनसंख्या | प्रतिशत | ३० | ३५ | ४० | ४५ |
| इन्टरनेट पुगेका वडाहरु | थप संख्या | १ | २ | ३ | ० |
| टेलिफोन मोबाइल प्रयोगकर्ता | प्रतिशत | ५५ | ६० | ६५ | ७० |
| क्रियाशिल पत्रकार | संख्या | २ | २ | २ | २ |
| सि.सि. क्यामरा जडान भएका सार्वजनिक स्थलहरु | संख्या | ५ | ५ | ५ | ५ |
| निःशुल्क वाइफाई जोन | संख्या | ३ | ३ | ३ | ३ |

५.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा सूचना तथा सञ्चार उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|----------|----------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | १८५८७७९२ | ९२९३८९६ | ९२९३८९६ | १६४७९८४ | १५६६०८८९ | १२७८९१९ | |
| २०८१/८२ | २०३३११९८ | १०१६५५९९ | १०१६५५९९ | १३९८८८२ | १७४९८४५१ | १४३३८६५ | |
| २०८२/८३ | १२९२४४८७ | ६४६२२४४ | ६४६२२४४ | ७३००५६ | ११३०९१२४ | ८८५३०७ | |
| | ५१८४३४७७ | | | | | | |

५.४.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---|---|-----------------------|----------|---|
| १ | कर्मचारी र जनप्रतिनिधिलाई सूचना तथा संचार सम्बन्धी क्षमता विकास | सूचना तथा संचार प्रविधिमा पहुँच वृद्धि गर्नु | सालवसाली | ४५००४७७ | नगरपालिकामा सूचना प्रविधि सम्बन्धी दक्षता वृद्धि भएको हुनेछ । |
| २ | डिजिटल डाटा र प्रोफाइल अपडेट तथा नवीकरण र डिजिटलाईजेसन | नगरपालिकाको तथ्यांक विद्युतिय माध्यममा राखी अपडेट गर्नु | सालवसाली | १४८९३००० | डिजिटल प्रोफाइल अपडेट सहित सुचारु भएको हुनेछ । |

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---|--|-----------------------|----------|---|
| ३ | सूचना तथा संचार प्रविधिमैत्री शासन प्रवर्द्धन कार्यक्रम (सिसिक्वामरा जडान, वाइफाइ, डिजिटल साक्षरता, डिजिटल सेवाको गुणस्तर वृद्धि) | शासन संचालनको सूचना प्रवाह विद्युतिय माध्यमबाट गर्नु | सालवसाली | ३२४५०००० | सूचना तथा संचार प्रविधिमैत्री शासन संचालन भएको हुनेछ। |

५.४.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

उपलब्ध प्रविधिको उपयोग, बजेटको सुनिश्चिता, दक्ष मानव संशाधन उपलब्ध भएमा र महामारी तथा अन्य अवस्था नभएमा उल्लेखित उपलब्धि हासिल हुनेछ। सो हुन नसकेमा योजनाको लक्ष्य तथा उद्देश्य प्राप्त नहुने जोखिम रहन सक्छ।

परिच्छेद ६ : वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन

यस परिच्छेदमा वन तथा भूसंरक्षण, वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन र विपद् जोखिम व्यवस्थापन लगायतका उप-क्षेत्रहरूको पृष्ठभूमि, समस्या तथा चुनौति, लक्ष्य, रणनीति, नतिजा खाका, त्रिवर्षीय खर्च तथा स्रोत अनुमान, आयोजना तथा कार्यक्रम र पूर्वानुमान तथा जोखिम पक्षहरू समावेश गरिएको छ।

६.१ वन, भूसंरक्षण तथा जैविक विविधता

६.१.१ पृष्ठभूमि

प्राकृतिक स्रोतको हिसावले वन एक महत्वपूर्ण सम्पदा हो। वन, वनस्पति, वन्यजन्तु र जैविक विविधता समेट्ने यो क्षेत्र प्रत्यक्ष रूपमा पर्यावरण, स्वच्छ पर्यावरण र वन तथा जडिबुटीमा आधारित उद्योगसँग गाँसिएको छ। यस क्षेत्रबाट प्राप्त हुने काठ, दाउरा, जडिबुटी, हरित उद्यम र प्रकृतिमा आधारित पर्यटनको विस्तार समृद्धिका आधार हुन् भने स्वच्छ पर्यावरण, हरियाली, जैविक विविधता, प्राकृतिक रमणीयता, समुन्नत जलाधार आदि सुखी नेपालीका महत्वपूर्ण सूचकहरू हुन्। वन, वन्यजन्तु तथा जैविक विविधताको संरक्षण र प्रवर्द्धन गरी सामाजिक, आर्थिक तथा वातावरणीय लाभ हासिल गर्ने तर्फ नगरपालिकाको प्राथमिकता हुनु अपरिहार्य छ। नगरपालिका क्षेत्रभित्र रहेका सामुदायिक वन, ग्रामीण तथा शहरी वन, धार्मिक वन तथा कबुलियत वनको संरक्षण, प्रवर्द्धन, प्रयोग, नियमन तथा व्यवस्थापनमा नगरपालिकाको भूमिका महत्वपूर्ण हुने हुँदा सोही अनुसार नीति तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्न आवश्यक हुन्छे।

हाल टिमुर, रिट्टा, सेतकचिनी, जटामसी, कुट्की, पाखनवेद, पदमचाल, सुगन्धवाल, कालिकोठको दाना, अल्लोजस्ता जडिबुटी लगायत खोटो नगरपालिका बाहिर निर्यात हुँदै आएको छ। सामुदायिक वनहरूबाट वार्षिक रु. ७५,००० बराबरको आम्दानी हुने गरेको छ। कानुनी प्रावधान अनुरूप सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरूमा कमिमा ५० प्रतिशतको सहभागितामा निर्णय हुने अभ्यास रहेको छ भने केही सामुदायिक वनमा सर्वसम्मत रूपमा पनि निर्णयहरू हुने गरेका छन्। नगरपालिका भरिमा करिब ४० प्रतिशत परिवार वन क्षेत्रमा पूर्णरूपमा आश्रित रहेका छन्। वडा नं. २, ३, ६ मा घना वन क्षेत्र रहेको छ। हरेक वर्ष डिभिजन वन कार्यालय तथा नगरपालिकाबाट करिब १०,००० विरुवा वृक्षारोपण गरिँदै आएको छ। चोरी निकासी न्यूनीकरणका लागि सब डिभिजन वन कार्यालयले दण्ड, जरिवाना, जनचेतनामूलक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्दै आएको छ। सामुदायिक वनबाट काठ, दाउरा लगायतको स्थानीय मागको पूर्ति भइ आएको छ।

नगरपालिकाभित्र रहेको जमिनको सही व्यवस्थापनका लागि भू-उपयोग नीति बनाई यसको कार्यान्वयनमा जोड दिनु पर्दछ। पहिरो र बाढीबाट हुनसक्ने सम्भावित क्षेत्रको पहिचान गरी यसको संरक्षण र रोकथामको लागि विशेष कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नुपर्दछ। क्षतिग्रस्त भूमि, नदी उकास जग्गा जस्ता क्षेत्रहरूको नक्सांकन गरी व्यवस्थापकीय कार्ययोजना तर्जुमा गर्ने र भूउपयोग विकाससँग सम्बन्धित संरक्षण र विकासका नमूना कार्यक्रमहरूको सञ्चालन गर्नुपर्दछ। जलाधार क्षेत्रको पहिचान, वर्गीकरण र प्राथमिकीकरण सम्बन्धी कार्य, जलाधार तथा पहिरो व्यवस्थापन सम्बन्धी ज्ञान, प्रविधि तथा अन्य वैज्ञानिक अध्ययन तथा प्रचार प्रसार जस्ता कार्यक्रमहरू पनि गर्नु जरुरी देखिन्छ। नगरपालिकाको शहरी योजना तथा विकासको अभिन्न अंगको रूपमा प्राकृतिक स्रोतको संरक्षण गर्ने कार्यलाई प्राथमिकतामा राख्नुपर्दछ। एकीकृत जलस्रोत व्यवस्थापन जस्तो जटिल कामदेखि स्थानीय तहमा प्राकृतिक स्रोतको व्यवस्थापनको लागि आवश्यक निजी क्षेत्र तथा समुदायबीच हुने सहकार्यको समन्वयको काम समेत गर्नु पर्ने जिम्मेवारी नगरपालिकाको रहेको छ।

६.१.२ समस्या तथा चुनौति

यस क्षेत्रमा रहेका वन, हरियाली र जैविक विविधताको संरक्षण र दिगो व्यवस्थापनमा यथोचित ध्यान पुग्न सकेको छैन। वातावरणीय स्वच्छता, प्राकृतिक स्रोत र साधनको समुचित उपयोग र संरक्षण हुन सकेको छैन।

नगरपालिकाको वन क्षेत्रमा अतिक्रमण उच्च हुनु, विभिन्न स्थानहरूमा अनधिकृत वन फडानी हुनु, वनको ठूलो हिस्सामा वनको गुणस्तर न्यूनस्तरको हुनु, मिचाहा वनस्पतिको प्रकोप बढ्दै जानु, संस्थागत विकासका दृष्टिकोणले समेत सामुदायिक वनहरूको अवस्था सन्तोषजनक नहुनु, कुल ४१ वटा सामुदायिक वनहरूमध्ये ३८ (करिब ९३ प्रतिशत) वटा सामुदायिक वनको आम्दानी नगन्य हुनु, करिब २५ प्रतिशत सामुदायिक वनको वार्षिक आम्दानी रु. १० हजारभन्दा कम हुनु र करिब ४० प्रतिशत सामुदायिक वनको खातापाता तथा लेखा व्यवस्थित नहुनु, करिब ४८ प्रतिशत सामुदायिक वनहरूको वार्षिक रुपमा लेखापरीक्षण नहुनु, सामुदायिक वन तथा कबुलियती वन दर्ता गरी निष्क्रिय रहने प्रचलन हुनु, जनसंख्या वृद्धि, सडक निर्माण, अतिक्रमण, समुचित व्यवस्थापनको कमी, प्राथमिकता तथा उचित लगानीको कमी जस्ता समस्याहरू रहेका छन् ।

यसैगरी भूसंरक्षण र जलाधारको सन्दर्भमा नगरपालिकाभित्र कालीमाटी पहिरो, पाते पहिरो, स्यालचौर लौका पहिरो, खालचौर पहिरो, बगरचामाखेत पहिरो, तल्लोबगर पहिरो लगायतका करिब एक दर्जन संख्यामा ठूला तथा मध्यम स्तरीय पहिरोहरू रहेका तथा यिनीहरूको समुचित व्यवस्थापन गर्न नसक्नु, नदी, सडक किनार, सार्वजनिक जग्गा, पाखा वा क्षेत्रहरूमा पर्याप्त मात्रामा वृक्षारोपण हुन नसक्नु र भएका रुखहरूको संरक्षण गर्न नसक्नु, हरेक वर्ष वृक्षारोपण नियमित गर्ने गरिए तापनि उचित हेरचाह गर्न नसक्नु र विरुवा हुर्कने दर न्यून हुनु, कमजोर, भिरालो जमिनमा स्थिरिकरणका प्रयासहरू अपर्याप्त हुनु, जलाधार क्षेत्रहरूको अध्ययन, पहिचान तथा तदनुरूपका कार्यहरू हुन नसक्नु, कृषि सडक लगायत अन्य साना पूर्वाधार निर्माणका काममा वातावरणीय अध्ययन बिना काम हुने गरेकाले वातावरणीय क्षति हुनु; पहिरो, गल्छी, खहरेहरूको नियन्त्रण नहुनु जस्ता समस्याहरू रहेका छन् ।

नगरपालिकामा वन अतिक्रमण हुनु, वन फडानी तथा वन डढेलो नियन्त्रण गर्न नसक्नु, नगरपालिका भित्र रहेका विभिन्न रैथाने प्रजातिका वनस्पति (फलाँट, गोब्रेसल्लो, काफल, लालीगुराँस, लैंटो, सेर्पो, साल, दल्लो आदि)हरू लोप हुने जोखिम बढ्नु र वन्यजन्तुहरू मृग, चितुवाजस्ता रैथाने प्रजातिका जीवजन्तुहरू लोप हुने जोखिम बढ्दै जानु, जैविक विविधताको संरक्षण तथा प्रवर्द्धन गर्न नसक्नु जस्ता चुनौतीहरू रहेका छन् ।

कमजोर, भिरालो तथा जोखिमपूर्ण जमिनको स्थिरिकरण गरी भूसंरक्षण गर्नु यस क्षेत्रको सबैभन्दा ठूलो चुनौतीको रुपमा रहेको छ । जल, जमिन तथा जंगललाई एकीकृत तथा दिगो ढंगले सञ्चालन गरी जमिनको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्नु यहाँको अर्को चुनौती रहेको छ ।

६.१.३ लक्ष्य

“वन तथा जैविक विविधताको संरक्षण र सदुपयोग गर्ने र कमजोर भिरालो जमिनको स्थिरिकरण तथा जलाधार क्षेत्रको उत्पादकत्व अभिवृद्धि गर्ने”

६.१.४ उद्देश्य

१. वन, हरियाली तथा जैविक विविधताको संरक्षण र दिगो व्यवस्थापन गर्नु ।
२. काष्ठ तथा गैरकाष्ठ वन पैदावार उत्पादन र परिचालन दिगो बनाउनु ।
३. खोला, खोल्सा, नदी कटान तथा पहिरोहरूबाट भूमीको संरक्षण गर्नु ।
४. भू तथा जलाधार क्षेत्रको उत्पादनशीलतामा वृद्धि गर्नु ।

६.१.५ रणनीति

१. वनले ओगटेको समग्र भूगोललाई गुणस्तरका आधारमा वर्गीकरण गरी प्राथमिकताका आधारमा गुणस्तर अभिवृद्धि कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने ।
२. वन तथा जैविक विविधतालाई एकीकृत पद्धतिबाट संरक्षण, प्रवर्द्धन गर्न पहल गर्ने ।
३. सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरूसंग नगरपालिकाको समन्वय र साभेदारी अभिवृद्धि गर्ने ।

४. दिगो वन व्यवस्थापनलाई प्राथमिकताका साथ कार्यान्वयन गर्ने ।
५. स्थानीय जलाधार क्षेत्रको व्यवस्थापनमा जल, जमीन र जंगलको एकीकृत व्यवस्थापन पद्धति अवलम्बन गर्न नेतृत्व र सहजीकरण गर्ने ।
६. जोखिमपूर्ण जलप्रवाहको उचित व्यवस्थापन गर्ने ।
७. भूमिगत पानीको जल भण्डारणमा बृद्धि गर्ने ।
८. विद्यमान जलस्रोतको संरक्षण तथा गुणस्तर कायम गर्ने ।

६.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| कूल भूमिमा वन तथा अन्य हरियाली क्षेत्र | प्रतिशत | ५६ | ५६ | ५७ | ५८ |
| वनमा आधारित उद्यम व्यवसायमा आश्रित घरपरिवार | संख्या | ५० | १०० | १५० | १५० |
| वातावरणीय सरसफाइ र स्वच्छता र सुन्दरता भएका वडा | संख्या | ५ | ५ | ८ | १० |
| पहिरो वा नदी कटानबाट क्षतिग्रस्त भूमिको क्षेत्रफल | रोपनी | ९० | ८० | ७० | ६० |
| वृक्षारोपणबाट वृद्धि भएको हरित क्षेत्र | हेक्टर | ५ | १० | १५ | २० |
| व्यवसायिक जडिवुटी खेतीमा संलग्न घरपरिवार | संख्या | ३ | ८ | १० | १२ |
| नवनिर्मित उद्यान तथा हरित क्षेत्र | संख्या | १ | २ | २ | ३ |
| उत्पादित काठ | घन फुट | ८२०० | ८५०० | ९००० | ९५०० |
| जैविक विविधतायुक्त संरक्षित क्षेत्र | संख्या | १ | १ | २ | २ |
| वनमा आधारित उद्योग व्यवसाय | संख्या | ८ | १४ | २१ | २३ |
| भू तथा जलाधार संरक्षण सम्बन्धी कार्यक्रम कार्यान्वयनमा आएका वडा | संख्या | ० | ५ | १० | १३ |
| जलाधार क्षेत्रमा आश्रित परिवार | प्रतिशत | ६५ | ६६ | ६६ | ६७ |

६.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा वन तथा भूसंरक्षण उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|---------|---------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कूल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | १२२२५०४८ | ६११२५२४ | ६११२५२४ | १०८३८६६ | १०३०००४६ | ८४११३५ | |
| २०८१/८२ | १४५७७०८५ | ७२८८५४३ | ७२८८५४३ | १००२९७२ | १२५४६०५९ | १०२८०५४ | |
| २०८२/८३ | १६१५५६०९ | ८०७७८०४ | ८०७७८०४ | ९१२५७० | १४१३६४०५ | ११०६६३४ | |

६.१.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|--|--|-----------------------|----------|--|
| १ | वन तथा जैविक विविधता संरक्षण कार्यक्रम (मिचाहा वनस्पति र वन डढेलो नियन्त्रण लगायत) | वन तथा जैविक विविधता संरक्षण गर्नु | सालवसाली | ११५००५३० | नगरपालिकाकमा जैविक विविधता संरक्षण हुनेछ । |
| २ | वृक्षारोपण कार्यक्रम | नगरपालिका क्षेत्रमा हरियाली प्रवर्द्धन गर्नु | सालवसाली | ५५००२५५ | एकसय रोपनीमा हरियाली वृद्धि हुनेछ । |
| ३ | जडिवुटी तथा उच्च मूल्य विरुवा नर्सरी स्थापना | जडिवुटी र उच्च मूल्यको विरुवा रोपण गर्नु | ०८०/८१ देखि २०८२/८३ | ४५४०९५७ | एउटा जडिवुटी र उच्च मूल्य सम्बन्धी विरुवाको नर्सरी स्थापना हुनेछ । |
| ४ | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन कार्यक्रम | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन गर्नु | सालवसाली | ११९१५००० | वन र विपद् व्यवस्था कार्य भई समुदाय सुरक्षित हुनेछ । |
| ५ | रिचार्ज पोखरी निर्माण | जलचक्र नियमित गर्नु | सालवसाली | ९५०१००० | जलचक्र कायम हुनेछ । |

६.१.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

जलवायु परिवर्तनको असर लगायत विभिन्न महामारी र अन्य विपद जोखिममा वृद्धि, स्रोतको अनियन्त्रित दोहन र उत्खनन तथा अनियन्त्रित निर्माण जस्ता जोखिम पक्षहरू रहेका छन् । संज्ञीय संरचना अनुसारको नीतिगत, कानूनी र संरचनागत व्यवस्था, दक्ष जनशक्ति, समुदाय तथा सरोकारवालाको सहभागिता सुनिश्चित भई श्रोत साधनको लगानीमा प्राथमिकता प्राप्त भएमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुने पूर्वानुमान गरिएको छ ।

६.२ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

६.२.१ पृष्ठभूमि

उचित रूपमा फोहोरमैला व्यवस्थापन हुन नसकेमा यसले वातावरणमा असर गर्दछ । दैनिक रूपमा घरधुरीबाट निस्कने फोहोरको व्यवस्थापन स्थानीय स्तरमा नै हुँदै आएको छ । नेपालको संविधानले प्रत्येक नागरिकलाई स्वच्छ र स्वस्थ वातावरणमा बाँच्न पाउने मौलिक हकको समेत व्यवस्था गरेको छ । तसर्थ आफ्नो क्षेत्रभित्र वातावरण संरक्षण गर्ने जिम्मेवारी नगरपालिकाको आफ्नै हुन्छ । यसका लागि नगरपालिकाले व्यवस्थित शहरीकरणको नीति कार्यान्वयनमा ल्याउनु पर्दछ । वातावरण संरक्षणलाई टेवा पुऱ्याउन ध्वनि, जल, जमिन र वायुसँग सम्बन्धित प्रदुषण रोकथाम र नियन्त्रणका लागि आवश्यक मापदण्डको निर्माण गरी यसको पूर्ण पालनामा ध्यान दिन आवश्यक छ । नीजि तथा गैरसरकारी क्षेत्रहरूको समन्वय एवम् सहयोगमा ढल निकास, तथा फोहोरमैलाको मात्र कम गर्ने तथा कम उत्पादन गर्ने, पुनः प्रशोधन गर्ने र पुनः प्रयोग गर्ने ३ R (Reduce,

Reuse and Recycle) सिद्धान्तको पूर्ण रूपमा परिपालन गरी नगरक्षेत्रमा स्वच्छ वातावरण कायम राख्ने र फोहोरमैलाको व्यवस्थापनमा नगरपालिकाले प्रभावकारी भूमिका खेल्नुपर्ने छ ।

६.२.२ समस्या तथा चुनौति

नगरपालिकाका लागि समस्या भनेको फोहोर उत्पादन हुने घरपरिवारको संख्या र बजार क्षेत्र विस्तार हुँदै जानु हो । नगरपालिकामा फोहोरमैला वर्गीकरण र संकलनको अभ्यास नगण्य हुनाले बजार क्षेत्रमा फोहोरमैला खास गरी ठोस फोहोर बढ्दै जानु, प्लाष्टिक तथा कागजहरू जलाउने प्रचलन रहेको हुँदा जनस्वास्थ्यमा वायु प्रदूषणजन्य जोखिम हुनु, फोहोरमैलाको पुनःचक्रिय प्रयोग, निष्काशन न्यूनीकरण जस्ता काममा नगरपालिकाको पर्याप्त ध्यान नपुग्नु, अधिकांश घरधुरी (४५८२) मा परम्परागत चुल्होको प्रयोग कायमै रहनु, नगरपालिकाका ७० विद्यालय मध्ये ५० विद्यालयमा सरसफाई सन्तोषजनक नहुनु, वडा नं. ७ र १२ मा कुहिने र नकुहिने गरी फोहोर व्यवस्थापन खाल्डोहरू निर्माण गरिए तापनि कार्यान्वयनमा आउन नसक्नु समस्याहरू रहेका छन् ।

खाना पकाउने ऊर्जाका लागि दाउराको प्रयोग घटाउनु, किफायती वैकल्पिक उपायहरू पहिल्याई दाउरामाथिको निर्भरता घटाउनु, शून्य फोहोरमैलाको दिशातर्फ नगरपालिकालाई अधि बढाउन पर्याप्त ज्ञान, आवश्यक सोच, प्रविधि र जनचेतनाको व्यापक विस्तार गर्नु जस्ता चुनौतीहरू रहेका छन् ।

६.२.३ सोच

”स्वच्छ, सफा तथा मनोरम वातावरण सिर्जना गर्ने”

६.२.४ उद्देश्य

१. वातावरण संरक्षणप्रतिको जिम्मेवारी, जवाफदेहिता र वातावरण संरक्षणका अभ्यासमा वृद्धि गर्नु ।
२. वातावरणीय स्वच्छता अभिवृद्धि गर्नु तथा नगरपालिकालाई प्रदुषणमुक्त राख्नु ।

६.२.५ रणनीति

१. वातावरण संरक्षण र स्वच्छता अभिवृद्धिमा स्थानीय समुदायको सक्रिय सहभागिता अभिवृद्धि गर्ने ।
२. वातावरणमैत्री स्थानीय शासन प्रवर्द्धन गर्ने ।
३. वातावरण संरक्षणलाई अन्तर सम्बन्धित क्षेत्रका रूपमा स्थापित गर्ने ।

६.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना र कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| कूल भूमिमा वन तथा अन्य हरियाली क्षेत्र | प्रतिशत | ५६ | ५६ | ५७ | ५८ |
| वातावरणीय सरसफाई र स्वच्छता र सुन्दरता भएका वडा | संख्या | ५ | ८ | १० | १२ |
| स्वच्छ, सफा विद्यालय | प्रतिशत | ३० | ४० | ५० | ७० |
| व्यक्तिगत सरसफाई/स्वच्छता कायम गर्ने जनसंख्या | प्रतिशत | ६५ | ७० | ७५ | ८० |
| फोहोरमैला व्यवस्थापनको उचित प्रवन्ध भएका स्वास्थ्य संस्था | प्रतिशत | ३० | ४५ | ५५ | ७० |
| दैनिक सफाई हुने बजार क्षेत्र | संख्या | १ | २ | ४ | ६ |
| फोहोरमैलाको दिगो व्यवस्थापन भएका वडा | संख्या | १ | ३ | ६ | ८ |
| घरको फोहोर घरमै व्यवस्थापनको अभ्यास भएका घरधुरी | संख्या | ३० | ५०० | १५०० | २००० |
| शौचालय प्रयोग गर्ने जनसंख्या | प्रतिशत | ९४ | ९६ | ९८ | १०० |

६.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|---------|---------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कट | बालु | पूजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | १२१५३५५७ | ४८६९४२३ | ७२९२९३४ | १०७७५२८ | १०२३९८१२ | ८३६२९६ | |
| २०८१/८२ | १३४२६२६३ | ५३७०५०५ | ८०५५७५८ | ९२३७९० | ११५५५५८१ | ९४६८९२ | |
| २०८२/८३ | १४५४००४८ | ५८९६०९९ | ८७२४०२९ | ८२९३९३ | १२७२२७६४ | ९९५९७१ | |

६.२.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---|---|-----------------------|----------|---|
| १ | बजार क्षेत्र र अस्पतालजन्त्य फोहोरमैला व्यवस्थापन कार्यक्रम | प्लाष्टिकजन्त्य र हानिकारक फोहोर व्यवस्थापन गर्नु | ०८०/८१ देखि २०८२/८३ | ९८४५००० | प्लाष्टिकमुक्त बजार क्षेत्र र स्वास्थ्य सेवा प्रदायक संस्थाहरुमा फोहोर व्यवस्थापन हुनेछ । |
| २ | फोहोरमैला व्यवस्थापन कार्यक्रम | नगरपालिकाको सबै क्षेत्रमा फोहोरमैला व्यवस्थित गर्नु | सालवसाली | १४८७९०६७ | स्वच्छ नगरपालिकाको पहिचान बनाउनेछ । |
| ३ | सार्वजनिक शौचालय निर्माण र सरसफाई | नगर सरसफाईको लागि सार्वजनिक शौचालय निर्माण गर्नु | ०८०/८१ देखि २०८२/८३ | १०५४५००० | नगरपालिकाको बजार क्षेत्रमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण भएको हुनेछ । |
| ४ | वातावरणीय अध्ययन तथा जनचेतनामूलक कार्यक्रम | वातावरण अध्ययनबाट प्राप्त सुझाव अनुसार चेतनामूलक कार्यक्रम संचालन गर्नु | सालवसाली | ४८५०८०० | पालिकाको वातावरणीय अवस्था पहिचान भई सचेतनामूलक कार्यक्रम संचालन भएको हुनेछ । |

६.२.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

उपलब्ध प्रविधिको उपयोग, बजेटको सुनिश्चिता, दक्ष मानव संसाधन उपलब्ध भएमा र महामारी तथा अन्य अवस्था नभएमा उल्लिखित उपलब्धि हासिल हुनेछ । सो हुन नसकेमा योजनाको लक्ष्य तथा उद्देश्य प्राप्त नहुने जोखिम रहन सक्छ ।

६.३ विपद् जोखिम व्यवस्थापन र जलवायु परिवर्तन अनुकूलन

६.३.१ पृष्ठभूमि

कमजोर भौगर्भिक तथा भूधरातलीय बनोट, मौसमी विषमता, निरन्तर दोहोरिरहने बहु-प्रकोपका घटना, अव्यवस्थित पूर्वाधार विकास एवम् जोखिम असंवेदनशील विकास निर्माण कार्य लगायतका कारण उत्पन्न विभिन्न प्राकृतिक तथा गैरप्राकृतिक विपद्को अत्याधिक जोखिममा पर्ने मुलुकहरू मध्ये नेपाल पनि एक हो र सोको प्रभाव यस नलगाड नगरपालिकामा पनि पर्नु स्वभाविक हो । तसर्थ प्राकृतिक तथा अप्राकृतिक विपद्का कारणले हुने मानवीय र भौतिक क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्ने तर्फ नगरपालिकाको ध्यान जानु आवश्यक छ । त्यसैगरी जलवायु परिवर्तनले सबै क्षेत्रलाई असर गर्ने र ती असरहरू एक आपसमा सम्बन्धित र आधारित समेत हुने भएकोले यसको प्रभावको सामना गर्न समुदाय लगायत अन्य संस्थाहरूको अनुकूलन क्षमता अभिवृद्धि गर्नु आवश्यक छ । तसर्थ प्राकृतिक सम्पदाको दिगो व्यवस्थापन गर्ने तथा हरियाली अभिवृद्धि गर्ने जस्ता कार्यमा नगरपालिकाको ध्यान पुग्नु जरुरी छ । यसका लागि आवश्यक नीति, कानून एवम् कार्ययोजना तथा कार्यक्रम कार्यान्वयनमा जोड दिनुपर्दछ ।

वडा नं. १ को छडी र ठूला बगर, वडा नं. ५ को ऐरेनी, वडा नं. ७ को दल्ली र मन्मै, वडा नं. ८ को गारा, वडा नं. १० को चौका, वडा नं. १२ को औलगुर्ता र तल्लुव तथा वडा नं. १३ को चिरनतारा र खातीकुर्ता क्षेत्रहरूमा वाढीको जोखिम रहेको छ । यस नगरपालिकाको नदी तथा खोला क्षेत्र वरपर ७०.८ प्रतिशत (११,०६९.१ वर्ग मि.) न्यून वाढी जोखिम, २४.९ प्रतिशत (३,८८५.० वर्ग मि.) मध्यम जोखिम र ४.३ प्रतिशत (६७१.० वर्ग मि.) वाढीको उच्च जोखिममा रहेका छन् ।

अन्धाधुन्ध वन फाँडानी, भौगर्भिक अध्ययन विना पहाडमा सडक तथा अन्य संरचना निर्माण जस्ता पूर्वाधारका कार्यहरू पहिरोका मानव सिर्जित कारणहरू हुन् भने अतिवृष्टि, भूकम्प आदि प्राकृतिक कारणमा पर्दछन् । यस नगरपालिकामा Debris Flow, Rock Fall, Creeping, Gully Erosion, तथा नदी कटान र सडक निर्माणका कारण पहिरो जाने गरेको छ । यस नगरपालिका अन्तर्गतका स्थानीय समुदाय, भौतिक पूर्वाधार, आर्थिक गतिविधिहरू, सार्वजनिक सेवा आदि पहिरोका कारण जोखिममा रहेका छन् । वन क्षेत्र, खेतवारी, भाडी क्षेत्र, घाँसे मैदान, भीर, बाँभो जमिनहरू समेत पहिरोको जोखिममा रहेका छन् ।

नलगाड नगरपालिका पहाडी भूभागमा अवस्थित भएको तथा यहाँको भूगर्भ कमजोर भएको कारण पहिरोको उच्च जोखिममा रहेको छ । पहिरो जोखिमको हिसावले यस नगरपालिकाको कुल क्षेत्रफलको २५.०४ प्रतिशत (९६.९४ वर्ग किमि) न्यून जोखिम, ४०.३४ प्रतिशत (१५६.१६ वर्ग किमि) मध्यम जोखिम र ३४.६२ प्रतिशत (१३४.६२ वर्ग किमि) जमिन उच्च जोखिममा रहेको छन् ।

वडा नं. १ को खाउला, कल्पत र घोइलेता, वडा नं. २ को बोरथाना र डाँडागाउँ, वडा नं. ३ को हात्तीसुर, काडा र किटेनी, वडा नं. ४ को लहं र बागसो खोलागाउँ, वडा नं. ५ को ऐरेनी, मुली पोखरा र स्याली, वडा नं. ६ को पोर्सल्ली, मनमै, गम्राह र भारगाउँ, वडा नं. ७ को भालखाली, दल्ली र सिसानधार, वडा नं. ८ को बुरयुसा, मबिसरी र लुपाँ, वडा नं. ९ को रग्दा, वडा नं. १० को रावतगाउँ, दाम्गा र चौका, वडा नं. ११ को बाँनिया गाउँ र पुदु, वडा नं. १२ को बैकाँडा र तल्लु, वडा नं. १३ को प्यारी, मुख्याचुला, सिउना, छिहिन गाउँ, ग्यु, फुम्दा र खातीगुर्ता आदि पहिरो जोखिम क्षेत्रहरू हुन् ।

६.३.२ समस्या तथा चुनौति

संज्ञीय व्यवस्थासंगै कर्णाली प्रदेशमा अवस्थित यस नगरपालिकामा स्रोतको कमीका कारण विपद् जोखिम न्यूनीकरण, पूर्वतयारी र प्रतिकार्यलाई पूर्ण रूपमा मूलधारमा ल्याउने सकिएको छैन । वडा नं. ८, वडा नं. २, वडा नं. १, ४ आगलागीको उच्च जोखिममा रहेको, वडा नं. १, ८ र १३ सबैभन्दा बढि पहिरोका समस्या रहेको छ । कालीमाटी, साना वन, औल, चापाखेत, च्याबुगे, द्वाला, दह, गर्छिना, बगारा लगायतका वस्तीहरू वाढी/पहिरोको जोखिममा रहेको, आपतकालीन व्यवस्थापनलाई नियमन नियन्त्रण गर्ने उचित संयन्त्रको स्थापना

हुन नसक्नु, आपतकालीन राहत उद्धारका लागि आवश्यकता अनुरूप पहुँचको कठिनाइ रहेको, आवश्यक सब्ख्यामा दक्ष जनशक्तिको र आपतकालीन उद्धार सामग्रीहरूको कमी हुनु, कोदो, जौ, उवाजस्ता धेरै समयसम्म सुरक्षित राख्न सकिने खाद्यबालीको उत्पादन न्यून हुँदै गएको, जलवायु जोखिम सामना गर्न सक्ने सामुदायिक क्षमता क्रमशः ह्रास हुँदै गएको अतिवृष्टि, अनावृष्टि, खण्डवृष्टि, बाढी पहिरो बढ्दै गएको, समयमा पानी नपर्दा खाद्य उत्पादन न्यून भएको जस्ता समस्याहरू रहेका छन् ।

पटक पटक बाढी, पहिरो, भाडापखाला, आगलागी, वन डढेलो, चट्याङ्ग, सडक दुर्घटना जस्ता प्राकृतिक तथा मानवजन्य प्रकोपहरू घटाउनु र तिनीहरूको उचित व्यवस्थापन गर्नु, वडा नं. १३, १०, ११, १२, ५, ३ आदिमा रहेको बाढीको उच्च जोखिमको न्यूनीकरण गर्नु, आवश्यक स्रोतको व्यवस्थापन गर्नु जस्ता चुनौतीहरू रहेका छन् ।

६.३.३ लक्ष्य

“विपद्जन्य सामाजिक, आर्थिक, भौतिक तथा वातावरणीय क्षति न्यूनीकरण गर्ने”

६.३.४ उद्देश्य

१. विपद् जोखिम व्यवस्थापनको मूलप्रवाहीकरण गर्नु ।
२. जलवायु परिवर्तन अनुकूलतामा वृद्धि गर्नु ।

६.३.५ रणनीति

१. विपद्का अन्तरनिहित कारकहरूको खोजी गरी तदनुरूप न्यूनीकरणका कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने ।
२. विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन अवधारणाहरूलाई विकास व्यवस्थापनमा मूलप्रवाहीकरण गर्ने ।
३. विपद् जोखिम न्यूनीकरण व्यवस्थापनमा नगरपालिकाको सक्रियता र संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्ने ।
४. स्थानीय परिवेश सुहाउँदो जलवायु परिवर्तन अनुकूलनका अभ्यासहरू प्रवर्द्धन गर्ने ।

६.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना र कार्यक्रम तथा आयोजनाको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार विपद् जोखिम व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन उपक्षेत्रको नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| विगत पाँच वर्षमा विपद्बाट भएको मानवीय क्षतिमा आएको गिरावट (घाइते समेत) | प्रतिशत | ९ | ८ | ७ | ६ |
| पुनर्स्थापित भूमिको क्षेत्रफल | हेक्टर | २६८ | २० | ४० | ५० |
| जलवायुजन्य प्रकोपहरूबाट हुने विपद् जोखिमको बीमा भएका कृषक परिवारको हिस्सा | प्रतिशत | ० | १० | १५ | २५ |
| बाढी र पहिरोको जोखिममा रहेका मध्ये सुरक्षित बनेका घरपरिवार | प्रतिशत | १० | १५ | १५ | २० |
| भुकम्प प्रतिरोधी आवासिय भवन | प्रतिशत | ४ | १० | १२ | १४ |
| नवीकरणीय उर्जाका प्रविधिहरू (सुधारिएको चुलो, सौर्य चुल्हो, गोबर ग्याँस) प्रयोग गर्ने घरपरिवार | प्रतिशत | ४५ | ५० | ५५ | ६० |
| विपद्बाट भएको मानवीय क्षति (विगत ३ वर्षको) घाइते समेत | संख्या | | | | |

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|------------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| आपदकालिन सामूहिक आश्रयस्थल | संख्या | ० | ५ | १० | १३ |
| भवन आचारसंहिताको पालना गरी निर्माण गरिएका विद्यालय | प्रतिशत | ३२ | ३८ | ४० | ४५ |
| तालिम प्राप्त खोज तथा उद्धार कार्य गर्ने दक्ष जनशक्ति | संख्या | २० | ४० | ६० | ७० |
| विपद्बाट पूर्वाधार क्षेत्रमा विगत तीन वर्षमा भएको क्षति | रु. हजारमा | | | | |
| विपद् व्यवस्थापन कोष रकम (वार्षिक) | रु. लाख | ७५ | ८० | ९० | १०० |

६.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा विपद् जोखिम व्यवस्थापन उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|---------|----------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | २००१७६२३ | ८००७०४९ | १२०१०५७४ | १७७४७५२ | १६८६५५७३ | १३७७२९८ | |
| २०८१/८२ | २३०१६४५० | ९२०६५८० | १३८०९८७० | १५८३६४० | १९८०९५६७ | १६२३२४४ | |
| २०८२/८३ | २०१९४५११ | ८०७७८०४ | १२१९६७०७ | ११४०७१२ | १७६७०५०६ | १३८३२९३ | |

६.३.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---|---|-----------------------|----------|--|
| १ | विपद् जोखिम न्यूनीकरण क्षमता विकास तथा सामग्री व्यवस्थापन | जोखिम न्यूनीकरण क्षमता विकास र सामग्री व्यवस्थापन गर्नु | ०८०/८१ देखि २०८१/०८२ | ४२२५००० | जोखिम न्यूनीकरण भई सामग्रीहरू तयार भएको हुनेछ । |
| २ | जलवायु अनुकूलन कार्यक्रम | स्थानीय बासीहरूको जलवायु अनुकूलन क्षमता विकास गर्नु | सालवसाली | ४३५०५५८४ | अनुकूलनका उपायहरू अवलम्बन गरी जलवायुजन्य प्रकोपसंग सामना गर्ने छ । |
| ३ | स्थानीय तह जोखिम व्यवस्थापन कोष र सिकाई केन्द्र स्थापना | विपदसंग जुध्नसक्ने क्षमता विकास गर्नु | सालवसाली | १५४९८००० | विपद न्यूनीकरण भएको हुनेछ । |

६.३.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

जलवायु परिवर्तनको असर, आईपर्न सक्ने विभिन्न महामारी र अन्य विपद जोखिममा वृद्धि, स्रोतको अनियन्त्रित दोहन र उत्खनन तथा अनियन्त्रित निर्माण जस्ता जोखिम पक्षहरु रहेका छन् । संघीय संरचना अनुसारको नीतिगत, कानूनी र संरचनागत व्यवस्था, दक्ष जनशक्ति, समुदाय तथा सरोकारवालाको सहभागिता, उपकरण र श्रोत साधनको लगानी भएमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुने अनुमान गरिएको छ ।

परिच्छेद ७ : संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

यस क्षेत्रगत परिच्छेदमा नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन, मानव संशाधन तथा क्षमता विकास, स्रोत सुदृढीकरण तथा परिचालन, तथ्याङ्क तथा योजना व्यवस्थापन जस्ता उप-क्षेत्रहरूको पृष्ठभूमि, समस्या तथा चुनौति, लक्ष्य, रणनीति, नतिजा खाका, त्रिवर्षीय खर्च तथा स्रोत अनुमान, आयोजना तथा कार्यक्रम र पूर्वानुमान तथा जोखिम पक्षहरू समावेश गरिएको छ।

७.१ नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन

७.१.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधान र यस अनुसार बनेका कानूनहरूले स्थानीय सरकारहरूलाई आफ्नो अधिकारको क्षेत्रमा रही कार्य गर्न आवश्यक पर्ने कानूनहरू बनाउने अधिकार सुनिश्चित गरेको छ। सुशासन विना विकास सम्भव छैन र विकास विना देशमा समृद्धि ल्याउन सकिँदैन तसर्थ दिगो विकासको आधारशिला नै सुशासन हो।

सार्वजनिक प्रशासनलाई स्वच्छ, सक्षम, निष्पक्ष, पारदर्शी, भ्रष्टाचारमुक्त, जनउत्तरदायी र सहभागितामूलक बनाउनु नगरपालिकाको उच्च प्राथमिकतामा रहेको छ। नगरपालिकाबाट प्रवाह हुने सेवा सुविधामा जनताको समान र सहज पहुँच सुनिश्चित हुनु र जनतामा आत्मसम्मानको भावना अभिवृद्धि हुनु नै सुशासनको प्रत्याभूति हुनु हो। नागरिकका सामाजिक तथा आर्थिक आकांक्षा पुरा गर्न आवश्यक ऐन कानूनहरूको निर्माण र यसको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा नगरपालिकाले प्रयास गर्दै आएको छ।

७.१.२ समस्या तथा चुनौति

नगरपालिकाले तर्जुमा गरेका ऐन, नीति, नियम, कार्यविधि तथा निर्देशिकाहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयन नहुनु, बनेका कानून तथा कार्यविधिहरूको बारेमा नगरबासीहरू पर्याप्तमा जानकारी नहुनु, विशेषगरी लक्षित वर्गहरू आफ्नो पक्षमा बनेका नीति नियम तथा कार्यविधिहरूको बारेमा जानकारी नहुनु, न्यायिक समितिको भूमिकाको बारेमा नगरबासीहरू सुसुचित नहुनु, सुशासनको औजारहरूको बारेमा आम मानिसहरूलाई जानकारी नहुनु, यसको प्रयोग प्रभावकारी ढंगले प्रयोग नहुनु जस्ता समस्याहरू यस क्षेत्रमा रहेको छन्। त्यसैगरी संघीय तथा प्रदेश सरकारले बनाउनु पर्ने ऐन नियमहरू समयमा नै नबन्नु एउटा अर्को समस्याको रूपमा रहेको छ।

जनताको व्यापक सहभागितामा कानूनहरूको निर्माण गर्नु, बनेका कानूनहरूको बारेमा उनीहरूलाई अनुशिक्षण गर्नु, बनेका ऐन नियमहरूको बारेमा आम मानिसहरूमा अपनत्वको भावना जागृत गर्नु र तिनीहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नु जस्ता प्रमुख चुनौतीहरू रहेका छन्। त्यसैगरी सुशासन प्रवर्द्धन गर्नु निकै चुनौतीपूर्ण कार्य रहेको छ।

७.१.३ लक्ष्य

”नतिजामुखी र जनताप्रति जवाफदेही शासन प्रणालीको प्रवर्द्धन गर्ने”

७.१.४ उद्देश्य

१. नगरपालिकामा विद्युतीय शासनको प्रवर्द्धन गर्नु।
२. कानुनी शासनको आधार तयार गर्नु।

७.१.५ रणनीति

१. नगरपालिकाहरूबाट प्रदान गरिने सेवाहरू प्रविधिमैत्री बनाउने।
२. नगरपालिकाबाट प्रदान गरिने सेवा तोकिएको मापदण्ड अनुसार प्रदान गर्ने।
३. अनुगमन तथा मूल्यांकनलाई प्रभावकारी बनाउने।
४. कानूनले दिएका अधिकार तथा जिम्मेवारी कार्यान्वयनको लागि आवश्यक कानूनहरूको निर्माण गर्ने।

५. शासन प्रणाली, नीति तथा कानून निर्माण, निर्णय, प्रक्रिया, कार्यसम्पादन प्रक्रिया र सेवा प्रवाहलाई सहभागितामूलक र पारदर्शी बनउने ।

६. न्यायिक समितिको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने ।

७.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना र कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नीति, कानून तथा सुशासन उपक्षेत्रको नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छः

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| अनुगमन तथा मूल्यांकन अनुसार सुधार भएका आयोजनाहरू | प्रतिशत | ५० | ७० | ८० | ८५ |
| सम्बोधन गरिएका लिखित गुनासाहरू | प्रतिशत | ५० | ७० | ८० | ८५ |
| सेवा प्रवाहमा थप भएका प्रविधिहरू | संख्या | २ | २ | २ | २ |
| नियमानुसार अर्थपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित भएका कार्यक्रमहरू | प्रतिशत | ५० | ६५ | ७५ | ८० |
| समयमा नै प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्ने सार्वजनिक निकायहरू | प्रतिशत | ७५ | ८० | ८५ | ९० |
| आयोजनाप्रति नागरिकहरूको संतुष्टीको तह | प्रतिशत | ७० | ७५ | ८० | ८५ |
| निर्माण भएका मध्ये प्रबोधिकरण गरिएका कानूनहरू | प्रतिशत | ७५ | ८० | ८५ | ९० |

७.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा नीति, कानून तथा सुशासन उपक्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|---------|---------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | ६०७६७७८ | ३६४६०६७ | २४३०७११ | ५३८७६४ | ५११९९०६ | ४१८१०८ | |
| २०८१/८२ | ७६७२१५० | ४६०३२९० | ३०६८८६० | ५२७८८० | ६६०३१८९ | ५४१०८१ | |
| २०८२/८३ | १००९७२५५ | ६०५८३५३ | ४०३८९०२ | ५७०३५६ | ८८३५२५३ | ६९९६४६ | |

७.१.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम / आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|--|--|-----------------------|----------|--|
| १ | नीति तर्जुमा | नगरपालिकाको लागि आवश्यक नीति तर्जुमा गर्नु | सालवसाली | ४५००८६४ | नगरपालिकाका लागि आवश्यक नीति तर्जुमा भई कार्यान्वयन भएको हुनेछ । |
| २ | नगरपालिकाको नीति तथा कानून निर्माण प्रक्रिया र नीतिगत अभिमुखीकरण (विद्युतीय शासन सम्बन्धमा समेत) | जनप्रतिनिधि र कर्मचारीहरूलाई नीतिगत अभिमुखीकरण गर्नु | सालवसाली | २५००५०० | स्थानीय तहको कानूनी निर्माण प्रक्रियामा जानकार भएको हुनेछ । |
| ३ | नीति कानून सुशासन तथा न्याय प्रवर्द्धन कार्यक्रम (सर्वेक्षण, विद्युतीय सामग्री व्यवस्थापन समेत) | नीति कानूनको पालनाबाट सुशासन प्रवर्द्धन गर्नु | सालवसाली | १५५९००१० | नगरपालिकामा नीति कानून तर्जुमा भई सुशासन प्रवर्द्धन भएको हुनेछ । |
| ४ | अनुगमन र मूल्यांकन संयन्त्रको क्षमता विकास र प्रतिवेदन प्रकाशन | अनुगमन र मूल्यांकन कार्यलाई संस्थागत गर्नु | सालवसाली | १२५४८१० | अनुगमन र मूल्यांकन कार्य व्यवस्थित भई संस्थागत हुनेछ । |

७.१.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

स्थानीय अधिकारको प्रयोग र यसका लागि बन्ने कानून निर्माण प्रक्रियामा सम्बन्धित पक्षहरूको अर्थपूर्ण सहभागिता नहुनाले नीतिहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयन नहुने जोखिम रहन्छ । संविधान, संङ्घीय, प्रदेश र स्थानीय नीति र कानून बमोजिम शासन सञ्चालन, सेवा प्रवाह र विकास कार्य सम्पादन हुन सकेमा अपेक्षित नतिजा प्राप्त हुनेछ ।

७.२ संगठन तथा क्षमता विकास, जनशक्ति व्यवस्थापन र सेवा प्रवाह

७.२.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधान अनुसार स्थानीय सरकारको रूपमा रहेका गाउँपालिका वा नगरपालिकाको नेतृत्वमा जनताबाट प्रत्यक्ष निर्वाचित प्रतिनिधिहरू रहने व्यवस्था रहेको छ । त्यसै अनुरूप नगरपालिकाको समग्र विकास गतिविधि तथा सेवा प्रवाहको नेतृत्व जननिर्वाचित व्यक्तिहरूले गर्दछन् । त्यसको प्रमुखको रूपमा नगर प्रमुखले गर्ने व्यवस्था छ । संविधान अनुसार कार्यपालिकाको रूपमा नगर कार्यपालिका, व्यवस्थापिकाको रूपमा नगरसभा र न्यायपालिकाको रूपमा उपप्रमुखको संयोजकत्वमा रहेको न्यायिक समिति क्रियाशिल छन् । यसै व्यवस्था अनुसार यस नगरपालिकामा २३ सदस्यीय नगर कार्यपालिका, ६८ सदस्यीय नगरसभा र ३ सदस्यीय न्यायिक समिति रहेको राजनीतिक नेतृत्व छ ।

त्यसैगरी नगर कार्यपालिकाको कार्यालय तर्फ प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतको नेतृत्वमा प्रशासनयन्त्र रहेको छ । नगरपालिको स्वीकृत दरबन्दी ५५ रहेकोमा हाल यस नगर कार्यपालिकाको कार्यालय र वडा कार्यालयहरूमा करार र स्थायी गरी जम्मा २७ जना कर्मचारी कार्यरत रहेका छन् । यसबाट २८ जना कर्मचारी अपुग देखिन्छ । नगरपालिकाको कार्यबोझको आधारमा संगठन संचरना बनाई सोही अनुसार कर्मचारीको समायोजन तथा

व्यवस्थापन गरी उनीहरूको कार्य जिम्मेवारी तोक्ने र तोकिएको कार्य जिम्मेवारी अनुसार कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन गर्ने परिपाटीलाई संस्थागत गरिदै आएको छ ।

नगरपालिकाको भौतिक पूर्वाधारको पक्षलाई हेर्दा नगर कार्यपालिकाको नयाँ प्रशासनिक भवन निर्माण सम्पन्न भएको छ । नयाँ प्रशासनिक भवनबाट सेवा प्रवाह सुरु गरिएको छ भने १३ वटा वडा कार्यालयहरू सबै आफ्नै भवनमा सञ्चालन हुने अवस्था बनिसकेको छ । यसैगरी कार्यालयहरूको नियमित कार्य सञ्चालनका लागि कम्प्युटर, ल्यापटप, प्रिन्टर र सफ्टवेयरको व्यवस्था भएको छ भने कार्यसम्पादनमा प्रभाव पार्ने यातायातको साधनको कुरा गर्दा गाडी र मोटरसाईकल रहेका छन् ।

७.२.२ समस्या तथा चुनौति

विकास गतिविधि तथा सेवा प्रवाहमा हुने दुई पक्षहरू सेवाग्राही तथा सेवा प्रवाह गर्ने पक्ष दुवै आफ्नो अधिकार र जिम्मेवारीबारे सचेत नहुनु, नगरपालिकाको सेवा प्रवाह प्रभावकारी हुन नसक्नु, योजना तथा बजेट तर्जुमा, वित्तीय व्यवस्थापन, लेखा परीक्षण र निर्णय प्रक्रियामा आवश्यक पर्ने समावेशी सहभागिता र पारदर्शितामा कमी यहाँका प्रमुख समस्या हुन् । त्यसैगरी योजनावद्ध विकास गतिविधि तथा सेवाको न्यूनतम मापदण्ड कार्यान्वयन गर्नु, आवश्यक स्रोत परिचालन गर्नु, दक्षतामा कमी हुनु र संस्थागत संरचना, मानव संसाधन विकासको क्षेत्रमा निकै कमजोर अवस्था हुनुलाई पनि यस क्षेत्रको समस्याको रूपमा पहिचान गरिएको छ ।

नगर कार्यपालिका कार्यालय, विषयगत शाखा, वडा कार्यालय र एकाईहरूमा आवश्यकता र प्रस्तावित दरबन्दी अनुसार प्रशासनिक तथा प्राविधिक कर्मचारीहरूको व्यवस्था मिलाउनु, जनप्रतिनिधि, शाखागत तथा समग्र कर्मचारीहरूलाई आफ्नो अधिकार र दायित्वको बारेमा आत्मानुभूति गराउनु र उनीहरूको क्षमता विकास गर्नु, सबै शाखा उपशाखामा आवश्यक भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्थापन गर्नु जस्ता चुनौतीहरू यस नगरपालिकामा रहेका छन् ।

७.२.३ लक्ष्य

“नगरपालिका मातहतका कार्यालय तथा नगरपालिका भित्रका आधिकारिक संरचनाहरूको संस्थागत क्षमता वृद्धि गर्नु”

७.२.४ उद्देश्य

१. नगर कार्यपालिका कार्यालय र मातहतका निकायहरूमा आवश्यक जनशक्ति व्यवस्थापन गर्नु ।
२. नगर कार्यपालिका कार्यालय र मातहतका कार्यालयहरूको भौतिक पूर्वाधारको सुधार गर्नु ।
३. नगरपालिकाभित्र औपचारिक रूपमा रहेका विभिन्न समिति, कार्यदल तथा समूहहरूलाई सहयोग गर्नु ।

७.२.५ रणनीति

१. नगरपालिकाको लागि आवश्यक पर्ने नयाँ जनशक्ति थप गर्ने ।
२. कार्यरत कर्मचारीहरूको क्षमता विकास गर्ने ।
३. नगर कार्यपालिकाको कार्यालय तथा यस अन्तर्गतका सबै कार्यालयहरूका लागि आवश्यक भवनहरूको व्यवस्था गर्ने ।
४. नगरपालिकाको कार्यालय तथा मातहतका कार्यालयहरूमा सूचना प्रणाली सुदृढ गर्ने ।
५. नगरपालिकामा रहेको उपभोक्ता समिति, कार्यदल तथा समूहहरूको सहकार्य तथा समन्वय वृद्धि गर्ने ।

७.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार संगठन, मानव संसाधन र सेवा प्रवाह उपक्षेत्रको नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार रहेको छ :

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|--|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| स्विकृत दरवन्दी अनुसार कर्मचारी भएका निकायहरु | प्रतिशत | ७५ | ८० | ८५ | ९० |
| सेवाग्राही सन्तुष्टी दर | तह | | निम्न | मध्यम | मध्यम |
| लिसा स्वमूल्यांकनमा प्राप्तकांक | सूचकांक | ७९.५ | ८५ | ८८ | ९० |
| दक्षता अनुसार जिम्मेवारी पाएका कर्मचारीको अनुपात | प्रतिशत | ७५ | ८० | ८५ | ९० |
| जिम्मेवारी अनुसार तालिम पाउने पाउने कर्मचारी | प्रतिशत | ५० | ७५ | ८० | ८५ |
| आफ्नै भवनमा संचालन भएका कार्यालय वा शाखाहरु | प्रतिशत | ५० | ६० | ७० | ८० |
| सूचना प्रविधियुक्त कार्यालय वा शाखाहरु | प्रतिशत | ५० | ६० | ७० | ८० |
| गुनासो सुनुवाइ | प्रतिशत | २० | ३० | ४० | ५० |
| स्थानीय कानून आ.अ. | संख्या | | आ.अ. ^१ | आ.अ. | आ.अ. |
| कार्यसम्पादन समीक्षा | पटक | १ | १ | १ | १ |
| उत्कृष्ट कार्य सम्पादन पुरस्कार पाउने कर्मचारी | संख्या | ५ | ५ | ५ | ५ |

७.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा संगठन, क्षमता विकास र सेवा प्रवाह उपक्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|----------|----------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | ३४६७३३८२ | २०८०४०२९ | १३८६९३५३ | ३०७४१२४ | २९२१३५८२ | २३८५६७६ | |
| २०८१/८२ | ३३७५७४६० | २०२५४४७६ | १३५०२९८४ | २३२२६७२ | २९०५४०३१ | २३८०७५७ | |
| २०८२/८३ | ३४३३०६६९ | २०५९८४०१ | १३७३२२६७ | १९३९२११ | ३००३९८६० | २३५१५९८ | |

७.२.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|--|---|-----------------------|----------|--|
| १ | जनप्रतिनिधि तथा कर्मचारीहरुको विकास क्षमता | जनप्रतिनिधि तथा कर्मचारीहरुको दक्षता वृद्धि गर्नु | सालवसाली | ७९०४०५० | जनप्रतिनिधि र कर्मचारीहरुको क्षमता विकास भई सेवा प्रवाह प्रभावकारी हुनेछ । |

^१ आवश्यकता अनुसार

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|--|--|-----------------------|----------|---|
| २ | संगठन, मानव संशाधन, क्षमता विकास र सेवा प्रवाह सुदृढीकरण कार्यक्रम | स्थानीय सेवा, संगठन, मानव संशाधन र कार्य सम्पादनमा अभिवृद्धि गर्नु | सालवसाली | ८३४८५४६९ | कार्यसम्पादनमा आधारित प्रोत्साहन प्रणाली लागू भई सेवा प्रवाहको स्तरमा ५० प्रतिशतले सुधार हुनेछ। |
| ३ | कार्यालयमा प्रविधिहरूको व्यवस्थापन | प्रविधियुक्त कार्यालय बनाउनु | सालवसाली | १२९७२००० | कार्यालयहरूमा प्रविधि जडान भई सेवा समयमा नै प्रदान हुनेछ। |

७.२.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

संविधान, संङ्घीय, प्रदेश र स्थानीय नीति र कानून बमोजिम संगठन, दक्ष मानव संशाधन, सीप र दक्षतामा अभिवृद्धि भएमा अपेक्षित नतिजा हुनेछ। उपरोक्त व्यवस्था हुन नसकेमा अपेक्षित नतिजा हासिल हुन नसक्ने जोखिम रहेकोछ।

७.३ राजस्व तथा स्रोत परिचालन

७.३.१ पृष्ठभूमि

संविधानले वित्तीय संघीयताको मान्यता अनुसार स्थानीय सरकारलाई विभिन्न कर तथा गैर करहरू लगाउने र उठाउने अधिकार दिएको छ। स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को परिच्छेद ९ दफा ५५ देखि ६८ सम्म स्थानीय तहले प्रयोग गर्न पाउने आर्थिक अधिकार एवं यसको सीमा समेत निर्धारण गरेको छ। अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ ले स्थानीय तहले लगाउन पाउने कर, संकलन गर्न सक्ने राजस्व, प्राप्त गर्ने अनुदान, राजस्व बाँडफाँट तथा आर्थिक सहयोग सम्बन्धमा स्पष्ट व्यवस्था गरेको छ। यिनै संबैधानिक र कानूनी प्रावधान अनुसार स्थानीय तहले आफ्नो अधिकार क्षेत्रभित्र राजस्व संकलन, बजेट तर्जुमा र कार्यान्वयन गर्न सक्ने हुँदा यसलाई अझ व्यवस्थित र पारदर्शी ढंगबाट अधिकारको प्रयोग हुने अवस्था निर्माण गर्न आवश्यक रहेको छ। राजस्व सुधार कार्ययोजना तर्जुमा नभएकोले करको दर तोकिएको पनि दायरा बढाउन जरुरी रहेको छ।

७.३.२ समस्या तथा चुनौति

नगरपालिकाको राजस्व संकलनको सम्भावना रहे तापनि आवश्यक सूचना प्रविधिमैत्री राजस्व संकलन व्यवस्था, कार्यविधि तथा मापदण्ड, कर्मचारीको अभाव जस्ता कारणले गर्दा सम्भावनाको न्युन राजस्व मात्र संकलन भइरहेको छ। विषय क्षेत्रगत रूपमा बजेट विनियोजन सन्तुलित नभएको र रोजगार, उत्पादनमूलक, सामाजिक क्षेत्र तथा आयमूलक आयोजना तथा कार्यक्रममा लगानी अपेक्षाकृत रूपमा कमजोर रहेको छ। राजस्व सुधार कार्ययोजना तयार नभएको र करको दर र दायरामा अध्ययन नभएकोले स्थानीय राजस्व संकलन व्यवस्थित हुन सकेको छैन। कर शिक्षा संचालन भएको छैन र स्थानीय करदाताहरूलाई नगरपालिकाले कर भुक्तानीमा आकर्षित गर्न चुनौति रहेको छ।

७.३.३ लक्ष्य

“आन्तरिक आय थप सवल, व्यवस्थित र अनुमानयोग्य बनाउने”

७.३.४ उद्देश्य

१. राजस्व प्रशासन थप सक्षम तथा करदातामैत्री बनाउनु।
२. आन्तरिक राजस्व परिचालन वृद्धि गर्नु।

७.३.५ रणनीति

१. राजस्व प्रशासनको सुदृढीकरण गर्ने र करदातामैत्री बनाउने ।
२. करदाता र नगरपालिकाबीच सम्बन्ध सुदृढ गर्ने ।
३. करको दाता वृद्धि गर्ने ।
४. सरोकारवालाहरूसंग समन्वय र सहकार्य वृद्धि गर्ने ।

७.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना र कार्यक्रम तथा आयोजनाको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार राजस्व तथा स्रोत परिचालन उपक्षेत्रको नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहाय अनुसार रहेको छ :

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|------------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| प्रतिव्यक्ति वार्षिक बजेट लगानी | रु. | २२७६२ | २३६८४ | २४२९८ | २४४५८ |
| वार्षिक आन्तरिक आय रकम | रु.हजार | १०५०० | १३१२५ | १५०९३ | १७३५७ |
| कुल वार्षिक बजेट | रु.हजारमा | ६५६८६५ | ७९४९१५ | ७६७२१५ | ८०७७८० |
| मासिक रूपमा वडाको आम्दानी र खर्च सार्वजनिक गर्ने वडाहरू | प्रतिशत | ६० | ७० | ९० | ९५ |
| कर योग्य करदाता मध्ये करमा आवद्ध करदाताहरू | थप प्रतिशत | १० | २० | ३० | ४० |
| राजस्व सुधार कार्ययोजना | संख्या | १ | १ | १ | १ |
| राजस्व प्रशासनप्रति नागरिकको संतुष्टी | तह | मध्यम | उच्च | उच्च | उच्च |
| आन्तरिक राजस्व वृद्धि दर | प्रतिशत | १० | १५ | २० | २५ |

७.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा तयार राजस्व तथा स्रोत परिचालन उपक्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहायअनुसार रहेको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको स्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|---------|---------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | चालु | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | ६०७६७७८ | ३०३८३८९ | ३०३८३८९ | ५३८७६४ | ५११९९०६ | ४१८१०८ | |
| २०८१/८२ | ६९०४९३५ | ३४५२४६८ | ३४५२४६८ | ४७५०९२ | ५९४२८७० | ४८६९७३ | |
| २०८२/८३ | ८०७७८०४ | ४०३८९०२ | ४०३८९०२ | ४५६२८५ | ७०६८२०२ | ५५३३१७ | |

७.३.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको राजस्व तथा स्रोत परिचालन उपक्षेत्रको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|---|--|-----------------------|----------|--|
| १ | राजस्व संकलन सप्ताह तथा जनचेतना कार्यक्रम | राजस्व संकलन वृद्धि गर्नु | सालवसाली | २४००००० | स्थानीय राजस्व सम्बन्धी सचेतना भई राजस्व संकलन वृद्धि हुनेछ। |
| २ | राजस्व सुचना व्यवस्थापन तथा सुदृढीकरण कार्यक्रम | आन्तरिक तथा बाह्य स्रोत परिचालनमा वृद्धि गर्नु | सालवसाली | १११२९००० | आन्तरिक तथा बाह्य स्रोत परिचालनमा वृद्धि हुनेछ। |
| ३ | राजस्व सुधार योजना, सफ्टवेयर जडान, तथ्यांक संकलन र विश्लेषण | राजस्व संकलन प्रक्रियालाई व्यवस्थित गर्नु | सालवसाली | ७५३०५१८ | राजस्व संकलन प्रक्रिया र परिचालन व्यवस्थित हुनेछ। |

७.३.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

संविधान, संङ्घीय, प्रदेश र स्थानीय नीति र कानून बमोजिम तिनै तहका सरकार, गैसस, समुदाय, सहकारी र नीजि क्षेत्र बीचको समन्वय, स्रोत साधन, प्रविधि र दक्ष मानव संशाधन परिचालन नभएमा उपलब्धी हासिल गर्न जोखिम रहने छ। अपेक्षित नतिजा प्राप्तिका लागि तिनै तहका सरकारबीच समन्वय, स्थानीय जनताको सहभागिता, कर्मचारीको दक्षता र जनप्रतिनिधिहरूको क्रियाशिलताले सहयोग गर्नेछ।

७.४ तथ्यांक प्रणाली र योजना तथा विकास व्यवस्थापन

७.४.१ पृष्ठभूमि

नगरपालिकाको विकासलाई दिगो, समावेशी तथा उत्थानशील बनाउने मुख्य ध्येयका साथ नगरपालिकाले दोस्रो पञ्चवर्षिय आवधिक योजना तयार गरी कार्यान्वयन गरिरहेको छ। नगरपालिकाको समष्टिगत विकासलाई मार्गदर्शन गर्न आवधिक योजना र मध्यमकालीन खर्च संरचना मार्फत प्राथमिकता क्षेत्र तथा आयोजना र कार्यक्रममा स्रोत सुनिश्चित गर्ने र मध्यमकालीन खर्च संरचना अनुसार वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गरी सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापन र नतिजामुखी विकास पद्धति कार्यान्वयनमा ल्याइएको छ।

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को परिच्छेद ६ मा स्थानीय सरकारहरूको योजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयन सम्बन्धी व्यवस्था रहेको छ। सो ऐनको दफा २४ (१) मा गाउँपालिका तथा नगरपालिकाले आफ्नो अधिकार क्षेत्र भित्रका विषयमा स्थानीय स्तरको विकासको लागि आवधिक, वार्षिक, रणनीतिगत, विषय क्षेत्रगत मध्यकालिन तथा दीर्घकालिन विकास योजना बनाई लागू गर्नुपर्नेछ भन्ने व्यवस्था रहेको छ। सोही दफाको उपदफा २ मा स्थानीय तहले योजना बनाउँदा ध्यान दिनुपर्ने विषयहरू उल्लेख गरिएको छ भने उपदफा ३ मा योजना बनाउँदा प्राथमिकता दिनुपर्ने विषयहरूको सूची रहेको छ।

नगर सभाबाट न्यायिक समिति, विधायन समिति, लेखा समिति र कार्यपालिकाबाट योजना तर्जुमा, शिक्षा, स्थानीय विपद् व्यवस्थापन लगायत विषयगत समिति गठन भई क्रियाशिल उन्मुख छन्। साथै सेवाग्राही तथा लक्षित समुदाय र नागरिक समाजको समेत सहभागितामा सहभागितामूलक योजना तर्जुमाको अभ्यास गरी नगरसभाबाट स्वीकृत नीति तथा बजेट र कार्यक्रमलाई बजेट पुस्तिका, वेबसाइट र सूचना पाटीमार्फत् सार्वजनिक गर्ने अभ्यास भइरहेको छ। नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधिहरूको नगरपालिकाको समग्र विकासका लागि लगनशिलता र प्रतिवद्धता रहेको छ भने कर्मचारीहरूबाट नीतिसंगत विकास र स्थानीय सरकारको अधिकार

क्षेत्रबाट विकास प्रक्रियालाई अगाडी बढाउन क्रियाशिल रहेका छन् । नगरपालिकाको तथ्यांक व्यवस्थापन प्रभावकारी बनाउन आवश्यक रहेको छ ।

७.४.२ समस्या तथा चुनौति

शासन सञ्चालन, योजनाबद्ध विकास र मापदण्ड अनुसार सेवा तथा सुविधा प्रवाह गर्न आवश्यक स्रोत परिचालन र दक्षतामा कमी रहेको छ । योजना तथा बजेट तर्जुमा, वित्तीय व्यवस्थापन, लेखा परीक्षण र निर्णय प्रक्रियामा समावेशिता, सहभागिता र पारदर्शितामा सुधार गर्नुपर्ने पर्याप्त स्थान छन् । नगरपालिकाको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, प्राथमिकता तथा रणनीतिसहित आवधिक योजना तयार भएपनि नगरपालिकाको विकासको अग्रणी क्षेत्रहरूको गुरुयोजना तर्जुमा हुन सकेको छैन । सेवा प्रवाह र कार्यसम्पादनमा अन्तर सरकार, नीजि क्षेत्र र गैसस र समुदायमा आधारित संस्थासँग संयन्त्रको विकास गरी प्रभावकारी समन्वय, सहकार्य र साभेदारी हुन सकेको छैन । प्रचुर सम्भावनाका बावजुद नीजि क्षेत्र र गैर सरकारी क्षेत्रसँगको साभेदारीलाई अपेक्षाकृत परिचालन गर्न सकिएको छैन ।

७.४.३ लक्ष्य

“विकास गतिविधिलाई वढीभन्दा वढी नतिजामुखी बनाउने”

७.४.४ उद्देश्य

१. नगरपालिकाको विकास गतिविधि समावेशी, सहभागितामूलक र पारदर्शी बनाउनु ।
२. अनुगमन तथा मूल्यांकन विश्वसनीय र भरपर्दो बनाउनु ।

७.४.५ रणनीति

१. योजना प्रक्रिया सरल तथा नागरिकमैत्री बनाउने ।
२. गैसस, नीजि क्षेत्र, समुदायमा आधारित संस्थासँगको समन्वय र साभेदारीमा अभिवृद्धि गर्ने ।
३. योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन र अनुगमनलाई सूचनामा आधारित सहभागितामूलक र नतिजामूलक बनाउने ।

७.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना र कार्यक्रम तथा आयोजनाको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार योजना तथा विकास व्यवस्थापन उपक्षेत्रको नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| सूचक | एकाइ | चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---------|----------------------------------|-------------------|---------|---------|
| | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| समावेशी सहभागितामा सम्पन्न भएका आयोजनाहरू | प्रतिशत | ७५ | ७५ | ८० | ८५ |
| तोकिएको नतिजा हासिल भएका आयोजनाहरू | प्रतिशत | ७५ | ७५ | ८० | ८५ |
| समयमा नै सम्पन्न आयोजनाको अनुपात | प्रतिशत | ८२ | ८५ | ९५ | ९५ |
| नियम अनुसार अनुगमन प्रतिवेदन भएका परियोजना/ कार्यक्रम | | ५० | ६० | ७० | ८० |
| समुदाय, सहकारी, नीजि क्षेत्र, गैसस, सहयोगी र नागरिक समाज संस्थाको लगानी अंश | प्रतिशत | ७ | ८ | ९ | १० |
| वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रममा आवधिक योजनामा प्रस्तावित आयोजना तथा कार्यक्रमको अनुपात | प्रतिशत | २० | ४० | ६० | ७० |

७.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

नगरपालिकाको उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा तथ्यांक प्रणाली र योजना तथा विकास व्यवस्थापन उपक्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| आर्थिक वर्ष | बजेट सीमा (रु.) | | | बजेटको श्रोत (रु.) | | | |
|-------------|-----------------|---------|---------|--------------------|-------------|--------------|-------------|
| | कुल | बाल्य | पूँजीगत | आन्तरिक स्रोत | नेपाल सरकार | प्रदेश सरकार | ऋण तथा अन्य |
| २०८०/८१ | ६०७६७७८ | ३६४६०६७ | २४३०७११ | ५३८७६४ | ५११९९०६ | ४१८१०८ | |
| २०८१/८२ | ५७५४११३ | ३४५२४६८ | २३०१६४५ | ३९५९१० | ४९५२३९२ | ४०५८११ | |
| २०८२/८३ | ४८४६६८३ | २९०८०१० | १९३८६७३ | २७३७७१ | ४२४०९२१ | ३३९९९० | |

७.४.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य, अवधि, लागत तथा तथा अपेक्षित उपलब्धि सहितको योजना तथा विकास व्यवस्थापन उपक्षेत्रको संक्षिप्त विवरण देहाय अनुसार तल प्रस्तुत गरिएको छ :

| क्र.सं. | उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना | उद्देश्य | अवधि (शुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---------|--|-------------------------------------|-----------------------|----------|--|
| १ | तथ्यांक प्रणाली सम्बन्धी सामग्री जडान र परिचालन | नगरपालिकाको तथ्यांक व्यवस्थित गर्नु | सालवसाली | ४५५०५७३ | नगरपालिकाको सम्पूर्ण तथ्यांक व्यवस्थित भएको हुनेछ । |
| २ | तथ्याङ्क, योजना तथा विकास व्यवस्थापन कार्यक्रम | नगरपालिकाको प्रगति समीक्षा गर्नु | सालवसाली | ५५४५००० | आवधिक रुपमा नगरपालिकाको प्रगति समीक्षा भएको हुनेछ । |
| ३ | विषयगत गुरुयोजना, आयोजना बैक, मध्यमकालिन खर्च संरचना तयारी र समीक्षा | योजना प्रक्रिया व्यवस्थित गर्नु | सालवसाली | ६५८२००० | नगरपालिकाका विकास गतिविधिहरु प्रक्रियागत रुपमा अगाडी बढेको हुनेछ । |

७.४.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

सूचना तथा जानकारीलाई संस्थागत गर्ने सम्बन्धमा दक्ष जनशक्तिको अभावमा तथ्यांक व्यवस्थापन र विश्लेषण नहुने जोखिम रहेको छ । संविधान, संङ्घीय, प्रदेश र स्थानीय नीति र कानून बमोजिम तिनै तहका सरकारका निकायहरु र गैसस, समुदाय, सहकारी र नीजि क्षेत्र बीचको समन्वय, स्रोत साधन, प्रविधि र दक्ष मानव संशाधन सहज उपलब्ध भएमा अपेक्षित नतिजा हुनेछ ।

अनुसूची १ : मध्यमकालिन खर्च संरचना तर्जुमा सम्बन्धी कार्यदल

| क्र.सं. | समितिका पदाधिकारी | जिम्मेवारी |
|---------|----------------------|---------------------------------------|
| १. | श्री मान बहादुर गिरी | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत - संयोजक |
| २. | श्री | प्रमुख, शिक्षा शाखा - सदस्य |
| ३. | श्री | प्रमुख, स्वास्थ्य शाखा - सदस्य |
| ४. | श्री | प्रमुख, लेखा शाखा - सदस्य |
| ५. | श्री | प्रमुख, कृषि शाखा - सदस्य |
| ६. | श्री | प्रमुख, सामाजिक विकास शाखा, - सदस्य |
| ७. | श्री | प्रमुख, महिला विकास शाखा, - सदस्य |
| ८. | श्री | प्रमुख, रोजगार शाखा - सदस्य |
| ९. | श्री | प्रमुख, पंजीकरण शाखा - सदस्य |
| १०. | श्री | प्रमुख, प्राविधिक शाखा - सदस्य |
| ११. | श्री | प्रमुख, न्यायिक शाखा - सदस्य |
| १२. | श्री | प्रमुख, जिन्सी शाखा - सदस्य |
| १३. | श्री | प्रमुख, प्रशासन शाखा - सदस्य |
| १४. | श्री | प्रमुख, वातावरण तथा विपद शाखा - सदस्य |
| १५. | श्री | प्रमुख, सहकारी शाखा - सदस्य |
| १६. | श्री | प्रमुख, योजना शाखा - सदस्य सचिव |

